धनबाद
सोमवार 02.03.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-11 पृष्ठ- 12
फाल्गुन शुक्ल पक्ष-14
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

बाबाधाम में बनेगा ब्रह्मोस मिसाइल प्लांट, रक्षा मंत्रालय ने दी सैद्धांतिक मंजूरी, खुलेंगे रोजगार के नए अवसर

देवघर (एजेंसी): झारखंड के देवघर में केंद्र सरकार ने बाबाधाम की धरती पर ब्रह्मोस मिसाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस फैसले से राज्य में रक्षा उत्पादन क्षेत्र को नई गति मिलने की उम्मीद है। सांसद निशिकांत दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने १३ जनवरी को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर देवघर में ब्रह्मोस यूनिट स्थापित करने की मांग की थी। इसके बाद रक्षा मंत्रालय की ओर से सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। देवघर के मोहनपुर प्रखंड के तिलौना क्षेत्र में लगभग

३०० एकड़ सरकारी जमीन पहले से ही चिन्हित की जा चुकी है। बताया जा रहा है कि यह जमीन करीब आठ वर्ष पूर्व आरक्षित की गई थी।

विशेषज्ञों का मानना है कि ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट स्थापित होने से देवघर, केवल झारखंड ही नहीं बल्कि पूर्वी भारत का महत्वपूर्ण रक्षा उत्पादन केंद्र बन सकता है। इससे राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना के शुरू होने से स्थानीय युवाओं के लिए तकनीकी प्रशिक्षण और कुशल रोजगार के अवसर पैदा होंगे। साथ ही ऑटो पार्ट्स, प्रिसिजन इंजीनियरिंग, लॉजिस्टिक्स और अन्य सहायक उद्योगों का भी विकास होगा, जिससे क्षेत्रीय औद्योगिक इकोसिस्टम मजबूत होगा। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत यह कदम रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में अहम माना जा रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल की हालिया सफलताओं के बाद इसकी मांग में लगातार वृद्धि देखी जा रही है।

एलओसी पार से घुसा पाकिस्तानी ड्रोन

पुंछ(ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास एक बार फिर से पाकिस्तान की ओर से नापाक हरकत की गई है. हालांकि, ड्रोन कुछ देर तक दिगवार इलाके में मंडराने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की ओर लौट गया। जानकारी के मुताबिक, यह पिछले तीन दिनों में दूसरी बार है जब सीमा पार से ड्रोन की गतिविधि का पता चलने पर सैनिकों ने फायरिंग की। सेना के जवानों ने सुबह करीब ६.१० बजे दुश्मन ड्रोन को देखा और उसे नीचे गिराने के लिए एक दर्जन से अधिक राउंड गोलियां चलाईं। इसके बावजूद, ड्रोन गोलियों से बच निकला और तुरंत पाकिस्तान की ओर लौट गया। इस घटना के बाद, सेना ने यह सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है कि ड्रोन ▸▸ 8

बारूद कंपनी में ब्लास्ट,17 की मौत

18 लोगों की हालत गंभीर, मटेरियल बनाते वक्त धमाका हुआ

नागपुर (ईएमएस): महाराष्ट्र में नागपुर जिले राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार सुबह करीब ७ बजे भीषण धमाका हो गया। हादसे में १७ कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि १८ घायल हो गए। घायलों में से कई की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढने की आशंका है। हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची। फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने की

कोशिश जारी है। फायर ब्रिगेड ने बताया कि ब्लास्ट से कंपनी में चारों तरफ मलबा फैल गया है। मलबे में दबे कुछ कर्मचारियों को निकाला गया है। १५ घायलों को नागपुर के अस्पताल ले जाया गया है।

नागपुर के कलमेश्वर में स्थित एसबीएल एनर्जी लिमिटेड (पूर्व में स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड) औद्योगिक विस्फोटकों की एक प्रमुख निर्माता कंपनी है। यह कंपनी खनन परियोजनाओं के लिए विस्फोटक, डेटोनेटर जैसे विस्फोटक बनाती है। रविवार सुबह कर्मचारियों ने काम शुरू ही किया था, तभी प्लांट में डेटोनेटर बनाने की प्रोसेस के दौरान एक तेज धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। हादसे के दौरान कंपनी में ३० से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे थे।

आईईडी ब्लास्ट में असिस्टेंट कमांडेंट घायल

चाईबासा(ईएमएस): पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट में कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट अजय मल्लिक घायल हो गए। घटना सारंडा के मरांगपोंगा इलाके में हुई, जहां सुरक्षा बलों की टीम जंगलों में सघन तलाशी अभियान चला रही थी। अभियान के दौरान पहले से बिछाए गए विस्फोटक में अचानक धमाका हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास मौजूद जवान भी सतर्क हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने सुरक्षाबलों की मूवमेंट को देखते हुए पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखा था। धमाके में सहायक कमांडेंट मल्लिक को चोटें आईं, हालांकि उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। विस्फोट के तुरंत बाद मौके पर मौजूद जवानों ने घायल अधिकारी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके, डोडा जिले में 4.2 तीव्रता से कांपी धरती

जम्मू (ईएमएस): रविवार तड़के सुबह जम्मू-कश्मीर का डोडा ज़िला भूकंप के झटकों से दहल गया। रिक्टर स्केल पर ४.२ मैग्नीट्यूड की तीव्रता वाले इस भूकंप ने पहाड़ी इलाके के निवासियों में दहशत पैदा कर दी, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जैसे ही सुबह हुई, परेशान लोकल लोग हालात का अंदाज़ा लगाने के लिए अपने घरों से बाहर निकले, उन्हें हिमालय की ठंडी हवा के बीच अपने पहाड़ी गांवों को सही-सलामत पाकर राहत मिली। मौसम विभाग ने भूकंप की शुरुआत के लिए सटीक कोऑर्डिनेट्स दिए लैटीट्यूड ३३.०८ डिग्री नॉर्थ और लॉन्गिट्यूड ७६.१७ डिग्री ईस्ट, जिसका एपिसेंटर धरती की सतह से सिर्फ़ पाँच किलोमीटर नीचे था। इस कम गहराई ने सेंसिटिव डोडा घाटी में झटकों को और बढ़ा दिया, जो मॉनसून के दौरान लैंडस्लाइड के लिए जाने जाने वाले अपने नाज़ुक इलाके के लिए जानी जाती है। इलाके की मॉनिटरिंग कर रहे सीस्मोलॉजिस्ट ने इस घटना की वजह इंडियन-यूरेशियन प्लेट बाउंड्री पर चल रहे टेक्टोनिक स्ट्रेस को बताया। यह एक हॉटस्पॉट है जो अक्सर केंद्र शासित प्रदेश में हल्के झटके देता है। किसी चोट, बिल्डिंग गिरने या इंफ्रास्ट्रक्चर में रुकावट की कोई खबर नहीं होने पर, अधिकारियों ने लगातार सावधानी बरतने की अपील की और लोगों को खड़ी ढलानों से बचने और आफ्टरशॉक के लिए अलर्ट रहने की सलाह दी। ▸▸ 8

भारत ने खाड़ी देशों के नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय फोन कॉल्स की श्रृंखला की शुरू

मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालातों के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस): अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए साझा सैन्य हमलों के बाद मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालातों के बीच भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने ईरान, इजराइल और सभी प्रमुख खाड़ी देशों के नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय फोन कॉल्स की एक श्रृंखला शुरू की है। इसका उद्देश्य न केवल हिंसा को रोकना है, बल्कि वहां रहने वाले लाखों भारतीयों की सुरक्षा की गारंटी लेना भी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयशंकर ने हिंसा को रोकने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी पर जोर दिया, साथ ही इस अस्थिर क्षेत्र में लाखों भारतीयों की भलाई का भरोसा भी दिलाया है। उन्होंने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और इजराइली समकक्ष गिदोन सार से सीधे बात की। जयशंकर ने ईरान में बढ़ती उथल-पुथल पर गहरी चिंता व्यक्त की। इजराइल से उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत तनाव कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति पर जोर देता है। उनकी बातचीत सऊदी अरब के प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद, कुवैत के शेख जर्राह जाबेर अल-अहमद अल-सबाह, बहरीन के अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल ज़यानी, कतर के पीएम मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी और यूएई के अब्दुल्ला बिन ज़ायद अल-नाहयान तक फैली हुई थी हर एक ने भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा का वादा किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेल न्यूक्लियर बातचीत के बाद ईरान के खिलाफ बड़े कॉम्बैट ऑपरेशन का ऐलान किया और ईरानियों से कहा कि वे उनकी सरकार को पीढ़ियों में एक बार मिलने वाले मौके के तौर पर हटा दें। इजराइल ने मिसाइल हमलों की पुष्टि की जिसके बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कतर, यूएई, कुवैत, बहरीन और जॉर्डन में अमेरिकी-इजराइली बेस पर जवाबी हमले किए। तेहरान और ईरान की दूसरी जगहों पर धमाके हुए।

विदेश मंत्रालय ने जयशंकर की अपीलों को दोहराया, ईरान और खाड़ी के ▸▸ 8

दुबई में फंसे पूर्व विधायक संजय शुक्ला; वीडियो जारी कर पीएम मोदी से मांगी मदद

इंदौर (ईएमएस): ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी भीषण जंग की आंच अब दुबई तक पहुंच गई है। इंदौर के पूर्व विधायक संजय शुक्ला, विशाल पटेल और शहर के कई बड़े कारोबारी इस समय दुबई में फंस गए हैं। हालात इतने खराब हैं कि संजय शुक्ला ने एक वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से उन्हें सुरक्षित भारत वापस लाने की गुहार लगाई है। दुबई से आए वीडियो में संजय शुक्ला काफी डरे हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि वहां स्थिति बहुत गंभीर है। शुक्ला के मुताबिक, उनके देखते ही देखते वहां बम गिर रहे हैं और दुबई एयरपोर्ट को भी निशाना बनाया ▸▸ 8

साणंद आज विकास और नवाचार का एक जीवंत केंद्र बन गया: पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस): पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद दौरे के बाद यहां के लोगों की तारीफ की है। पीएम मोदी ने रविवार को एक्स पर रोड शो का एक वीडियो शेयर किया।

उन्होंने शनिवार को साणंद में रोड शो किया था। पीएम मोदी ने पोस्ट में लिखा- साणंद ने पिछले कई सालों में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। पहले इसे कुछ लोग एक साधारण जगह मानते थे, लेकिन आज यह विकास और नवाचार का एक जीवंत केंद्र बन चुका है।

पुरुष की तरह महिला कैदियों को भी खुली जेलों में रहने का बुनियादी अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने जेल सिस्टम को सुधार सेंटर में बदलने की कोशिश पर दिया जोर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने भारत में जेल सिस्टम को सुधार सेंटर में बदलने की कोशिश पर जोर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि पुरुष कैदियों की तरह महिला कैदियों को भी ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशन मतलब खुली जेलों में रहने का बुनियादी अधिकार है। इन्हें लेबर कैंप से वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में बदलना होगा और कैदियों को अपने परिवारों से रेगुलर मिलने देना होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय जेल सिस्टम की दिक्कतों और कोर्ट के बनाए गए उपायों पर १३८ पेज का बड़ा फैसला लिखते हुए, जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज एस आर भट को एक उच्च कमेटी का चेयरपर्सन नियुक्त किया, जो ६ महीने के अंदर ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशन के सुधार और गवर्नेंस के लिए देशभर में एक जैसे कॉमन मिनिमम स्टैंडर्ड तय करेगी। जिन राज्यों के पास खुली जेल नहीं है उन्हें ओपन जेल बनाने के लिए कहा गया है। मामले की अगली सुनवाई १ सितंबर को तय की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं को ओसीआई से बाहर रखना, या बंद जेलों से ओसीआई में ट्रांसफर के लिए योग्य होने के बावजूद उन्हें ट्रांसफर न करना, खुलेआम जेंडर भेदभाव है, जो संविधान में मिले सम्मान के साथ जीने ▸▸ 8

डेढ़ करोड़ की ठगी 27 आरोपी पकड़े

नई दिल्ली(ईएमएस): पश्चिम जिला साइबर सेल ने जालसाजों के खिलाफ देशव्यापी कार्रवाई करते हुए २७ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सप्ताहभर चले इस विशेष अभियान में ११ राज्यों में एक साथ छापेमारी की और पुलिस ने करीब १० बड़े मामलों का खुलासा किया है। इन मामलों में डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक की ठगी सामने आई है, जबकि आरोपियों के बैंक खातों में करीब १३.९१ करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है। जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि साइबर सेल की टीम ठगी के मामलों की जांच कर रही थी। तकनीकी जांच करने के बाद पुलिस ने आरोपियों की ▸▸ 8

यात्रियों में हाहाकार : जमीन पर थमे विमान, ईरान-इजराइल संकट से भारत की 850 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (ईएमएस): ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हालिया सैन्य हमलों के बाद मध्य पूर्व (मिडल ईस्ट) में उपजे तनाव ने वैश्विक हवाई यातायात की कमर तोड़ दी है। युद्ध की विभीषण स्थिति को देखते हुए कई देशों द्वारा अपना हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) बंद किए जाने के कारण भारत सहित पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों पर गहरा असर पड़ा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, ईरान और आसपास के क्षेत्रों में लगे हवाई प्रतिबंधों के चलते शनिवार को भारतीय एयरलाइंस की लगभग ४१० उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। संकट की गंभीरता को देखते हुए रविवार १ मार्च को भी ४४४ अन्य उड़ानों के रद्द होने की आशंका

जताई गई है, जिससे कुल प्रभावित उड़ानों का आंकड़ा ८५० के पार पहुंचने का अनुमान है।

यह वैश्विक विमानन संकट २८ फरवरी को उस समय शुरू हुआ जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान के रणनीतिक ठिकानों पर हमले ▸▸ 8

ममता ने राज्यसभा के लिए चुना बंगाल की मशहूर टॉली क्वीन

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए अपने चार उम्मीदवारों की घोषणा की। टीएमसी ने जिन चार उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है, उसमें बाबुल सुप्रियो, पूर्व डीजीपी राजीव कुमार, वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी सहित पॉपुलर बंगाली अभिनेत्री कोयल मल्लिक का नाम भी शामिल है। अभिनेत्री कोयल मल्लिक को टीएमसी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। टीएमसी ने सोशल मीडिया के जरिए उनके नाम का ऐलान किया। कोयल मल्लिक बंगाली फिल्म इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं। कोयल का जन्म कोलकाता हुआ में हुआ। कोयल अभिनेत्री होने के साथ सोशल वर्कर भी हैं। वे विधवाओं और बच्चों के लिए काम करती हैं। वे अपने परिवार में राजनीति में कदम रखने वाली पहली सदस्य होंगी।

कोयल अब तक कई सुपरहिट बंगाली फिल्मों में अभियन कर चुकी है। अपनी दमदार अभियान से उन्होंने हमेशा फैंस को खुश किया है। कोयल को टॉली क्वीन भी कहा जाता है।

कोयल के पिता का नाम रंजीत मल्लिक है। कोयल के पिता भी एक दिग्गज बंगाली अभिनेता और प्रोड्यूसर रहे हैं। उनकी मां का नाम दीपा मल्लिक है। कोयल ने अपनी स्कूली शिक्षा मॉडर्न हाई स्कूल फॉर गर्ल्स से की। उन्होंने फिर गोखले मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज से साइकोलॉजी में बीएससी (ऑनर्स) की डिग्री ली है। कोयल ने साल २०१३ में प्रोड्यूसर निसपल सिंह से शादी रचाकर उन्हें हमेशा के लिए अपना हमसफर बनाया था। बंगाली सिनेमा में निसपल का भी बड़ा नाम है। शादी से पहले सालों तक दोनों रिश्ते में रहे थे।

शादी के बाद साल २०२० में कोयल ने बेटे को जन्म दिया। बेटे का नाम उन्होंने ▸▸ 8

पश्चिम बंगाल में एसआईआर में कटे 61 लाख नाम, 8 फीसदी की गिरावट

पहले मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ थी, जो अब घटकर 7.04 करोड़ रह गई

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में पिछले चार महीनों से जारी एसआईआर की प्रक्रिया शनिवार को खत्म हो गई। चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची में राज्य के चुनावी परिदृश्य की एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। इस बार मतदाता सूची में ८ फीसदी यानी करीब ६१ लाख की शुद्ध गिरावट दर्ज की गई है, जबकि अन्य ६० लाख मतदाताओं के नाम जांच के घेरे में हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक बंगाल की नई मतदाता सूची में ७.०४ करोड़ मतदाताओं के नाम हैं। अक्टूबर में जब प्रक्रिया शुरू हुई थी, तब मतदाताओं की संख्या ७.६६ करोड़ थी, जो अब घटकर ७.०४ करोड़ रह गई है।

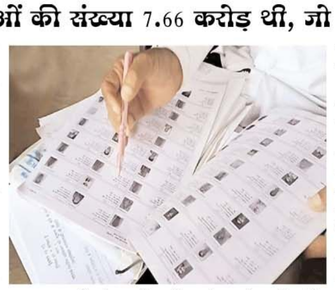

चुनाव आयोग के मुताबिक सबसे ज्यादा पुरुष मतदाताओं की संख्या ३,६०,२२,६४२ है। इसके बाद महिला मतदाताओं की संख्या ३,४४,३५,२६० है। वहीं बंगाल में थर्ड जेंडर वोटर की संख्या १,३८२ है। अब तक ६३,६६,९५२ नाम हटाए गए हैं। ये या तो मृत हो गए हैं या फिर कहीं दूसरी जगह पर शिफ्ट हो चुके हैं।

इस संशोधन की सबसे बड़ी और विवादास्पद बात यह है कि ६०,०६,६७५ मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में तो हैं, लेकिन उनके आगे विचाराधीन का मार्क लगा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त ५०१ न्यायिक अधिकारी इन नामों की समीक्षा कर रहे हैं। सीईओ अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि जब तक इन अधिकारियों द्वारा नामों को हरी झंडी नहीं दी जाती और सप्लीमेंट्री सूची जारी नहीं होती, ये ६० लाख लोग आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे।

अग्रवाल ने स्वीकार किया कि इस विशाल प्रक्रिया में कुछ त्रुटियां हुई हैं, लेकिन उन्होंने उन्हें नगण्य बताया।

पश्चिम बंगाल का यह चुनाव संशोधन कई मायनों में ऐतिहासिक और विवादित रहा है। माइक्रो-ऑब्जर्वर्स की तैनाती को लेकर विवाद हुआ। पहली बार चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के अधिकारियों के काम की निगरानी के लिए हजारों केंद्रीय कर्मचारियों को माइक्रो-ऑब्जर्वर के रूप में तैनात किया। सीएम ममता बनर्जी द्वारा इस प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिसके बाद अदालत ने न्यायिक अधिकारियों को पात्रता तय करने का जिम्मा सौंपा। चुनावों की आहट के बीच राज्य में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है।

सीईओ ने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की २४० कंपनियां पहले ही तैनात की जा चुकी हैं और २४० अन्य कंपनियां १० मार्च से पहले बंगाल पहुंच जाएंगी। चुनाव की घोषणा होने तक कानून-व्यवस्था राज्य प्रशासन के अधीन रहेगी, जिसके बाद यह पूरी तरह चुनाव आयोग के नियंत्रण में आ जाएगी।

संपादकीय | शराब नीति केस से उठे नए कानूनी सवाल

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कामकाज के तरीके और जांच की पद्धति पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। यह चिंता भी जताई जाती रही है कि आखिर इससे इन जांच एजंसियों की कैसी छवि बन रही है। मगर दिल्ली में शराब नीति से जुड़े कथित घोटाले के संबंध में विशेष अदालत का जो फैसला आया है, उससे फिर यह सवाल उठा है कि क्या ये एजंसियां किसी खास मंशा के तहत सोच-समझ कर नेताओं या अन्य लोगों के खिलाफ मामला उठाती हैं और क्या उनका बेजा इस्तेमाल हो रहा है।

गौरतलब है कि आबकारी नीति से संबद्ध मामले में विशेष अदालत ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य इक्कीस लोगों को आरोपमुक्त कर दिया। विशेष अदालत में हुई सुनवाई के बाद यही सामने आया कि अभियोजन पक्ष ने आरोपियों के विरुद्ध जो भी आरोप लगाए थे, उसे साबित करने के लिए उनके पास कोई ठोस सबूत नहीं था। लापरवाही या हड़बड़ी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सीबीआइ ने अदालत में जो आरोपपत्र प्रस्तुत किए, उनमें न सिर्फ गंभीर खामियां थीं, बल्कि कई विरोधाभास भी थे।सवाल है कि देश की सबसे महत्त्वपूर्ण एजंसी इतने बड़े स्तर पर मामला उठाते हुए किसी आरोप पर किस तरह काम करती है, कैसे आरोपपत्र तैयार करती है कि उसे खारिज किए जाने का एक आधार उसमें विरोधाभास होना होता है। यह मामला वर्ष 2021-22 के दौरान दिल्ली आबकारी नीति से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य राजस्व बढ़ाना और शराब के कारोबार में सुधार करना बताया गया था। हालांकि बाद में इसमें घोर

अनियमितता के आरोप लगे और मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी गई। इसके बाद ईडी और सीबीआइ की ओर से यह आरोप लगाया गया कि इस नीति के जरिए निजी कंपनियों को अनुचित फायदा पहुंचाया गया। इस आरोप में मनीष सिसोदिया और बाद में अरविंद केजरीवाल को भी गिरफ्तार किया गया था।

सुनवाई के बाद अदालत ने पाया कि इस मामले में लगाए गए आरोपों के पक्ष में ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं थे। लिहाजा अदालत ने मामले को रद्द कर दिया और सभी तेईस आरोपियों को आरोपों से मुक्त कर दिया। अदालत की यह टिप्पणी सीबीआइ के लिए बेहद असुविधाजनक होनी चाहिए कि उसने केवल अनुमानों के आधार पर साजिश की कहानी गढ़ने की कोशिश की।

दरअसल, पिछले कुछ वर्षों के दौरान ईडी और सीबीआइ पर किसी खास मंशा से ग्रस्त होकर या अप्रत्यक्ष रूप से किसी के इशारे पर काम करने के आरोप कई बार लगे हैं। इसकी गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इन एजंसियों की कार्यप्रणाली को लेकर सुप्रीम कोर्ट को भी कई बार सख्त टिप्पणियां करनी पड़ीं। शीर्ष अदालत ने यहां तक कहा था कि ये एजंसियां गवाहों से लेकर आरोपियों तक के मामले में भेदभावकारी नीति अपनाती हैं। मगर हैरानी की बात है कि विपक्षी दलों से लेकर अदालतों की ओर से बार-बार सवाल उठाए जाने के बावजूद ईडी और सीबीआइ के काम करने के तरीके में कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा। इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि ईडी की ओर से जितने भी मामले दर्ज किए जाते हैं, उसमें दोषसिद्धि की दर कितनी है और ऐसा क्यों है। क्या यह चिंता की बात नहीं होनी चाहिए कि सिर्फ कामकाज की शैली की वजह से जिस तरह इन एजंसियों की साख पर सवाल उठ रहे हैं, उससे सही मामलों में भी इनकी विश्वसनीयता संदेह के घेरे में रहेगी? दिल्ली शराब नीति से जुड़े बहुचर्चित कथित घोटाले मामले में बड़ी राहत देते हुए अदालत ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को बरी कर दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत पेश नहीं कर सका जिसके चलते दोनों नेताओं को आरोपों से मुक्त किया जाता है। बरी होने के बाद अरविंद केजरीवाल मीडिया से बात करते हुए फूट-फूटकर रोए।

संक्रमित रक्त से मरीजों की जान पर खतरा

रक्तदान को महादान कहा जाता है, क्योंकि इससे लोगों को नया जीवन मिलता है। देश में रक्त की जरूरत के मुकाबले आपूर्ति आज भी काफी कम है। ऐसे में सरकार और सामाजिक संगठनों की ओर से रक्तदान के महत्त्व को समझाने तथा इसे प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जाते हैं। इसके अलावा, देश भर में जगह-जगह शिविर भी लगाए जाते हैं, ताकि लोग आसानी से स्वैच्छिक रक्तदान कर सकें। मगर सवाल है कि दान के माध्यम से जो रक्त एकत्र किया जाता है, वह दूसरे लोगों के लिए कितना सुरक्षित है? यह मसला चिंताजनक और संवेदनशील है, क्योंकि मरीजों को संक्रमित रक्त चढ़ाने और उससे कई तरह की जटिलताएं पैदा होने या जान जाने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। इसी के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने बीते बुधवार को देश भर के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को रक्त चढ़ाने से होने वाले विभिन्न तरह के संक्रमण का पता लगाने के लिए न्यूक्लिक एसिड एंप्लीफिकेशन परीक्षण (एनएटी) की सुविधा के खर्च और उपलब्धता की जानकारी मांगी है। दरअसल, शीर्ष अदालत में दायर एक जनहित याचिका में मांग की गई है कि देश के सभी रक्त बैंकों में ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिसिबल इन्फेक्शन (टीटीआइ) का पता लगाने के लिए एनएटी को अनिवार्य किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि इस परीक्षण के तहत रक्त में एचआइवी, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, मलेरिया और सिफलिस जैसी बीमारियों के संक्रमण की जांच की जाती है। इसमें दोराय नहीं कि रक्तदान के दौरान अनिवार्य रूप से संक्रमण की जांच के नियम लागू हैं, इसके बावजूद अगर मरीजों को संक्रमित रक्त चढ़ा देने के मामले सामने आ रहे हैं, तो इससे स्वास्थ्य सुविधाओं और सरकारी तंत्र में व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। जाहिर है कि रक्त की जांच प्रकिया में लापरवाही बरती जा रही है, जो मरीजों की जान पर भारी पड़ रही है। इससे सबसे ज्यादा थैलेसीमिया के मरीज प्रभावित हो रहे हैं, जिन्हें बार-बार रक्त चढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में जरूरी है कि रक्त जांच परीक्षण का दायरा बढ़ाया जाए और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि रक्तदान मरीजों के लिए हमेशा जीवनदान बना रहे।

आज का कार्टून

भारत के सामने नई चुनौतियां और राहत के विकल्प

> वैश्विक व्यापार की चुनौतियों के बीच निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं है। ऐसे में चिह्नित किए गए करीब दो सौ देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। अच्छी बात है कि केंद्रीय बजट 2026-27 में विनिर्माण, वस्त्र, चमड़ा और समुद्री उत्पाद जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्यात बढ़ाने के लिए जो रणनीतिक उपाय किए गए हैं, उन पर नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ध्यान देने की जरूरत होगी। खासतौर से सीमा शुल्क में छूट, निर्यात दायित्व अवधि को छह महीने से बढ़ा कर 12 महीने करना तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए दस हजार करोड़ रुपए का विकास कोष शामिल है, जो वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा। डेटा केंद्रों और इलेक्ट्रानिक विनिर्माण के लिए कर रियायतों से विदेशी निवेश और निर्यात बढ़ेगा। निस्संदेह देश के व्यापार घाटे को काबू में करने के लिए हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि निर्यातकों की दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं, बल्कि यह उन पर लगे 'एंटी-डंपिंग' शुल्क से भी संबंधित है।

जयंतीलाल भंडारी

भारत के विदेश व्यापार पर हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के दौरान भारत का वस्तु व्यापार घाटा 283.23 अरब डालर रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 247.38 अरब डालर से अधिक है। इस अवधि में जहां वस्तु निर्यात 2.48 फीसद बढ़ कर 366.63 अरब डालर रहा, वहीं आयात 7.21 फीसद बढ़ कर 649.86 अरब डालर रहा। सबसे अधिक व्यापार घाटा चीन के साथ रहा, जिसका आकार 92.30 अरब डालर था। चालू वित्त वर्ष में भारत का व्यापार घाटा बढ़ने के पीछे सोने-चांदी के आयात में भारी उछाल और उनके वैश्विक मूल्य में वृद्धि और कमजोर निर्यात जैसे प्रमुख कारण उभर कर दिखाई दे रहे हैं।

बढ़ते व्यापार घाटे को कम करने के लिए चार महत्त्वपूर्ण बातों पर ध्यान देने की जरूरत है। एक, अन्य देशों के साथ किए गए द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत तेजी से कारोबार और निर्यात बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम आगे बढ़ाना। दो, व्यापार समझौतों का पूरा लाभ उठाने के लिए गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और नए सुधारों पर ध्यान केंद्रित करना। तीन, निर्यात के नए बाजारों में प्रवेश करना। चार, वर्ष 2026-27 के लिए पेश केंद्रीय बजट में घोषित नए निर्यात प्रोत्साहनों के क्रियान्वयन पर नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही ध्यान दिया जाना।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा वैश्विक शुल्क को अवैध ठहराए जाने के बाद 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए भारत सहित सभी देशों के लिए 15 फीसद अस्थायी शुल्क लगाने का आदेश जारी किया। इस समयावधि के बाद अमेरिकी संसद में इस पर प्रस्ताव लाया जाएगा और फिर संसद तय करेगी कि इसे आगे बनाए रखना है या नहीं। ट्रंप का कहना है कि संसद से शुल्क पर प्रस्ताव मंजूर होने के बाद भारत के साथ किया गया व्यापार समझौता पूर्व निर्धारित रूप में ही लागू होगा। अब देखना यह है कि अदालत का निर्णय और ट्रंप प्रशासन की कवायद व्यापार समझौते के अंतिम क्रियान्वयन को कैसे प्रभावित करती है।

यह महत्त्वपूर्ण है कि अब अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापारिक समझौते की बातचीत में भारत अधिक लाभ की स्थिति में होगा। उल्लेखनीय है कि 18 फरवरी को नई दिल्ली में यूरोपीय संघ (ईयू) के कई राष्ट्राध्यक्षों ने शिखर सम्मेलन के दौरान एलान किए गए भारत-ईयू के बीच मुक्त व्यापार समझौते को जल्दी लागू किए जाने का समर्थन दिया है। यह समझौता दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का उदाहरण है और भारत के लिए बेहद लाभप्रद भी। गौरतलब है कि इस समझौते को 'सभी व्यापार समझौतों की जननी' कहते हुए रेखांकित किया गया है कि भारत के साथ यह समझौता यूरोप को आर्थिक क्षेत्रों में बढ़त दिलाएगा। इससे दो अरब लोगों का एक साझा बाजार तैयार होगा। वहीं यह संयुक्त बाजार, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगा।

ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते का इस वर्ष कार्यान्वयन अहम होगा। इन सबके साथ-साथ मारीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), आस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों- आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नार्वे और लिकटेंस्टाइन के साथ लागू हो रहे समझौते के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। साथ ही इस वर्ष पेरू, चिली, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और इजराइल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी नए एफटीए आकार लेते हुए दिखाई देंगे। इसमें दो मत नहीं हैं कि इस समय एक के बाद एक विभिन्न देशों के साथ भारत के व्यापार समझौते तेजी से आकार ले रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि पहले अधिकांश अंतरराष्ट्रीय आर्थिक-व्यापारिक टिप्पणियों में कहा जाता था कि भारत ने मौका गंवा दिया, लेकिन अब अनेक देशों का मानना है कि अगर आर्थिक रूप से तेजी से बढ़ते हुए भारत के साथ नहीं जुड़ पाए, तो वे महत्त्वपूर्ण मौका गंवा देंगे।

वैश्विक व्यापार की चुनौतियों के बीच निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं है। ऐसे में चिह्नित किए गए करीब दो सौ देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। अच्छी बात है कि केंद्रीय बजट 2026-27 में विनिर्माण, वस्त्र, चमड़ा और समुद्री उत्पाद जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्यात बढ़ाने के लिए जो रणनीतिक उपाय किए गए हैं, उन पर नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ध्यान देने की जरूरत होगी। खासतौर से सीमा शुल्क में छूट, निर्यात दायित्व अवधि को छह महीने से बढ़ा कर 12 महीने करना तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए दस हजार करोड़ रुपए का विकास कोष शामिल है, जो वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा। डेटा केंद्रों और इलेक्ट्रानिक विनिर्माण के लिए कर रियायतों से विदेशी निवेश और निर्यात बढ़ेगा। निस्संदेह देश के व्यापार घाटे को काबू में करने के लिए हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि निर्यातकों की दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं, बल्कि यह उन पर लगे 'एंटी-डंपिंग' शुल्क से भी संबंधित है। निर्यात बढ़ाने के लिए बाजार तक पहुंच में सहयोग के साथ-साथ लाजिस्टिक लागत में कमी, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, विश्वसनीय कच्चा माल, कम ऊर्जा लागत और गंतव्य बाजारों के साथ नियामकीय समन्वय भी जरूरी है। नियामक संस्थाओं के कामकाज में मूलभूत बदलाव की भी जरूरत है। कर सुधारों को और गहराई देने के साथ जीएसटी प्रणाली को प्रभावी बनाना होगा। इन व्यापार समझौतों का पूरा लाभ तभी मिलेगा, जब भारत गहरे सुधारों और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन को आगे बढ़ाए। भारत व्यापार एकीकरण को विस्तार दे और अपनी विनिर्माण रणनीति को वैश्विक मानकों के अनुरूप सुसज्जित करे। एक रपट में कहा गया है कि व्यापार समझौतों का अधिकतम लाभ लेने के लिए सबसे पहले किफायती लागत पर गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाने जैसे सुधारों पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। वहीं घरेलू कंपनियों को गुणवता, तकनीक और कुशल कर्मियों के साथ काम करने की जरूरत होगी। व्यापार समझौतों से देश को आर्थिक शक्ति बनाने के लिए युवा अधिकारियों को नए दौर की जरूरतों के मुताबिक और ज्यादा प्रशिक्षित करने की जरूरत है।

इसमें दोराय नहीं कि नए व्यापार समझौतों से भारत दुनिया की बड़े बाजारों में प्रवेश पाने में सफल होगा, लेकिन इसके साथ ही देश को व्यापारिक महाशक्ति बनाने के लिए आकर्षक दरों पर अच्छी गुणवत्ता वाला माल तैयार करने की जरूरत है। सरकारी और निजी क्षेत्रों में शोध, विकास और नवाचार बढ़ाने का समय आ गया है। इस समय जहां विकसित देशों द्वारा शोध और विकास पर अच्छा-खासा खर्च किया जा रहा है, वहीं चीन और वियतनाम जैसे देश शोध एवं विकास पर अपने वार्षिक बजट का 2.5 फीसद से भी अधिक खर्च करते हैं, जबकि भारत का शोध और विकास पर खर्च 0.70 फीसद से भी कम है। हमें कृत्रिम मेधा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती तकनीकों तथा इनके लिए आवश्यक ऊर्जा की तकनीक में भी अधिक आगे बढ़ना होगा। उम्मीद करना चाहिए कि सरकार व्यापार घाटे पर नियंत्रण के लिए विभिन्न देशों के साथ व्यापार समझौतों के अधिकतम लाभ के लिए गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और सुधारों की राह पर आगे बढ़ेगी।

अरविंद केजरीवाल की वापसी के मायने

> केजरीवाल की वापसी की संभावना बढ़ी है, लेकिन यह मान लेना कि इसका सीधा नुकसान सिर्फ बीजेपी को होगा, सही नहीं होगा। जिन राज्यों में आने वाले महीनों में चुनाव होने हैं जैसे हिमाचल प्रदेश, गुजरात और गोवा,वहां आम आदमी पार्टी का सीधा मुकाबला कई जगह कांग्रेस से है। इन राज्यों में अब तक मुख्य लड़ाई भाजपा बनाम कांग्रेस रही है, लेकिन आम आदमी पार्टी खुद को कांग्रेस के विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है। गुजरात इसका बड़ा उदाहरण है। पिछले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने लगभग 13 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। इसका सीधा असर कांग्रेस की सीटों और वोट शेयर पर पड़ा।

सुधांशु माहेश्वरी

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज़ एवेन्यू कोर्ट से कथित शराब घोटाले मामले में बड़ी राहत मिली है। इस राहत ने उनकी दिल्ली की राजनीति में संभावित वापसी के दरवाजे एक बार फिर मजबूती से खोल दिए हैं। बात यहां सिर्फ एक मामले में राहत मिलने की नहीं है, बल्कि इसे एक बड़ी वैचारिक जीत के रूप में भी देखा जा रहा है। आम आदमी पार्टी इस मुश्किल समय में इसे अपने लिए वापसी की संजीवनी मान रही है।

आम आदमी पार्टी के लिए यह राहत इसलिए भी अहम है क्योंकि उनके नेता ने सही समय पर भावनात्मक संदेश देने की कोशिश की। शुक्रवार को अदालत से राहत मिलने के बाद जब केजरीवाल मीडिया के सामने आए, तो वे भावुक हो गए। पहली नजर में इसे खुशी के आंसू कहा जा सकता है, लेकिन राजनीतिक नजरिए से देखें तो यह सहानुभूति हासिल करने की रणनीति भी हो सकती है। ऐसे भावनात्मक क्षण जनता के दिल को प्रभावित कर सकते हैं और आम आदमी पार्टी की 'कट्टर ईमानदारी' वाली छवि को फिर से मजबूत करने में मदद कर सकते हैं। राहत मिलने के बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने अपनी आगे की रणनीति के संकेत भी दिए। उन्होंने कहा, 'मोदी जी मुझे

अब तभी रोक पाएंगे, अगर मेरा कत्ल करवा दें।' यह बयान बताता है कि वे खुद को एक राजनीतिक प्रताड़ना के शिकार के रूप में पेश कर रहे हैं। इसे कुछ राजनीतिक विश्लेषक 'विक्टिम नैरेटिव' या 'मोदी रणनीति' के रूप में देखते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी समय-समय पर यह कहते रहे हैं कि पूरा विपक्ष उन्हें निशाना बनाता है, जिससे यह संदेश जाता है कि वे अकेले हर ताकत से लड़ रहे हैं। अब कुछ ऐसा ही नैरेटिव अरविंद केजरीवाल भी गढ़ते नजर आ रहे हैं।

माना जा रहा है कि केजरीवाल की संभावित वापसी इसलिए भी संभव दिख रही है क्योंकि उनकी मूल विचारधारा 'साफ-सुथरी राजनीति' और 'कट्टर ईमानदारी' को फिर से पुनर्जीवित करने की कोशिश की जा रही है। जब वे राजनीति में आए थे, तब उन्होंने खुद को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक सख्त चेहरा बताया था। दिल्ली की जनता ने उन्हें प्रचंड जनादेश भी दिया। लेकिन जैसे ही कथित शराब घोटाले का मामला सामने आया, उनकी इसी ईमानदारी वाली छवि को सबसे बड़ा झटका लगा। बीजेपी ने पिछले विधानसभा चुनाव में इसे बड़ा मुद्दा बनाया और लंबे समय बाद राजधानी में सरकार बनाई।

अब अदालत से राहत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी एक बार फिर यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि उनका नेतृत्व ईमानदार है और आरोप राजनीतिक हैं। इससे केजरीवाल की विश्वसनीयता को दोबारा स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।

हालांकि, केजरीवाल की वापसी की संभावना बढ़ी है, लेकिन यह मान लेना कि इसका सीधा नुकसान सिर्फ बीजेपी को होगा, सही नहीं होगा। जिन राज्यों में आने वाले महीनों में चुनाव होने हैं जैसे हिमाचल प्रदेश, गुजरात और गोवा,वहां आम आदमी पार्टी का सीधा मुकाबला कई जगह कांग्रेस से है। इन राज्यों में अब तक मुख्य लड़ाई भाजपा बनाम कांग्रेस रही है, लेकिन आम आदमी पार्टी खुद को कांग्रेस के विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है। गुजरात इसका बड़ा उदाहरण है। पिछले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने लगभग 13 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। इसका सीधा असर कांग्रेस की सीटों और वोट शेयर पर पड़ा। गोवा में भी आम आदमी पार्टी अपनी उपस्थिति मजबूत करने की कोशिश में है।

दरअसल, आम आदमी पार्टी का एक राजनीतिक पैटर्न साफ नजर आता है। राजनीति में आने के बाद से वह कई राज्यों में बीजेपी से ज्यादा कांग्रेस का विकल्प बनती दिखी है। दिल्ली का उदाहरण देखें तो 2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का वोट शेयर 24.7 प्रतिशत था, जबकि पहली बार चुनाव लड़ रही आम आदमी पार्टी ने लगभग 29.7 प्रतिशत वोट हासिल किए और 28 सीटें जीत लीं। 2015 के चुनाव में आम आदमी पार्टी का वोट शेयर बढ़कर 54.5 प्रतिशत हो गया, जबकि कांग्रेस सिमटकर 9.7 प्रतिशत पर आ गई। इससे यह धारणा बनी कि कांग्रेस का बड़ा वोट आधार आम आदमी पार्टी की ओर शिफ्ट हुआ।

ऐसे में अगर केजरीवाल मजबूत वापसी करते हैं और आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करती है, तो चुनौती बीजेपी से ज्यादा कांग्रेस के सामने खड़ी हो सकती है। इसका असर विपक्षी गठबंधन, खासकर इंडिया गठबंधन, की राजनीति पर भी पड़ सकता है। ऐसे में पहले से ही कई मतभेदों का सामना कर रहे विपक्ष को बदलते राजनीतिक समीकरणों के लिए तैयार रहना होगा।

राजेंद्र सरोवर पार्क में धूमधाम से मनाया गया दोल उत्सव

धनबाद (कासं) : राजेंद्र सरोवर पार्क, बेकार बांध में अष्टम वर्ष दोल उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंगाली समुदाय की पारंपरिक दोल उत्सव संस्कृति को सांस्कृतिक स्वरूप में प्रस्तुत करना था।

दोल उत्सव की परंपरा की प्रेरणा विश्वभारती विश्वविद्यालय से जुड़ी है, जहां रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित संस्थान में वर्ष १९२० से इसे सांस्कृतिकशैक्षिक वातावरण में संगीत, नृत्य, कविता और रंगों के साथ बसंत उत्सव के रूप में मनाया जाता रहा है। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए चंदन स्टूडियो पिछले आठ वर्षों से झारखंड धनबाद में इस आयोजन का संचालन कर रहा है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से वार्ड २५ के पार्षद प्रिय रंजन, डॉ. शर्मिला बनर्जी, बंगाली वेलफेयर सोसाइटी के सचिव गोपाल भट्टाचार्य, बंगाली कल्याण समिति अध्यक्ष कंचन दे, झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की रीना मंडल, सिंबोसिस पब्लिक स्कूल के निदेशक आशीष मंडल , साहित्यकार तपन राय सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत बच्चों ने फूल एवं हर्बल गुलाल से किया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्रूमिंग क्लब द्वारा रवींद्र संगीत ओरे गृहोबासी

पर पार्क परिक्रमा नृत्य से हुई। इसके बाद विभिन्न नृत्य विद्यालयों की छात्राओं ने वसंत पर आधारित रवींद्र नृत्य प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में धनबाद के प्रतिष्ठित नृत्य विद्यालय, सांस्कृतिक शिक्षण केंद्र-सरायढेला, गुरु सूर नृत्य संगम, सास्वती सेन डांस एकाडेमी-झरिया, साधना डांस एकाडेमी हीरापुर, नृत्य मलिका, नूपुर डांस एकेडमी जामाडोबा, साधना डांस एवं जुंबा स्टूडियो कार्मिक नगर, कविता आचार्य डांस ग्रुप, पैशेनेट कलाकार जे.सी. मलिक रोड, ग्रूमिंग क्लब हीरापुर, लोकनाथ कला केंद्र गांधी रोड, नच बलिए, नुपुर डांस एकाडेमी मनाईटांड़, के बच्चों ने भाग लिया।

उत्सव में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग ५०० महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान महिलाएं और बच्चे पीले वस्त्र एवं पलाश पुष्पों के श्रृंगार में हर्बल गुलाल की होली खेलते नजर आए। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों, बच्चों और अभिभावकों के लिए लकी ड्रॉ का आयोजन भी किया गया, जिसमें चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

मंच संचालन शिल्पी घोष और संचिता मजूमदार ने किया। समापन पर कुशन सेनगुप्ता के रवींद्र संगीत रांगिए दिए जाओ पर सभी टीमों ने सामूहिक नृत्य कर उत्सव को यादगार बना दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोऑर्डिनेटर आरती साव, संगीता, काकूली, संजय सेनगुप्ता, दीपा, संतोष सील, गौरव मोदक, झरना, नुपुर, उर्मिला, अनन्या, संपास मेकओवर से संपा, गुफ्ती फैशन से इशिका, तत्यम से अभिजीत, आइ बॉक्स सर्विसेज से विमलेश व चंदन स्टूडियो के प्रोडक्शन टीम में राजकुमार, नील, अमित, हेमंत, मनोज कार्यक्रम का महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बलियापुर हटिया के पास तीन दुकानों में चोरी, पुलिस पहुंची

बलियापुर (ससे) : पतलाबाड़ी रोड बलियापुर हटिया के पास बीती रात चोरों ने तीन दुकानों से करीब तीन लाख समानों की चोरी की घटना को अंजाम दिया। घटना की खबर पाकर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। स्थिति का जायजा लिया। जीशान क्लोथ स्टोर, न्यू चाहत रेडिमेड दुकान एवं स्टार टेलर्स एक ही भवन में संचालित है। तीनो दुकान मो इस्लाम एवं उनके पुत्र मो जीशान द्वारा संचालित होता है। भुक्तभोगी दुकानदार मो इस्लाम ने बलियापुर थाना को शिकायत दर्ज कराया है।

बीती रात करीब ८:४५ बजे उसने दुकान बंद कर तरावीह की नमाज में शामिल हो गया। रविवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे जब उसने दुकान खोला तो तीनों दुकानों के सामान अस्त-व्यस्त देख दंग रह गया। कहा कि अज्ञात चोर दुकान के पीछे लोहे का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश कर गया। तीनो दुकानों में रखे कीमती कपड़े आदि चोरी कर ले गए। चोरी गई समानों में साड़ी, शर्ट, जिंस पैंट आदि समान शामिल हैं।

चोरों ने ढाई लाख से भी अधिक कीमती कपड़े के अलावा ड्रायर में रखा ६५ हजार रुपए नकद चुरा ले गए। पुलिस जांच के क्रम में घटनास्थल से करीब आधा किलोमीटर दूर आश्रम के पास गंजी से भरा दो पैकेट एवं एक साड़ी बरामद किया गया। चोरों ने घटना को अंजाम देने के बाद संभवतः इसी जगह समानों का बंटवारा किया होगा। पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है। थाना प्रभारी ने कहा कि घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात चोरों जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

विधायक ने लटानी में वीर सिद्धोकान्हो की प्रतिमा का किया अनावरण

धनबाद (कासं) : पूर्वी टुंडी ब्लॉक रोड स्थित लटानी में सिद्धो-कान्हो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण सह ११ वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने वीर सिद्धोकान्हों की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया।

इस अवसर पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि जल, जंगल और जमीन की अस्मिता की रक्षा के लिए वीर शहीदों द्वारा दिए गए बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि सिद्धो-कान्हो जैसे महान योद्धाओं का संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम के दौरान सिद्धोकान्हों स्मारक समिति लटानी की ओर से विधायक को प्रतिमा स्थल पर चारदिवारी एवं शेड निर्माण की मांग को लेकर ज्ञापन भी सौंपा गया।

प्रतिमा अनावरण के पश्चात आदिवासी महिलाओं द्वारा पारंपरिक नृत्यसंगीत का मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसने पूरे आयोजन को सांस्कृतिक रंग में रंग दिया। इस मौके पर मुख्य रूप से लटानी पंचायत के मुखिया मो. ऐनुल हक, थाना प्रभारी नीतीश कुमार, महादेव कुम्भकार, मिहिलाल हेम्ब्रम, कलेश्वर हेम्ब्रम, राजीव किस्कू, बबलू बास्की, गिरिलाल किस्कू, अजीत मिश्रा, रामप्रसाद दास, रफीक अंसारी, जीतेन कुमार, सुबल दास, विरेन्द्र हांसदा, दिनेश रजक, प्रबोध मंडल, दिलीप मंडल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण सखी से पदत्याग देकर बनी पार्षद

धनबाद (कासं) : निरुपमा देवी ने नगर निगम चुनाव २०२६ में

वार्ड संख्या ५ से प्रचंड बहुमत के साथ विजय हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। निरुपमा देवी ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत आंगनबाड़ी केंद्र में 'पोषण सखी' के रूप में की थी। बाद में उन्होंने पद से त्यागपत्र देकर सीधे जनता के बीच रहकर सेवा करने का निर्णय लिया। पिछले सात वर्षों से वे लगातार सामाजिक कार्यों, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता और जरूरतमंदों की सहायता में सक्रिय रहीं।

जनता के बीच उनकी सादगी, ईमानदारी और निरंतर सेवा भावना ने उन्हें एक मजबूत जनसमर्थन दिलाया। इसी विश्वास का परिणाम रहा कि वर्ष २०२६ के नगर निगम चुनाव में वार्ड संख्या ५ की जनता ने उन्हें कुल मत २१२५ मत देकर ९०४ वोटों से विजयी बनाकर अपना प्रतिनिधि चुना।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निरुपमा देवी की जीत विकास और सेवा की राजनीति की जीत है। चुनाव परिणाम आने के बाद समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा गया। निरुपमा देवी ने अपनी जीत को जनता को समर्पित करते हुए कहा कि वे वार्ड के सर्वांगीण विकास और पारदर्शी कार्यशैली के लिए प्रतिबद्ध रहेंगी।

क्षेत्र के चुनाव परिणामों में इस बार एक महत्वपूर्ण संदेश देखने को मिला, जहां १० पुरुष प्रत्याशियों के बीच एक महिला उम्मीदवार को मतदाताओं ने अपना समर्थन देकर जीत दिलाई। इस ऐतिहासिक समर्थन के लिए जितेंद्र पासवान ने सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

जितेंद्र पासवान ने कहा कि यह जीत केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के विश्वास और समर्थन की जीत है जिन्होंने महिला सशक्तिकरण और संघर्ष की भावना को समझा। उन्होंने सभी समर्थकों और क्षेत्रवासियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मतदाताओं का यह विश्वास उनके लिए जिम्मेदारी के साथ-साथ प्रेरणा भी है, और वे क्षेत्र के विकास तथा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देंगे।

विधायक मथुरा ने टुंडी के जर्जर अतिथिशालाओं का किया मुआयना

धनबाद (कासं) : टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने झारखंड विधानसभा में टुंडी प्रखंड के अतिथिशालाओं की जर्जर स्थिति को लेकर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया था और उनके पुनः नए

सिरे से गुणवत्तापूर्ण निर्माण की मांग की थी। इस मांग के आलोक में विधायक ने संबंधित अतिथिशालाओं की भूमि एवं स्थल का निरीक्षण किया, ताकि शीघ्र ही विकास कार्य प्रारंभ हो सके और क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि टुंडी में विकास की बहार आएगी और जल्द ही सरकारी स्कूलों के भवन, चहारदीवारी, शौचालय के अलावा पुल-पुलिया निर्माण की आधारशिला रखी जाएगी।

विधायक मथुरा ने किया वाद्य यंत्रों का वितरण

धनबाद (कासं) : टुंडी प्रखंड मुख्यालय में आदिवासी कल्याण विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने लाभुक समिति को वाद्य यंत्र वितरण किया। इस अवसर पर उपस्थित लाभुकों को शुभकामनाएँ देते हुए श्री महतो ने कहा कि सरकार की यह पहल हमारी समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा और लोककला को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आशा है कि इन वाद्य यंत्रों के माध्यम से युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत को और सशक्त बनाएगी।

नवनिर्वाचित मेयर संजीव सिंह को शुभचिंतकों ने दी बधाई

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निगम से महापौर पद पर निर्वाचित होने पर विधायक राज मेयर संजीव सिंह के आवास पहुँचकर पुष्प गुच्छ भेंट कर एवं मुँह मीठा कराकर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आपके नेतृत्व में धनबाद नगर निगम क्षेत्र विकास की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करे, यही कामना है।

इस अवसर पर झरिया विधायक रागिनी सिंह, उमेश सिंह, शंभू सिंह, उमेश हेलीवाल, अमलेश सिंह, तमाल राय, मनोज मालाकार, टुन्नू यादव, लक्ष्मण मिश्रा सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे।

बलियापुर (ससे) : पूर्व विधायक संजीव सिंह के मेयर निर्वाचित होने से बलियापुर में उनके समर्थकों में खुशी का माहौल है। भाजपा नेत्री अल्पना मुखर्जी, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष विश्वजीत मुखर्जी समेत अन्य मेयर संजीव के धनबाद स्थित आवास पर पहुंचे और उन्हें जीत की शुभकामनाएं दी। वरिष्ठ भाजपा नेत्री तारा देवी, पूर्व ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर आदि ने भी नवनिर्वाचित मेयर को बधाई दी है।

बलियापुर अल्पना मुखर्जी

जनता के बीच मेयर संजीव का व्यक्तिगत प्रभाव है : सुमित सिंह

नगर निगम चुनाव में इस बार धनबाद की जनता ने एक अलग ही संदेश दिया है। पूर्व विधायक संजीव सिंह ने ३१,९०२ वोटों के भारी अंतर से जीत दर्ज कर मेयर पद पर अपना दबदबा कायम रखा। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों और शुभचिंतकों का तांता लग गया।

भाजपा के पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुमित सिंह अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ नवनिर्वाचित मेयर को गुलदस्ता भेंट कर ऐतिहासिक जीत की बधाई दी। इस मौके पर सुमित सिंह ने कहा कि यह जीत किसी सिंबल या दल की नहीं, बल्कि धनबाद की जागरूक जनता की जीत है।

उन्होंने कहा, मेयर संजीव सिंह का व्यक्तिगत प्रभाव जनता के बीच है, किसी चुनाव चिन्ह का नहीं। धनबाद की जनता ने यह साबित कर दिया है कि वह विकास और व्यवस्था के पक्ष में खड़ी है।

मेयर संजीव सिंह ने भी अपनी जीत का श्रेय पूरी तरह जनता को देते हुए कहा कि धनबाद की जनता ही उनकी असली पूंजी है और शहर के विकास के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

बधाई देने वालों में रिशु सिंह, झूलन सिंह, चंदन कुमार, सिकंदर, चंदन पाडे समेत सैकड़ों युवा समर्थक मौजूद रहे।

सुमित सिंह

महापौर निर्वाचित होने के बाद संजीव सिंह व विधायक रागिनी ने किया पूजाअर्चना

धनबाद/झरिया (कासं) : धनबाद नगर निगम के महापौर पद पर निर्वाचित होने के उपरांत संजीव सिंह ने शनिवार को झरिया पहुंचकर आस्था और श्रद्धा के साथ विभिन्न मंदिरों में पूजाअर्चना की। इस अवसर पर झरिया विधायक रागिनी सिंह भी उनके साथ मौजूद रहीं। सबसे पहले दोनों ने झरिया स्थित श्री खाटू श्याम धाम में विधिवत आरतीपूजन में भाग लिया और भगवान का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद झरिया ४ नंबर टैक्सी स्टैंड स्थित माँ काली मंदिर में माथा टेककर क्षेत्र की सुखसमृद्धि की कामना की।

महापौर संजीव सिंह ने इस दौरान कहा कि जनता के आशीर्वाद से मिली इस जिम्मेदारी को वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने समस्त कोयलांचल वासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की तथा कहा कि धनबाद और झरिया के सर्वांगीण विकास के लिए वे सतत प्रयासरत रहेंगे।

मंदिर परिसर में स्थानीय श्रद्धालुओं और समर्थकों की भीड़ उमड़ी रही। लोगों ने महापौर और विधायक का स्वागत करते हुए क्षेत्र के विकास को लेकर आशा जताई। यह कार्यक्रम आस्था, कृतज्ञता और जनसेवा के संकल्प का प्रतीक बनकर सामने आया।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष का मनाया गया जन्मदिवस

पुटकी (ससे) : बिहार के मुख्यमंत्री सह जद(यू) के

राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की ७५वीं जन्म दिवस के उपलक्ष्य में गोपालीचक हनुमान मंदिर परिसर में केक काट कर मुख्यमंत्री जी का जन्मदिन मनाया गया। तत्पचात् गांधी ग्राम के कुष्ठ रोगियों के बीच भोजन का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पिंटू सिंह ने किया। नीतीश विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष सह धनबाद जिला जदयू के जिला अध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह के नेतृत्व में बिहार के मुख्यमंत्री सह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नीतीश कुमार जी का जन्मदिन प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया गया। उनके जन्मदिन पर केक काटा गया। पुटकी स्थित इंदिरा ग्राम में सैकड़ों जरूरतमंदों को भोजन कराने के उपरांत अंग वस्त्र दिया गया। वहीं पिंटू कुमार सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दीर्घायु होने का कामना किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव राजू कुमार सिंह, धनबाद नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे, झरिया नगर अध्यक्ष अनिल सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अनुज कुमार, जिला महासचिव बैजू सिन्हा, महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष पुष्पा पांडेय, युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बबलू मोदक, मनोज कुमार सिंह, उत्पल झा, जिला सचिव संजय कुमार डे, नमन भारती मुकेश कुमार, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विजय सिंह कुशवाहा, शंकर चौरसिया, लगन महतो, पुना सिन्हा आदि उपस्थित थे।

कुड़मी समाज महारैली के लिए रांची रवाना

बलियापुर (ससे) : रांची प्रभात तारा मैदान में कुड़मी समाज द्वारा आयोजित कुड़मी महारैली कार्यक्रम में शामिल होने के लिए समाज के नेता राजू महतो के नेतृत्व में वाहनों के काफिले के साथ समाज के सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक बलियापुर से रांची के लिए रवाना हुए। रांची रवाना होने के क्रम में समाज के नेता संजय महतो, डब्लू महतो, भागवत महतो, सोमनाथ महतो आदि थे।

हम जीवन को बचाने वाले लोग है, आदिवासी होने पर करें गर्व : उपायुक्त

बोकारो (ससे) : बोकारो स्थित स्टील सिटी में सेक्टर०४ स्थित जाहेर थान में दिशोर जाहेर सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित दिशोम बाहा महोत्सव २०२६ श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक उल्लास के वातावरण में रविवार को संपन्न हुआ्। कार्यक्रम में उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और आदिवासी समाज को बाहा महोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति का रक्षक और जीवन मूल्यों का संवाहक है। हम जीवन को बचाने वाले लोग है्। आदिवासी होना हमारी पहचान ही नहीं, हमारा गर्व है। उन्होंने कहा कि *बाहा महोत्सव प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का पर्व है, जो सामुदायिक एकता, परंपरा और सांस्कृतिक गौरव को सशक्त करता है।

उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में बोकारो में एक भव्य और विश्वस्तरीय आदिवासी सांस्कृतिक केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कहा कि

यह ऐसा केंद्र बनेगा जहां विश्व भर की आदिवासी संस्कृति का विदर्शन होगा। देशविदेश से लोग आकर आदिवासी संस्कृति, इतिहास, कला, परंपरा और जीवन शैली को करीब से देख और समझ सकेंगे। यह पहल आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम बनेगी तथा बोकारो को सांस्कृतिक पहचान के नए आयाम प्रदान करेगी।

उपायुक्त ने दिशोम गुरु आदरणीय शिबू सोरेन के बताए मार्ग को जीवन में आत्मसात करने की युवा पीढ़ी से अपील* की। उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक सुधार से ही संभव है। उन्होंने युवाओं से रात्रि पाठशाला (नियमित पठनपाठन) और नशा मुक्ति अभियान* को अपनाने का आह्वान किया, ताकि समाज मजबूत और

उपायुक्त अजय नाथ झा ने उपस्थित महिलाओं, बेटियों और माताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि बेटी, बहन और मां केवल परिवार की आधारशिला नहीं हैं, बल्कि वे समाज और राष्ट्र निर्माण की प्रेरक शक्ति हैं। हमें पढ़ना है और पढ़ाना है। शिक्षा ही वह माध्यम है, जो समाज को जागरूक, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है।

उन्होंने उपस्थित युवतियों से आग्रह किया कि वे शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर प्रयास करें्। साथ ही अभिभावकों से भी अपील की कि वे बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता दें और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करें। अपने देश व अपनी मातृभूमि के लिए हमें अपना योगदान देना है। हमें अपने जीवन को राष्ट्र के प्रति समर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए।

उपायुक्त ने कहा कि आदिवासियत को जीवंत रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हम सब मिलकर जीवंत बोकारो का निर्माण करेंगे और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखेंगे। उन्होंने कहा कि बाहा महोत्सव केवल उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक रीतिरिवाजों के साथ पूजाअर्चना की गई्। लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्साह और भक्ति से भर दिया। मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष रविंद्र नाथ हांसदा, सचिव कृष्णा सोरेन एवं बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य व्यक्ति, ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गांधी शिल्प बाजार का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

बोकारो (ससे) : बोकारो स्टील सिटी के मजदूर मैदान, सेक्टर-४ में आयोजित गांधी शिल्प बाजार का निरीक्षण उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा ने किया। इस अवसर पर मेले का वातावरण उत्साह, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी भावना से ओत-प्रोत दिखाई दिया।

उपायुक्त ने संचालित बाजार के विभिन्न हैंडक्राफ्ट, हस्तकरघा एवं स्थानीय उत्पादों के स्टालों का निरीक्षण करते हुए कारीगरों से संवाद किया। उन्होंने स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित सामग्रियों का अवलोकन किया और उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोकल फॉर वोकल केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान और सम्मान देने का सशक्त माध्यम है।

अपने संबोधन में उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक स्वदेशी एवं स्थानीय उत्पादों को अपनाएं, जिससे क्षेत्र के कारीगरों को प्रोत्साहन मिले और आत्मनिर्भर भारत की भावना को बल मिले। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथसाथ हमारी सांस्कृतिक विरासत को भी संजोने का कार्य करते हैं।

गांधी शिल्प बाजार न केवल खरीदारी का केंद्र है, बल्कि यह स्थानीय कला, संस्कृति और उद्यमशीलता का उत्सव भी है। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से आग्रह किया है कि *वे परिवार सहित बाजार में आकर स्थानीय उत्पादों का समर्थन करें और स्वदेशी को मजबूत बनाएं।

कुड़मी अधिकार महारैली में शामिल हुए कुड़मी सदस्य

डुमरी (ससे) : अपने मांगों के समर्थन में रांची के प्रभात तारा मैदान धुर्वा में आयोजित कुडमी अधिकार महारैली में शामिल होने के लिए रविवार को गिरिडीह जिले के विभिन्न प्रखंडों से दर्जनों वाहनों के माध्यम से कुड़मी/कुरमी समाज के सैकड़ों महिला पुरुष रवाना हुए्।

डुमरी प्रखंड से दर्जनों लोग कुरमी विकास मोर्चा के कार्यकारी केन्द्रीय अध्यक्ष थानेश्वर महतो के नेतृत्व में रांची रवाना हुए्। थानेश्वर महतो ने कहा कि कुड़मी समाज अपने हक अधिकार के लिये बिगत ७५ वर्षो से निरंतर संघर्षरत है।कुड़मी जनजाति अपनी पहचान की लडाई लड रहा हैं्। कहा कि कुड़मी को अनुसूचित जनजाति की सूची में सूचीबद्ध करने,कुडमाली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर यह महारैली आयोजित किया गया है।

बताया कि पुरे झारखंड से कुडमी बाहुल क्षेत्र से रांची पहुंचेंगे। जहां कुड़मी जनजाति समाज अपनी चट्टानी एकता का परिचय दिखायेगी। इस दौरान कुविमो के केंद्रीय महासचिव रामचंद्र महतो केंद्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र महतो केंद्रीय संरक्षक काशीनाथ महतो, राजेन्द्र महतो, नीलकंठ महतो, बासुदेव महतो, टीपनारायण महतो, ताराचन्द महतो, सुखदेव महतो, सुनील महतो, पार्वती देवी, अस्मिता प्रकाश महतो, जागेश्वर महतो, यशोद देवी, विमला देवी, प्रेमचन्द महतो, रामेश्वर महतो आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

महाप्रबंधक ने मधु विहार कॉलोनी व जगजीवन स्टेडियम का किया निरीक्षण

हाजीपुर (ससे) : पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा दानापुर स्थित मधु विहार रेलवे कॉलोनी एवं जगजीवन स्टेडियम को निरीक्षण किया गया । इस क्रम में महाप्रबंधक ने रेलवे कॉलोनी में साफ़-सफाई, रेलकर्मियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं आदि का जायज़ा लिया तथा कॉलोनी के साफसफाई से संतुष्ट दिखे। उन्होंने रेल आवासों में रह रहे रेलकर्मियों हेतु कम्यूनिटी हॉल के निर्माण, बच्चों के खेलकूद के लिए पार्क विकसित करने जैसे सुविधाओं को उपलब्ध कराने के दिशा में हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिए ।

इस दौरान महाप्रबंधक महोदय ने जगजीवन स्टेडियम का ३२ करोड़ की लागत से किये जाने वाले जीर्णोद्वार एवं विस्तीकरण के ड्राइंग का अवलोकन किया और अधिकारियों से चर्चा की। इस योजना के तहत स्टेडियम में हॉस्टल एवं पैविलयन इत्यादि का सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। महाप्रबंधक महोदय ने उपस्थित अधिकारियों को स्टेडियम निर्माण में गुणवत्तापूर्ण सुनिश्चित करने एवं यथाशीघ्र निर्माण हेतु निर्देश दिए।

महाप्रबंधक महोदय ने कहा कि जगजीवन स्टेडियम के जीर्णोद्वार एवं विस्तीकरण से रेलवे कर्मचारियों, उनके परिवारों एवं स्थानीय युवाओं को उत्कृष्ट खेल सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। स्टेडियम के निर्माण से खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय रेल केवल यातायात सेवा ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं मानवीय विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। खेल गतिविधियाँ कर्मचारियों में टीम भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करती हैं्। स्टेडियम के विकास से खेल प्रतिभाओं को निखारने हेतु एक मंच उपलब्ध हो सकेगा।

विदित हो पिछले दिनों हाजीपुर स्थित कोनहाराघाट रेलवे कॉलोनी में रुपए ७.१४ करोड़ की लागत से अमृत भारत रेलवे स्टेडियम का निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया है।

स्टेडियम में क्रिकेट एवं फुटबॉल के लिए आधुनिक एवं भव्य मैदान विकसित किए जाएंगे, जिससे रेलवे कर्मचारियों, उनके परिवारों एवं स्थानीय युवाओं को उत्कृष्ट खेल सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस अवसर पर दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे।

एंटी क्राइम जांच अभियान, 1343 वाहनों की सघन जांच

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशानुसार जिले में विधि-व्यवस्था सुदृढ़ रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से व्यापक एंटी क्राइम जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक साथ सघन वाहन जांच और संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई्।

अभियान के दौरान कुल १३४३ वाहनों की बारीकी से जांच की गई्। पुलिस टीमों ने दोपहिया, चारपहिया एवं व्यावसायिक वाहनों की डिक्की, कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस की जांच की। बिना कागजात, नियमों का उल्लंघन करने वाले तथा संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाए गए वाहन चालकों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई्।

इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों, चौकचौराहों, बस स्टैंड एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी अभियान भी चलाया गया। पुलिस ने लोगों से पूछताछ कर उनकी पहचान सत्यापित की और आपराधिक पृष्ठभूमि की भी जांच की। एसएसपी ने बताया कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने, चोरीछिनतई, अवैध हथियार एवं नशा तस्करी

जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए इस प्रकार का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

होली भाईचारे व खुशियों का त्योहार : सांसद

कतरास (ससे) : आजसू पार्टी की ओर से डुमरा सामुदायिक भवन

में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी उपस्थित थे। सभी ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। फगुआ गीतों पर नृत्य का दौर भी चला।

इस अवसर पर सांसद चंद्रप्रकाश ने कहा कि होली भाईचारे और खुशियों का त्योहार है। यह पर्व हमें मिलजुल कर रहने, एकदूसरे के दुख-सुख में शामिल होने की सीख देता है।

पार्टी नेता अमरेंद्र पासवान के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी, गिरधारी महतो, आशीष तिवारी, नरेश महतो, रमाशंकर तिवारी, राकेश गयाली सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच मनाई जाएगी होली, पुलिस अलर्ट

धनबाद (कासं) : रंगों का पर्व होली जिले में शांति और सौहार्द के साथ संपन्न हो इसे लेकर धनबाद पुलिस ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं्। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्रों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। जिले के संवेदनशील इलाकों, प्रमुख चौकचौराहों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

एसएसपी ने स्पष्ट कहा है कि होली भाईचारे और सद्भाव का पर्व है लेकिन हर वर्ष कुछ असामाजिक तत्व हुड़दंग, नशाखोरी और जबरन रंग लगाने जैसी घटनाओं से माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं। ऐसे तत्वों की पहचान कर उन पर विशेष नजर रखी जा रही है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, उत्पीड़न या कानून व्यवस्था भंग करने की स्थिति में तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने निगरानी तंत्र को और मजबूत करते हुए सीसीटीवी कैंमरों के साथसाथ ड्रोन कैंमरों से भी निगरानी की व्यवस्था की है। वरीय पदाधिकारियों के नेतृत्व में लगातार गश्ती अभियान चलाया जाएगा। मोबाइल पेट्रोलिंग टीमों की संख्या बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी सूचना पर तुरंत कार्रवाई हो सके। होली को शांतिपूर्ण बनाने के लिए पुलिस ने कई अहम दिशानिर्देश जारी किए हैं्।किसी भी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध रंग लगाने, छेड़खानी या उत्पीड़न करने पर तुरंत केस दर्ज किया जाएगा। सभी धर्मों और समुदायों की भावनाओं का सम्मान करने की अपील की गई है।

सार्वजनिक स्थलों पर अश्लील गीत बजाने, अभद्र हरकत करने या निर्धारित समय से अधिक लाउडस्पीकर बजाने पर कार्रवाई होगी।

अपशिष्ट सामग्री के उपयोग विषयक सृजनात्मक कार्यशाला आयोजित

गोविंदपुर (ससे) : अल इक्रा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्याल्य में रविवार को अपशिष्ट सामग्री के

उपयोग विषयक सृजनात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें डीएलएड, बीएड एवं एमएड सत्र २०२५२७ के प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दो भागों में आयोजित इस कार्यशाला में प्रशिक्षुओं ने अपशिष्ट सामग्री से एक से बढ़कर एक आकर्षक एवं उपयोगी वस्तुओं का निर्माण कर अपनी रचनात्मकता का उत्कृष्ट परिचय दिया। नारियल के छिलके से सुंदर नाइट लैम्प, अंडे के छिलके, कॉफी ग्लास, डिस्पोजेबल प्लेट एवं कटोरी से सजावटी वस्तुएँ, रंगीन चावल से भारत का मानचित्र, ईयरबड्स से फूल, कार्टून से डस्टबिन, पुरानी चूड़ियों से लटकन, पुराने प्लास्टिक कंटेनर से ग्रीन हाउस, कार्टून से प्रोजेक्टर, वेलवेट से स्लीपर, समाचारपत्रों से गुलदस्ता, टिशू पेपर से आकर्षक फूल, प्राकृतिक परिवेश में घर का मॉडल, बादाम के छिलके से फोटो फ्रेम, अंडे के छिलके से फोटो फ्रेम तथा शीशे के टुकड़ों से सुंदर सीनरी आदि शामिल रहे। भाग १ में तमन्ना, अजमेरी खातून, आशुतोष कुमार एवं सलेहा खातून को पुरस्कार मिला। भाग २ में मानसी कुमारी, रीना मरांडी, निखत परवीन, खुशी परवीन, नीतू मिज एवं तानिया कुमारी, आसफा खातून, मजरुल हक को पुरस्कार मिला।

कार्यशाला के सफल संचालन एवं मार्गदर्शन में डॉ प्रेमशिला पाठक, डॉ नादरा रहमान, प्रो रियाज हुसैन, प्रो अली अशरफ, डॉ अनवर फातिमा आदि मौजूद थे।

सिटी पार्क में संपूर्ण विप्र समाज ने सोल्लास मनाया होली मिलन समारोह

बोकारो (ससे) : बोकारो के सिटी पार्क में सम्पूर्ण विप्र समाज का स्थापना दिवस सह विप्र होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। संपूर्ण विप्र समाज, बोकारो जिला इकाई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद प्रो यदुनाथ पांडेय, रवींद्र पांडेय सहित काफी संख्या में गणमान्य विप्रगण उपस्थित थे। समारोह का प्रारंभ संपूर्ण विप्र समाज के बोकारो जिलाध्यक्ष विष्णु शंकर मिश्र द्वारा भगवान परशुराम की पूजा के बाद आगत अतिथियों व संस्था के पदाधिकारियों द्वारा भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पार्चन के बाद दीप प्रज्ज्वलन से हुआ्।

संपूर्ण विप्र समाज बोकारो जिला अध्यक्ष विष्णु शंकर मिश्र ने स्वागत भाषण में संस्था की गतिविधियों व भावी कार्ययोजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठन समाज के लिए है। संस्था द्वारा समाज उत्थान हेतु कार्य किए जा रहे हैं्। सनातन धर्म की रक्षा हेतु ब्राह्मणत्व को बचाए रखना जरूरी है। भगवान परशुराम के आदर्श को अपनाते हुए चलें और अपने कर्म व आचरण से समाज को दिशा दें्। उन्होंने संगठन को आगे बढ़ाने के लिए एकजुटता व समाज से यथासंभव सहयोग करने की अपील की।

मुख्य अतिथि पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय ने समाज की एकजुटता पर बल देते हुए सभी से समाज के लोगों के लिए सहयोग की भावना रखने की बात कही। ब्राह्मणत्व के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि श्री राम ब्राह्मण के संपर्क में आए तो मर्यादा पुरुषोत्तम बन गये। हम (ब्राह्मण) अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले हैं्। पूर्व सांसद रवीन्द्र पांडेय ने समाज को जागरूक होने की अपील की।

संरक्षक पी एन पांडेय ने कहा कि समाज की एकजुटता देखकर उन्हें काफी प्रसन्नता हुई है। उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए समाज के उत्थान की बात की। संपूर्ण विप्र समाज के संस्थापक महासचिव अमरेन्द्र कुमार झा ने भी अपने विचार रखे और सभी को होली की शुभकामनाएं दीं्।

इस अवसर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में संपूर्ण विप्र समाज, बोकारो जिला के सचिव व प्रसिद्ध गायक अरुण पाठक ने होली गीत बिरज में होली खेलत नंदलाल... व होली कनक भवन में खेलथि सिया रघुवीर...की सुमधुर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायक संतलाल मिश्रा, ब्रज भूषण त्रिपाठी, अरविंद त्रिपाठी, अंगद ओझा,कृष्णा तिवारी, वीरेन्द्र पांडेय, पं चंदन शास्त्री व अन्य कलाकारों ने भजन व होली गीतों की सुंदर प्रस्तुति से सभी को आनंदित किया।

कार्यक्रम में नाल पर वीरेन्द्र पांडेय, की बोर्ड पर पंकज मिश्रा, आक्टोपैड पर देवेश त्रिपाठी ने संगति की। सांस्कृतिक कार्यक्रम विनय कुमार मिश्र के संयोजन में हुआ्। कार्यक्रम कार्यक्रम का संचालन विप्र समाज के जिला महासचिव श्रवण कुमार झा ने किया।

समारोह में विभिन्न स्थानों से अनेक विप्रजन उपस्थित हुए्। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष मृणाल चौबे, बोकारो जिला के कार्यकारी अध्यक्ष दिवाकर दुबे, अजय चौबे, कुंज बिहारी पाठक, कुमार रवि चौबे, बिमलेश पाण्डेय, शैलेन्द्र कुमार तिवारी, डॉ अशोक पांडेय, डॉ पंकज शर्मा, जितेन्द्र दुबे, हरे राम पांडेय, देव मुनि तिवारी, राजेश्वर द्विवेदी, मृणाल मनीष पांडेय, सुनील मोहन ठाकुर, शशि कांत मिश्रा, बबलू पांडेय, डॉ श्रीहरि पांडेय, धनंजय कुमार, सुनील झा, वीरेन्द्र चौबे, दिलीप चौबे, मनोज पांडेय, विनय मिश्रा, गंगेश पाठक, रमण कुमार ठाकुर, मनीष पांडेय, अखिलेश ओझा, अर्चना चौबे, संगीता मिश्रा, चंद्रलता द्विवेदी, पूनम झा, रेखा झा, सत्य प्रकाश तिवारी इत्यादि अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

पारिवारिक होली मिलन समारोह' का आयोजन

धनबाद (कासं) : होली के पावन अवसर पर धनबाद के रघुवर नगर में भव्य पारिवारिक होली मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। इस दौरान मोहल्लेवासियों ने एकजुट होकर रंगों के इस त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक फाग गीतों से हुई, जिसमें होली खेलें रघुवीरा अवध में... और आज बिरज में होरी रे रसिया... जैसे गीतों पर लोग झूमने को मजबूर हो गए। ढोलक और झाल की थाप पर बड़ों से लेकर बच्चों तक ने जमकर नृत्य किया।

समारोह में उपस्थित लोगों ने एकदूसरे को अबीरगुलाल लगाकर गले मिला और प्रेम व सौहार्द का संदेश दिया। महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष रूप से संगीत और पकवानों की व्यवस्था की गई थी। स्थानीय निवासियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से आपसी भाईचारा बढ़ता है और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़ने का मौका मिलता है। शाम तक चले इस उत्सव में पूरा रघुवर नगर होली के रंगों और गीतों की मस्ती में सराबोर नजर आया। मौके पर इंटक के राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र प्रसाद अंबष्ठ, शलैंद्र राय, रंजीत सिंह, उमेश जायसावल, पंकज सिन्हा, संतोष सिन्हा, अरविंद मिश्रा, अवधेश सिंन्हा, बीआर सिंह, रामलखन प्रसाद, गौतम आचार्य, रामेश्वर राम, आशीष अंबष्ठ, शेलेश राय, अवधेश सिंह, योगेंद्र सिंह, दवेंद्र पाठक सहित कापी संख्या में महिला शामिल हुई।

आज प्रदोषकाल में होलिका दहन श्रेष्ठ : आचार्य दिलीप पाण्डेय

धनबाद (कासं) : होलिका दहन निर्णय -२०२६ संवत २०८२ में फाल्गुन शुक्ल १४ के दिन प्रदोषकाल में पूर्णिमा तथा सम्पूर्ण रात्रि में भद्रा का प्रभाव रहेगा। दूसरे दिन पूर्णिमा सूर्योदय से पूर्व समाप्त हो रही है, किन्तु पूर्णिमा की व्याप्ति साढ़े तीन प्रहर से अधिक है और प्रतिपदा तिथि वृद्धिगामी है।

शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन पूर्णिमा के दिन ही किया जाना चाहिए, परन्तु ३ मार्च को प्रस्तावित चन्द्र ग्रहण होने तथा ग्रहणकाल से पूर्व ही पूर्णिमा समाप्त हो जाने के कारण ऐसी स्थिति में धर्मसिंधु के अनुसार होलिका दहन पूर्व दिवस में करना शास्त्रसम्मत माना गया है। आचार्य दिलीप पाण्डेय ने कहा कि धर्मसिंधु के अनुसार यदि दूसरे दिन प्रदोषकाल में पूर्णिमा न हो अथवा ग्रहण का योग हो, तो पूर्व दिन ही होलिका दहन करना चाहिए। अतः साढ़े तीन प्रहर से अधिक पूर्णिमा तथा प्रतिपदा वृद्धिगामी होने पर भी ग्रहण विचार के अनुसार २ मार्च २०२६ को प्रदोषकाल में होलिका दहन करना शास्त्रसम्मत होगा।

आचार्य दिलीप पाण्डेय ने बताया कि इस दिन भद्रा सायं ०५:४६ बजे से मध्यरात्रि के बाद रात्रि शेष ०२:२६ बजे (३ मार्च प्रातः ०४:२६ बजे तक) रहेगी। शास्त्रों में लिखा है कि यदि भद्रा निशीथकाल (मध्य रात्रि) तक रहे तो भद्रा के मुख को त्यागकर होलिका दहन करना चाहिए। इस वर्ष प्रदोषकाल में भद्रा का मुख नहीं रहेगा, अतः प्रदोष बेला (सूर्यास्त से लगभग २ घंटे २४ मिनट तक) में ही होलिका दहन करना शुभ एवं शास्त्रोक्त रहेगा।

बड्स गार्डेन स्कूल में होली महोत्सव

धनबाद (कासं) : रंगों का त्यौहार होली के शुभ अवसर पर बड्स गार्डेन स्कूल दलूडीह, राजगंज में होली महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों की ओर से काफी शानदार होली नृत्य और संगीत प्रस्तुत किए गए, बच्चों के बीच मिठाइयां बांटी गई। शिक्षक शिक्षिकाएं एवं बच्चे रंग और अबीर एक दूसरे पर डालकर इस प्रेम और सद्भावना के त्यौहार को मनाया। इस दौरान बच्चों में काफी उत्साह देखा गया, छोटे-छोटे बच्चों ने अपने गुरुजनों के पैर छुए एवं आशीर्वाद लिया। स्कूल प्रबंधन के द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम की व्यवस्था की गई थी, बच्चों ने पुराने होली के गानों में नृत्य किया और खुशियां मनाएं। विद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य प्रमोद चौरसिया ने बच्चों एवं अभिभावकों को होली की शुभकामनाएं दी एवं विद्यालय के चेयरमैन अमर कुमार पाल ने अपने संबोधन में यह संदेश दिया गया कि बच्चे घर में फूलों की होली खेले एवं गंदे रंगों से बचकर रहें, जबरदस्ती किसी पर रंग ना डालें और प्रेम और इस संद्भावना के त्यौहार को गरीबों के साथ मिलकर भी मनाएं।

फोटोग्राफस ट्रेड एसोसिएशन ने मनाया होली मिलन

धनबाद (कासं) : धनबाद डिस्ट्रिक्ट फोटोग्राफस ट्रेड एसोसिएशन द्वारा एक होटल में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर जिले भर से आए फोटोग्राफरों और वीडियोग्राफरों ने एकदूसरे को अबीरगुलाल लगाकर आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत संगठन के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह के द्वारा सदस्यों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि साल भर शादियों और आयोजनों की आपाधापी में व्यस्त रहने वाले फोटोग्राफर साथियों के लिए यह दिन मानसिक सुकून और एकजुटता का प्रतीक है। एसोसिएशन का लक्ष्य केवल व्यावसायिक हित ही नहीं, बल्कि एकदूसरे के सुखदुख में साथ खड़ा होना भी है।

इस दौरान पारंपरिक फगुआ गीतों और स्वादिष्ट व्यंजनों का सभी सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में आगामी सत्र के लिए संगठन की मजबूती पर भी चर्चा की गई।

बड्स गार्डन स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन

धनबाद (कासं) : बड्स गार्डेन एजुकेशन सोसाइटी के सौजन्य से राजगंज डलूडीह स्थित बड्स गार्डेन स्कूल परिसर में स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया था, जिसमें लगभग ६१० छात्र व छात्राओं ने भाग लिया। इस छात्रवृत्ति परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले लगभग ५० बच्चों को बच्चों को कम शुल्क में स्कूल में अगले तीन वर्ष तक शिक्षा प्रदान की जाएगी। सोसाइटी के इस निर्णय से क्षेत्र के लोगों में काफी उत्साह है।

कक्षा १ से लेकर ८ तक के बच्चों को या छूट दी गई थी कि कोई भी मेधावी और योग्य छात्र और छात्राएं इस परीक्षा में शामिल हो सकते थे। परीक्षा में समय होने वाला बच्चों को स्कूल प्रबंधन की ओर से उपहार आदि भी वितरित किए गए और समिति के अध्यक्ष गोरी प्रमोद ने बताया कि समिति क्षेत्र के मेधावी और योग्य छात्रों को के लिए यह छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया है ताकि मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चे भी विद्यालय में पढ़ाई कर सकें। छात्रवृत्ति परीक्षा के आगे का समय भारी संख्या में अपने बच्चों के साथ अभिभावक भी विद्यालय पहुंचे थे। विद्यालय के प्राचार्य प्रमोद चौरसिया ने सभी अभिभावकों और बच्चों को धन्यवाद दिया।

जिला स्तरीय चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन

गोविंदपुर (ससे) : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में जिला स्तरीय चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिले के सभी प्रखंडों के चार चार विद्यालयों के विद्यालयों के सातवीं वर्ग के छात्रछात्राओं ने इसमें भाग लिया। अलग अलग थीम आधारित यह प्रतियोगिता बच्चों की रचनात्मक सोच, मौलिकता और अभिव्यक्ति की क्षमता पर आधारित रही। निर्णायक के रूप में विभिन्न विद्यालयों के कला शिक्षकों को बुलाया गया था।

इस प्रतियोगिता में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टुंडी प्रथम, मध्य विद्यालय कुरची गोविंदपुर द्वितीय व झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय पूर्वी टुंडी के विद्यार्थियों तृतीय पुरस्कार मिला।

सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र, शील्ड और मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों की मोमेंटो, पेंसिल बॉक्स एवं प्रशस्ति पत्र देकर हौसला आफजाई की गयी। प्राचार्य जगरनाथ लोहरा के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में डायट के सभी संकाय सदस्यों एवं कर्मियों की महती भूमिका रही।

होली मिलन समारोह का आयोजन

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर लाल बाजार के नागरिकों ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया। मुख्य अतिथि डॉ अभिजीत गुप्ता कविराज ने कहा कि होली भाईचारा का संदेश देता है। हमें इस त्यौहार में एक दूसरे से गिले-शिकवे भूलकर भाईचारा बनाना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक कौशल किशोर भगत एवं शैलेंद्र भगत ने सभी का स्वागत किया और कहा कि होली मिलन की परंपरा को आगे भी जीवित रखा जाएगा । इस अवसर पर बलराम साव, शंभू प्रसाद भगत, अनिल साव, भरत जायसवाल, राजेश जायसवाल, दिनेश मंडल, संजय साव, जितेश जायसवाल, कृटि भूषण रूज, सपन भगत, नवीन भगत, राजा दास, विद्युत कविराज आदि शामिल थे।

संस्थापक दिवस पर लाइटिंग एग्जिबिशन का उद्घाटन

जोड़ापोखर (ससे) : जमशेदजी नसरवानजी टाटा की १८७वीं जयंती के अवसर पर संस्थापक दिवस लाइटिंग प्रदर्शनी का उद्घाटन संजय रजोरिया, जनरल मैनेजर (कोल), एवं सुनीता रजोरिया द्वारा सर

दोराबजी टाटा पार्क में किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों में बरुण कुमार बनर्जी, हेड (सेफ्टी); संजीव ठाकुर, हेड (सिजुआ कोलियरी); श्वेता मिश्रा, हेड (एडमिनिस्ट्रेशन); अंशुल कुमार मिश्रा, एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट टू जनरल मैनेजर (कोल); झरिया डिवीजन, टाटा स्टील; अशोक कुमार राय, यूनियन प्रतिनिधि सहित अन्य कर्मचारी एवं उनके जीवनसाथी उपस्थित थे।

इस अवसर पर संजय रजोरिया ने जेएन टाटा के योगदान, उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण एवं दूरदृष्टि पर प्रकाश डाला तथा राष्ट्र के औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने में उनकी भूमिका को रेखांकित किया। पार्क को आकर्षक प्रकाश सज्जा से भव्य रूप से सजाया गया है, जो दर्शकों के लिए अत्यंत मनोरम नजारा प्रस्तुत कर रहा है। पार्क ३ तक तीन दिनों के लिए आम जनता के लिए खुला रहेगा।

वंचित समाज की महिलाओं के उत्थान के लिए बैठक

धनबाद (कासं) : लाल बंगला, पाण्डे कॉलोनी, सहकार भारती, लक्ष्मण राव ईमानदार सहकारी समिति लिमिटेड महिला ग्रुप की बैठक की। कार्यक्रम में झारखण्ड मानव कल्याण सोसाईटी के सौजन्य से समाज सेवी डॉ.अर्जुन पंडित जी को वंचित समाज की महिलाओं के उत्थान के लिये और समाजिक चेतना को देखते हुये, सोसाईटी के अध्यक्ष रामा शीष चौहान आपने पदाधिकारियों के साथ डॉ. अर्जुन पंडित को वस्त्र और प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री चौहान ने कहा वंचित समाज की महिलाओं के उत्थान का जो बीड़ा डॉक्टर साहब ने उठाये है हम उस कार्यक्रम को आगे बढाने के लिये अपने सोसाईटी की ओर से तन, मन, और धन से सहयोग करेंगे। हमारी सोसाईटी की ओर से भी आर्थिक आजादी के लिये कई कार्यक्रम चला रहा है, जिनको लाभ लेना चाहते है और भी मुझसे जुड़ कर लाभ ले सकते है। हमारी सोसाईटी सरकार के सौजन्य से महिलाओं के उत्थान के लिये कई योजनाये चला रही है। उससे भी आपलोगों को जोड़कर उज्वल भविष्य बनाने में सहयोग करेंगे। मुख्य अतिथि, अध्यक्ष, सरोज कुमार महतो, विशेष अतिथि, उपाध्यक्ष अर्जुन कुमार पाण्ड्य, संगठन मंत्री, मगधेश कुमार, संयोजिका, रानी कुमारी, रंजू कुमारी, पूनम सिंह, नेहा श्रीवास्तव, बबीता कुमारी, रिंकी देवी, पिंकी देवी, मालती सहाय उपस्थित हुए। श्री चौहान ने दूर-दराज से आये हुए महिलाओं एवं पुरूष, पदाधिकारी और सदस्यों को होली पर्व की हार्दिक शुभ कामना दिये और उज्वल भविष्य की कामना के लिये झारखण्ड सरकार और धनबाद नगर निगम के नव निर्वाचित मेयर संजीव सिंह की हार्दिक शुभ कामना देते हुये सहयोग करने के लिये अपील किये।

सांसद ने किया तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास

महुदा (ससे) : गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने तालाब को जीर्णोद्धार कार्य शिलान्यास किया। बाघमारा प्रखंड के कांड्रा पंचायत लाला टोला तालाब का जीर्णोद्धार कार्य शिलान्यास में सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक बाघमारा शत्रुघ्न महतो, मुखिया रिंकू देवी द्वारा कार्य का नारियल फोड़कर उद्घाटन किया गया। वही लाला टोला में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि किसी तरह का कार्य हो मुझे सूचित करें मैं उसे कार्य को पूरा करने का काम करूंगा, वही ग्रामीणों ने दुर्गा मंदिर को सौंदर्यीकरण करने की मांग रखी। बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि बहुत जल्द दुर्गा मंदिर का सौंदर्यीकरण किया जाएगा साथ ही डीप बोरिंग पानी की व्यवस्था की जाएगी। मुखिया रिंकू देवी ने कहा कि पंचायत में किसी भी तरह की समस्या होने पर हर संभव पूरा करने का काम करूंगा। मौके पर उपस्थित भाजपा के वरिष्ठ नेता धनेश्वर महतो, मुकेश लाल, अशोक कुमार, लोकेश दुबे, हरिलाल दास सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण कार्य का शिलान्यास

धनबाद (कासं) : १५वें वित्त आयोग (हेल्थ ग्रांट) मद अंतर्गत तोपचांची प्रखंड के गोमो दक्षिण स्थित मौजा जीतपुर में स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण कार्य का विधायक मथुरा ने विधिवत शिलान्यास किया। यह स्वास्थ्य उपकेंद्र क्षेत्रवासियों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ मिलकर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

आर्थिक सहयोग देकर मनाया अपना जन्मदिन

बलियापुर (ससे) : समाज सेवा की एक अनूठी मिसाल पेश करते हुए, सिंदरी विधायक प्रतिनिधि और हरिओम सेवा संस्था के सचिव शीतल दत्ता के पुत्र वीर दत्ता ने अपना जन्मदिन सादगी और सेवा भाव के साथ मनाया। बलियापुर प्रखंड अंतर्गत आमटाल पंचायत के निवासी वीर दत्ता ने अपने जन्मदिन के विशेष अवसर पर बेलघरिया स्थित मोहली बस्ती की एक जरूरतमंद बहन की शादी में सुखा राशन एवं सहयोग राशि भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। वीर दत्ता की इस संस्कारी सोच और सामाजिक सरोकार की सराहना करते हुए हरिओम सेवा संस्था के संस्थापक सदस्यों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संस्था के सक्रिय सदस्य रंजीत महतो, बबलू बाउरी और आमोद बाउरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मौके पर हरिओम सेवा संस्था के संस्थापक सदस्य विनोद सिंह, प्रभास पाल, प्रेमांशु पाल, शंकर दास, सूर्य गोपाल भट्टाचार्य,हारु बाउरी, डॉ. स्वरूप चौधरी, विजय दत्ता, अमित बनर्जी, डॉ राजेश सिंह, प्रसून दास गुप्ता, मुकेश महतो, कृष्णा दान, चंदन भूमिहार, अनिल महतो, राजा राम रवानी, दिलीप चौहान विश्वजीत चक्रवर्ती, रंजीत चौहान, दिनेश महतो, विजय रजक, महावीर,सहित संस्था के कई अन्य सदस्य और ग्रामीण शामिल थे।

लोयाबाद थाना में शांति समिति की बैठक

लोयाबाद (ससे) : होली का त्योहार शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी लोयाबाद थाना में शांति समिति पुलिस जन सहयोग समिति की एक आहूर्त बैठक आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता लोयाबाद थाना प्रभारी पिकु प्रसाद किया।

संचालन चेम्बर उपाध्यक्ष सुनिल पांडेय ने किया। बैठक में थाना क्षेत्र के कनकनी, सेन्द्रा, बांसजोडा, एकडा, लोयाबाद आदि क्षेत्रों से गणमान्यजन उपस्थित हुए और सभी ने अपने बातों से थाना प्रभारी को आवगत कराया। वार्ड सात के नवनियुक्त पार्षद अरूण चौहान और वार्ड संख्या आठ के रमेश्वर तुरी उपस्थित थे। थाना प्रभारी ने पुष्प गुच्छ देकर दोनों पार्षदों का स्वागत किये।

बैठक में क्षेत्र के प्रसिद्ध समाजसेवी सह कांग्रेसी नेता राम रहिम ने क्षेत्र के जनता के लिए निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा देने का घोषणा किये। थानां प्रभारी ने सभी का अभिनंदन करते हुए, अस्वस्थ करते हुए कहा कि होली खुशी और आपसी भाईचारे का त्योहार है इसे हर्सोल्लास के साथ शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं होली के दिन शराब की बिक्री, लहेरिया बाइकर्स, डीजे पर अश्लील गानों पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगी, हुड़दंगियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। हुड़दंगी करते पकड़े जाने पर वैसे तत्वों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिसमे किसी की कोई पैरवी पहल नही सुनी जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि होली के दिन लोग अपने बच्चे को नियंत्रण में रखें। लोग किसी के अफवाह में न पड़ें। यदि कोई अफवाह फैलाने की कोशिश करता है तो इसकी तत्काल सूचना पुलिस को दें। लोयाबाद पुलिस आपकी सेवा में २४ घन्टे तत्पर रहेगी।

उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएं दी। मौके पर थाना के एस आई रोहित महतो, एएसआई नवल किशोर शुक्ला, अवधेश सिंह, बिनोद पासवान, मिनाज खान एवं गणमान्य लोगों में मुस्लिम कमिटी महामंत्री असलम मंसुरी, चेम्बर अध्यक्ष राजकुमार महतो, पार्षद अरूण चौहान, रमेश्वर तुरी, जयप्रकाश पांडेय, रवि चौबे, शिवशंकर प्रसाद, बिजेन्द्र पासवान, मनोज मुखिया, अनवर मुखिया, सिपाही चौहान, मन्नु सिंह, दिनेश रवानी, रौशन पासवान, रमाशंकर महतो, मो. आजाद आदि उपस्थित थे।

जलसहिया अधिकार मंच बाघमारा प्रखंड का होली मिलन

कतरास (ससे) : जलसहिया अधिकार मंच बाघमारा प्रखंड की ओर से महेशपुर २ पंचायत सचिवालय में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जलसहिया अधिकार मंच धनबाद जिला अध्यक्ष जया देवी मुख्य रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष जया देवी कहा कि होली रंगों का त्योहार एकता के प्रतीक हैं। सभी जलसहिया एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। समारोह में बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष पुष्पा देवी, किरण देवी, दिव्या देवी, सुमित देवी, लक्ष्मी देवी, कल्पना देवी, कलावती देवी, लीलावती देवी, मिट्ठू देवी आदि मौजूद थी।

बिहार की हार से सीख लेकर कांग्रेस व डीएमके में बनी सहमति

चैन्नई (ईएमएस) : तमिलनाडु की सियासत में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही गठबंधन की तस्वीर अब साफ होने लगी है। राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और कांग्रेस के बीच लंबे समय से चला आ रहा सीटों का गतिरोध खत्म होता दिख रहा है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के कड़वे अनुभवों से बड़ी सीख ली है। बिहार में महागठबंधन के बीच अंतिम समय तक सीट बंटवारा न हो पाने और कई सीटों पर फ्रेंडली फाइट के कारण मिली करारी हार को देखते हुए, इस बार तमिलनाडु में कांग्रेस ने व्यावहारिक रुख अपनाया है।

डीएमके प्रमुख और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गठबंधन को एकजुट रखने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में डीएमके ने दो मुस्लिम दलों के साथ समझौता पक्का कर लिया है। पार्टी मुख्यालय में हुई घोषणा के अनुसार, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और मनिधनेया मक्कल कत्वी (एमएमके) को दो-दो विधानसभा सीटें आवंटित की गई हैं। आईयूएमएल अपने पारंपरिक 'सीढ़ी' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेगी, जबकि एमएमके के उम्मीदवार डीएमके के 'राइजिंग सन' सिंबल पर मैदान में उतरेंगे। यह कदम अल्पसंख्यक मतदाताओं को एक स्पष्ट संदेश देने की कोशिश माना जा रहा है। कांग्रेस के साथ भी बातचीत अब सकारात्मक मोड़ पर पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस शुरुआत में ३५ सीटों की मांग कर रही थी, लेकिन अब २७ या २८ सीटों और राज्यसभा की एक अतिरिक्त सीट पर समझौता होने की प्रबल संभावना है।

तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुन्थगई ने संकेत दिए हैं कि डीएमके के साथ बातचीत सौहार्द्रपूर्ण रही है और कांग्रेस का गठबंधन अटूट है। पार्टी ने उन अटकलों को भी खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि कांग्रेस किसी अन्य दल (जैसे टीवीके) के संपर्क में है।

दूसरी तरफ, विपक्षी खेमे यानी एनडीए में फिलहाल अनिश्चितता का माहौल है। ओ. पन्नीरसेल्वम के डीएमके के पाले में जाने की चर्चाओं के बीच एनडीए में अभी तक सीट शेयरिंग को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं हो पाया है, जिससे वे फिलहाल दोराहे पर खड़े नजर आ रहे हैं। डीएमके की योजना है कि ९ मार्च को तिरुचिरापल्ली में होने वाले पार्टी के राज्य स्तरीय सम्मेलन से पहले सभी सहयोगियों के साथ सीटों का बंटवारा अंतिम रूप ले ले। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री स्टालिन सोमवार २ मार्च २०२६ को राज्यसभा सीटों और उम्मीदवारों की औपचारिक घोषणा कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडणकर दिल्ली रवाना हो चुके हैं, जहां हाईकमान की मुहर लगते ही इस समझौते का औपचारिक ऐलान कर दिया जाएगा। विदुथलाई चिरुथैगल कत्वी (वीसीके) जैसे अन्य छोटे दलों के साथ भी सोमवार को चर्चा होनी है।

एमके स्टालिन की रणनीति साफ है-सहयोगी दलों को उनकी जमीनी ताकत के हिसाब से सीटें देकर गठबंधन को नियंत्रित रखना और चुनाव प्रचार में किसी भी प्रकार की देरी या असमंजस से बचना। अब देखना यह होगा कि बिहार की गलतियों से सबक लेकर बनाया गया यह मजबूत गठबंधन आगामी चुनाव में कितनी सफलता हासिल करता है।

विनोद तकियावाला निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए हुए सम्मानित

दिल्ली (ईएमएस) : अखिल भारतीय राजपूत विकास समिति (पंजी.),केशवपुरम,दिल्ली के सौजन्य से आयोजित होली स्नेह मंगल मिलन एवं भव्य सम्मान समारोह रंगों,संस्कृति और सामाजिक सरोकारों की गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ|इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार विनोद तकियावाला को पत्रकारिता जगत में तीन दशकों की उल्लेखनीय, निष्पक्ष और जनोन्मुखी सेवा के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह में समाज के विभिन्न वर्गों के गणमान्य व्यक्तियों, साहित्यकारों,सामाजिक कार्य कर्ताओं और पत्रकारों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशिष्ट बना दिया।

समिति के अध्यक्ष राधेश्याम सिंह सोम,सचिव मुलचंद तथा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विनोद तकियावाला को अंगवस्त्र ओढ़ाकर तथा प्रेम और आस्था के प्रतीक राधा-कृष्ण की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया|इस अवसर संस्था के वरिष्ठ आधिकारीयो व वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि तकियावाला ने तीन दशकों तक अपनी स्वतंत्र,निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता करते हुए समाज व राष्ट्र के ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाया|उन्होंने स्वतंत्र लेखन के माध्यम से सामाजिक चेतना को जागृत करने का कार्य किया और पत्रकारिता को केवल पेशा नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम माना। उनके स्तम्भों और लेखों ने जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रीति से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ|। इसके उपरांत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला ने वातावरण को पूर्णतः होलीमय बना दिया। हिन्दी अकादमी दिल्ली के कलाकारों ने आज ब्रज में होली रे रसिया, ब्रज की लठमार होली तथा कृष्ण-राधारानी संग होली के मंगलगीतों पर आधारित मनोहारी नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। लोकधुनों,रंगों और उत्साह से सराबोर प्रस्तुतियों ने सभागार को तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजा यमान कर दिया|समारोह के दौरान आपसी सौहार्द, भाईचारे और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं की झलक स्पष्ट दिखाई दी|उपस्थित जनसमूह ने एक-दूसरे को अबीर- गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और सामाजिक एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में संस्था के सक्रिय सदस्यों एवं समाजसेवियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह के अंत में अध्यक्ष राधेश्याम सिंह सोम ने समारोह में पधारें सभी अतिथियों, पत्रकारों और सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं|। उन्होंने उपस्थित सभी जनों को अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला भेंट कर होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं|रंगों, संगीत और सम्मान की गरिमामयी छटा के साथ यह समारोह यादगार बन गया।

होलिका दहन 2 मार्च सबसे शुभ, 3 मार्च चंद्र ग्रहण से निषिद्ध

बदायूं (ईएमएस) : नगर के ज्योतिषाचार्यों के अनुसार संवत २०८२ में फाल्गुन शुक्ल चतुर्दशी पर २ मार्च २०२६ को होलिका दहन करना सबसे शुभ रहेगा। यहां के एक मंदिर के महंत ने बताया कि इस दिन प्रदोषकाल में शाम ६ बजे तक पूर्णिमा व्याप्त है और संपूर्ण रात्रि भद्र का प्रभाव रहेगा। शास्त्रों के अनुसार भद्र रात्रि व्यापिनी होने के कारण रात का समय भी शुभ माना जाता है। इसलिए २ मार्च को शाम के समय होलिका दहन करना सर्वोत्तम विकल्प है। तीन मार्च को शहर में चंद्र ग्रहण होगा। ग्रहण का सूतक सुबह ५:४६ बजे से शुरू होकर ६:५३ बजे समाप्त होगा। पूर्णिमा की व्याप्ति भी शाम ५:०८ बजे तक ही रहेगी। इस कारण तीन मार्च को कोई भी शुभ कार्य विशेषकर होलिका दहन शास्त्रसम्मत नहीं है। ज्योतिषाचार्य ने स्पष्ट किया कि ग्रहण के कारण इस दिन किसी भी धार्मिक अनुष्ठान को करना अशुभ होगा। कुछ महंतों का मानना है कि ४ मार्च २०२६ की सुबह भी होलिका दहन के लिए उपयुक्त है। नगला मंदिर के महंत ने बताया कि सुबह ७ बजे तक होलिका दहन किया जा सकता है। हालांकि यह २ मार्च जितना शुभ नहीं है, लेकिन सुविधा अनुसार इसे आयोजित किया जा सकता है। शास्त्रों और ज्योतिष अनुसार होलिका दहन सबसे सुरक्षित और शुभ २ मार्च को प्रदोषकाल में शाम के समय होगा। दूसरा विकल्प ४ मार्च की सुबह है। तीन मार्च के चंद्र ग्रहण के कारण उस दिन कोई भी धार्मिक कार्य नहीं किया जाएगा।

फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी की सरकार से अपील

नई दिल्ली (ईएमएस) : कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और उसके बाद अमेरिका व इज़राइल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों को घृणित करार दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि लोकतांत्रिक दुनिया के नेताओं द्वारा किसी संप्रभु राष्ट्र के नेता की लक्षित हत्या और निर्दोष लोगों की मौत स्पष्ट रूप से निंदा के योग्य है।

प्रियंका गांधी ने महात्मा गांधी के कथन का हवाला देते हुए कहा, आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा कर देती है, और जो दुनिया को आज जरूरत है, वह अनावश्यक युद्धों की नहीं बल्कि शांति की है। उन्होंने भारत सरकार से अपील की कि प्रभावित देशों में फंसे सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं|

सांसद प्रियंका गांधी के बयान से पहले, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी अयातुल्ला खामेनेई की हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। सिंह ने इसे एक युग का अंत बताया और भारत-ईरान के ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा भारत का समर्थन किया है और संकट के समय भारत सरकार को अपना स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए| यहां ऐसा लग रहा जैसे भारत अपना एक अच्छा दोस्त खो रहा है।

भारत ने एक भरोसेमंद दोस्त को खो दिया: संजय सिंह यहां संजय सिंह ने कहा कि भारत ने एक भरोसेमंद दोस्त खो दिया है और खामेनेई को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने भारत-ईरान के ऐतिहासिक संबंधों को याद दिलाते हुए कहा कि ईरान ने हमेशा पाकिस्तान के खिलाफ समर्थन दिया और भारत को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान की। संजय सिंह ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि संकट की इस घड़ी में भारत सरकार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए, अन्यथा वैश्विक तानाशाह अमेरिका का अत्याचार पूरी दुनिया में फैल सकता है।

टांडा के जंगल में हाथी से टकराई बाइक, दो भाईयों की मौत

हल्द्वानी (ईएमएस) : टांडा जंगल में हाथी से दोपहिया वाहन टकरा गया। इससे दोपहिया वाहन सवार सड़क पर गिर गए, जिसमें एक मौत हो गई| जबकि दूसरे को अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से शाहजहांपुर कटरा और वर्तमान में बनभूलपुरा के गफूर बस्ती निवासी शकील (२६) और जाफर (२८) शनिवार की शाम हल्द्वानी से रुद्रपुर की ओर जा रहे थे। इस दौरान टांडा रोड स्थित हाथी कारिडोर में उनके वाहन के सामने अचानक हाथी आ गया, जिससे उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और वाहन चल रहे शकील के सिर में चोट लग गई| साथ ही पीछे बैठे जाफर भी सड़क हादसे में घायल हो गया। सड़क हादसे के बाद रास्ते से गुजर रहे लोगों ने डायल ११२ पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल भेजा।
जहां शकील को मृत घोषित कर दिया, जबकि जाफर को हायर सेंटर भेजा, जिसपर बरेली ले जाते वक्त रास्ते में जाफर ने भी दम तोड़ दिया। लोगों ने बताया की दोनों रिश्ते के भाई थे। जो हल्द्वानी में रहकर आर्टिफिशियल ज्वेलरी व कपड़ों की फेरी करते थे घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।

कर्नाटक के इस गांव में सालों से दलित समुदाय को बाल कटवाने की मनाही

बेंगलुरु (ईएमएस) : कर्नाटक के गडग जिले के शिंगातलूर गांव में दलित समुदाय को बाल कटवाने की सेवा से सालों तक वंचित रखा गया। सामाजिक कल्याण विभाग के सूत्रों के अनुसार, इस गांव में एक खास समय पर दलितों को टोंसुर या बाल कटवाने की सेवा नहीं मिलती थी। इस अंधविश्वास के कारण दलितों को बाल कटवाने के लिए पड़ोसी गांवों का रुख करना पड़ता था, जिससे उन्हें अनेक असुविधाओं का सामना करना पड़ता था।

प्रभावित ग्रामीणों की शिकायतों और ज्ञापनों के बाद प्रशासन ने मामले में हस्तक्षेप किया। अब शिंगातलूर गांव में एक नया सैलून तैयार किया गया है, जो सोशल वेलन विभाग, तालुक प्रशासन, तालुक पंचायत, दलित संगठनों और शिवशरणा हडपदा अप्पन्ना समुदाय की संयुक्त पहल का परिणाम है। तिप्पापुर गांव के बसवराज हडपदा को इस सैलून का संचालन सौंपा गया है, ताकि सभी समुदाय के लोगों को समान और उचित नाई सेवा मिल सके।

गांव में मान्यता थी कि महानवमी के दौरान वीरभद्रेश्वर स्वामी हडपदा समुदाय के घर आते हैं और उस समय दलितों के बाल कटवाने से दुर्भाग्य आता है। इस अंधविश्वास के चलते कुछ लोगों ने दलितों को बाल कटवाने की सेवा देना बंद कर दिया था, जिससे सामाजिक विभाजन और भेदभाव बढ़ा। सामाजिक कल्याण विभाग ने बताया कि यह पहल अस्पृश्यता उन्मूलन जागरूकता (छुआछूत) और सामंजस्यपूर्ण जीवन (वर्क लाइफ हार्मनी) कार्यक्रम के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य सामाजिक सद्भाव बढ़ाना और बुनियादी सेवाओं तक सभी की समान पहुंच सुनिश्चित करना है।

ब्रिक्स मशीन के नाम पर लाखों की ठगी

सोनभद्र (ईएमएस) : प्रकाश जीनियस एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के प्रबंधक राजेंद्र जैन से ब्रिक्स मशीन के नाम पर दो लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सोनभद्र की कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने इस मामले में गौतमबुद्धनगर नोएडा की कंपनी मेसर्स एचपी ब्रिक्स मशीनरी के प्रोपराइटर, अभिकर्ता व अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजेंद्र जैन ने शिकायत दर्ज कराई है कि जुलाई २०२४ के अंतिम सप्ताह में मेसर्स एचपी ब्रिक्स मशीनरी, नोएडा के प्रतिनिधि उनके विद्यालय परिसर में पहुंचे और ब्रिक्स मशीन की उपयोगिता बताते हुए बिक्री का प्रस्ताव दिया। पीड़ित ने बताया कि प्रतिनिधियों ने मोबाइल फोन पर कंपनी के मालिक से भी बात कराई| वाट्सअप के जरिए फैक्टरी व मशीन की जानकारी दिखाई, जिससे विश्वास हो गया। इसके बाद पीड़ित ने भारतीय स्टेट बैंक, शाखा रॉबर्ट्सगंज से चेक के जरिए दो लाख १४ रुपए की धनराशि आरटीजीएस के जरिए कंपनी के खाते में भेजी। आरोप है कि राशि प्राप्त होने के बावजूद न तो मशीन उपलब्ध कराई गई और न ही पैसा वापस किया गया। बार-बार संपर्क करने पर टालमटोल किया गया। बाद में २९ अगस्त २०२४ को कंपनी को पैसा वापस करने के लिए पत्र भी भेजा गया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। पीड़ित का आरोप है कि संबंधित मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर अब जान से मारने की धमकी दी जा रही है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

होली से पहले मौसम के कड़े तेवर, उत्तर भारत में बढ़ेगा पारा

नई दिल्ली, (ईएमएस) : मार्च महीने की शुरुआत के साथ ही प्रकृति ने अपने मिजाज बदलने के स्पष्ट संकेत दे दिए हैं। जहां एक ओर लोग रंगों के त्योहार होली का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सूरज की तपिश ने अभी से लोगों को पसीने छुड़ाना शुरू कर दिया है। ठंड अब पूरी तरह विदा ले चुकी है और मौसम विभाग की ताजा अनुमान बताता हैं कि आने वाले दिनों में देश के कई हिस्सों में गर्मी का प्रचंड रूप देखने को मिलेगा। मैदानी इलाकों में तापमान में अचानक होने वाली यह बढ़ोतरी सामान्य जनजीवन और स्वास्थ्य के लिए एक नई चुनौती बनकर उभर रही है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के राज्यों में अगले कुछ दिनों में तापमान ४ से ५ डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। ४ मार्च २०२६ को होली के दिन उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत में आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और अधिकतम तापमान ३२ से ३५ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। यह इस सीजन की पहली वास्तविक गर्मी होगी, जो त्योहार के उत्साह के बीच शारीरिक थकान और हीट स्ट्रेस का कारण बन सकती है। दिल्ली-एनसीआर में भी गर्मी ने अपने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं| यहां १ मार्च से ही शुष्क और तेज हवाएं चलने का दौर शुरू हो गया है, जिनकी रफ्तार २५ किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। हालांकि इन हवाओं से वायु गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है, लेकिन दोपहर की तेज धूप और ३१ डिग्री तक पहुंचता पारा दिल्लीवासियों की मुश्किलें बढ़ाएगा।

उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में भी गर्मी की दस्तक साफ महसूस की जा रही है। यूपी के पश्चिमी और मध्य जिलों में पारा ३५ डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जबकि बिहार और झारखंड में रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ग्रामीण इलाकों में किसानों ने अभी से दोपहर की गर्मी से बचने के लिए अपनी दिनचर्या में बदलाव करना शुरू कर दिया है। वहीं, पंजाब और हरियाणा में चलने वाली तेज हवाएं नमी को कम करेंगी, जिससे गर्मी और शुष्क महसूस होगी। इसके विपरीत, उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर जैसे पहाड़ी राज्यों में ४ मार्च से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने वाला है। इसके प्रभाव से ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और हल्की बारिश की संभावना है, जिससे वहां एक बार फिर ठंड लौट सकती है। पर्यटकों को सलाह दी गई है कि वे पहाड़ों की यात्रा पर निकलने से पहले मौसम की पल-पल की जानकारी जरूर लें|

दक्षिण भारत के हालात उत्तर से बिल्कुल जुदा नजर आ रहे हैं| तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों में स्थानीय मौसम प्रणालियों के सक्रिय होने के कारण आंधी-तूफान और गरज-चमक के साथ बारिश की चेतावनी जारी की गई है। तटीय इलाकों में नमी का स्तर बढ़ने से उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी मौसम के दो रंग दिखेंगे; जहां एक ओर जैसलमेर और बीकानेर जैसे जिलों में गर्म हवाएं चलेंगी, वहीं एमपी के पूर्वी हिस्सों में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी।

इस बदलते मौसम के बीच डॉक्टरों ने स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। तापमान में अचानक वृद्धि के कारण सनबर्न का खतरा बढ़ गया है। चिकित्सीय भाषा में इसे डर्माटाइटिस सोलारिस कहा जाता है, जिसमें सूरज की अल्ट्रावायलेट किरणें त्वचा को सीधे नुकसान पहुंचाती हैं|

खाटू श्याम वार्षिक फाल्गुन मेले में उम्मीद से कम पहुंचे श्रद्धालु

सीकर (ईएमएस) : बाबा खाटू श्याम के वार्षिक फाल्गुन मेले में जहां दर्शन व्यवस्था सुगम रही, वहीं श्रद्धालुओं की संख्या उम्मीद के मुताबिक नहीं रही इससे स्थानीय व्यापारियों के चेहरे मुरझाए नजर आए| भीड़ कम होने का सबसे बड़ा प्रमाण चारण खेत में नजर आया, जहां लाखों भक्तों को संभालने के लिए बनाए गए जिगजैग कतारों की जरूरत ही नहीं पड़ी और वे खाली नजर आए| प्रशासन ने इस बार मेले में ३० से ४० लाख भक्तों के आने की बात कही थी, लेकिन श्रद्धालु नहीं पहुंचे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आम दिनों में जहां खाटू की गलियों में तिल रखने की जगह नहीं होती, वहीं मेले के दौरान होटल, गेस्ट हाउस और धर्मशालाओं में कमरे खाली रहे। व्यापारियों का मानना है कि कस्बे में की गई अत्यधिक बेरिकेडिंग के कारण श्रद्धालु रुकने के बजाय सीधे दर्शन कर बाहर निकल गए।

सुप्रीम लीडर की मौत पर रो पड़े लोग

नई दिल्ली (ईएमएस) : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई एक संयुक्त अमेरिका-इजराठल हमले में मारे गए हैं| ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि खामेनेई मर चुके हैं| रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को अमेरिका और इजराइल ने खामनेई के दफ्तर पर हमला किया था। ईरानी मीडिया ने भी उनकी मौत की पुष्टि की है। एक टीवी प्रेजेंटर ने रोते हुए यह खबर सुनाई और बताया कि देश में ४० दिनों का शोक मनाया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने नए सुप्रीम लीडर का ऐलान कर दिया है। उनके बेटे मोजतुबा खामेनेई को नया सुप्रीम लीडर बनाया गया है। सुप्रीम लीडर की मौत के बाद पूरे ईरान में मातम का माहौल है। लोग मस्जिदों में इकट्ठा होकर उन्हें याद कर रहे हैं और रो रहे हैं| बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरकर अमेरिका और इजराइल के खिलाफ नारे लगा रहे हैं| ईरान की मीडिया में भी शोक और गम का माहौल बना हुआ है। इसी बीच उनकी मौत के बाद, खामेनेई के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से फारसी में एक संदेश पोस्ट किया गया जिसका अर्थ है- हैदर (उन पर शांति हो) के पवित्र नाम से। 'हैदर' शिया इस्लाम के पहले इमाम हज़रत अली का एक नाम है।

खामेनेई १९८९ से ईरान के सर्वोच्च नेता थे। उन्होंने लगभग चार दशकों तक देश की राजनीति, न्यायपालिका और सशस्त्र बलों पर मजबूत पकड़ बनाए रखी। ईरान की प्रेस टीवी ने शोक में अपना लोगो काले रंग का कर दिया हैं। ईरान के सरकारी चैनल ने अपने सुप्रीम लीडर की मौत पर शोक जताते हुए अपना लोगो काले रंग का कर दिया है। चैनल ने कहा कि इज़रायल और अमेरिका के कायराना हमले में इस्लामिक क्रांति के नेता शहीद हो गए|

खामेनेई की मौत के बाद इस्लामिक रिव्यूलनरी गार्ड क्रॉप्स (आईआरजीसी) ने बयान जारी कर कहा कि ईरान ने एक महान नेता खो दिया है। वे घमंडी ताकतों के खिलाफ बहादुरी से खड़े रहने वाले नेता थे। आईआरजीसी ने इसे महान नेता की शहादत बताया और कहा कि अमेरिका और इजराइल को इसकी सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह हमला धार्मिक, नैतिक और कानूनी नियमों का उल्लंघन है और ईरान बदला जरूर लेगा।

केजरीवाल व सिसोदिया को बरी करने के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची सीबीआई, 9 को सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस) : दिल्ली आबकारी नीति २०२१-२२ से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में राजनीति और कानूनी सरगर्मी एक बार फिर तेज हो गई है। राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत सभी २३ आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अब दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सीबीआई की इस आपराधिक पुनरीक्षण याचिका (क्रिमिनल रिवीजन पिटीशन) पर आगामी ९ मार्च को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की एकल पीठ के समक्ष सुनवाई होनी तय हुई है। जांच एजेंसी ने ट्रायल कोर्ट के उस विस्तृत आदेश को रद्द करने की मांग की है, जिसने एजेंसी की पूरी जांच थ्योरी को खारिज कर दिया था।

विवाद की जड़ में दिल्ली सरकार की वह आबकारी नीति है जिसे जुलाई २०२२ में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोपों के बाद रद्द कर दिया गया था। सीबीआई का आरोप था कि इस नीति को कुछ खास निजी शराब कंपनियों, विशेषकर साउथ ग्रुप को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए तैयार किया गया था और इसके बदले में चुनावी फंडिंग के लिए पिछले दरवाजे से मोटी रिश्वत ली गई थी। एजेंसी ने दावा किया था कि इस पूरी प्रक्रिया में सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचा और लाइसेंसधारियों को फायदा हुआ|। हालांकि, २७ फरवरी को स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने अपने १,१०० से अधिक पन्नों के ऐतिहासिक फैसले में इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि सीबीआई द्वारा पेश किया गया मामला न्यायिक कसौटी पर रत्ती भर भी नहीं टिक सका। ट्रायल कोर्ट ने लगभग ३०० गवाहों के बयानों और विशाल दस्तावेजी रिकॉर्ड की गहन जांच के बाद निष्कर्ष निकाला कि आरोपियों के खिलाफ गंभीर संदेह पैदा करने वाली भी कोई सामग्री रिकॉर्ड पर नहीं आई है। अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि कानूनी रूप से स्वीकार्य सबूतों के अभाव में पूर्ण ट्रायल चलाना न्याय की विफलता और आपराधिक प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। कोर्ट ने सीबीआई की साजिश वाली थ्योरी को नकारते हुए कहा कि नीति का निर्माण निर्धारित प्रक्रिया और उचित विचार-विमर्श के बाद किया गया था। इतना ही नहीं, अदालत ने जांच को पूर्वनियोजित बताते हुए कुछ जांच अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच तक के आदेश दे दिए।

इस फैसले के बाद आम आदमी पार्टी के खेमे में भारी उत्साह देखा गया। अरविंद केजरीवाल ने इसे सच्चाई की जीत बताते हुए न्यायपालिका में अपना भरोसा जताया, वहीं मनीष सिसोदिया ने समर्थकों के बीच पहुंचकर इस फैसले का स्वागत किया। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। जहां सत्ता पक्ष इसे सत्यमेव जयते कह रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं का मानना है कि यह राहत अस्थायी हो सकती है। सांसद मनोज तिवारी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हाईकोर्ट में सीबीआई की अपील के बाद स्थिति बदल सकती है। अब सबकी निगाहें ९ मार्च को होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं, जहां यह तय होगा कि ट्रायल कोर्ट के इस फैसले को बरकरार रखा जाता है या मामले में नया मोड़ आता है।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की सूची से बिहार के सभी इंजीनियरिंग कॉलेज बाहर

एनबीए- की मान्यता नहीं मिलने से छात्रों का भविष्य संकट में

पटना (एजेंसी): अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (-एआईसीटीई) ने एनबीए से मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेजों की सूची जारी की है। देश भर के प्रमुख सरकारी और निजी संस्थान इस सूची में शामिल हैं, लेकिन बिहार में संचालित इंजीनियरिंग कॉलेजों को इस सूची से बाहर कर दिया गया है। दरअसल अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत एक शीर्ष वैधानिक निकाय है, जो देश में तकनीकी और प्रबंधन शिक्षा की गुणवत्ता योजना और विकास को विनियमित करता है। देश के कई बड़े संस्थान -एआईसीटीई की सूची में शामिल हैं। इस सूची में शामिल कॉलेजों के छात्रों को विदेशों में पढ़ाई करने और नौकरी में लाभ मिलता है। इस सूची में आईआईटी, एनआईटी, आईआईआईटी, बीआइटीएस पिलानी, वीआइटी, एसआरएम और अन्य प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त निजी तथा सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज शामिल हैं।

पटना विश्वविद्यालय और नालंदा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके प्रसिद्ध शिक्षाविद्ध डॉ. प्रो. आरबी सिंह कहते हैं कि बिहार के इंजीनियरिंग कॉलेजों को एनबीए द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं होना, यह दर्शाता है कि वैश्विक मानकों पर राज्य के तकनीकी संस्थान बहुत पीछे हैं, जबकि पड़ोसी राज्य झारखंड और उत्तर प्रदेश के कई इंजीनियरिंग कॉलेज इस सूची में शामिल हैं। यह सूची विद्यार्थियों को मास्टर्स डिग्री के लिए बेहतर इंजीनियरिंग कॉलेज चुनने में मदद करती है। क्योंकि एनबीए मान्यताप्राप्त उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी देता है। ऐसे में एनबीए से मान्यता प्राप्त नहीं होने से बिहार के इंजीनियरिंग कॉलेजों के जो छात्र उच्च तकनीकी शिक्षा पाने के लिए विदेश के किसी संस्थान में नामांकन लेना चाहेंगे तो उन्हें दाखिला नहीं मिल सकेगा।

विज्ञान, प्रावैधिकी और तकनीकी शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि -एआईसीटीई ने एनबीए- से मान्यता प्राप्त जिन इंजीनियरिंग कॉलेजों की नवीनतम सूची जारी की है, उसमें देश भर के शीर्ष सरकारी और निजी संस्थान शामिल हैं, जो वैश्विक मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं।

आने वाले समय में एनबीए- की मान्यता प्राप्त सूची में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों को भी शामिल कराने की पहल की जाएगी। इससे पहले राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में उन्नत पाठ्यक्रम और योग्य शिक्षकों और आधुनिक बुनियादी ढांचा सुनिश्चित किया जाएगा।

अखिलेश यादव ने आई-पैक के साथ डील की फाइनल

बंगाल चुनाव के बाद यूपी में ग्राउंड पर उतरेगी टीम

नई दिल्ली (ईएमएस): उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक साल बाकी है। समाजवादी पार्टी ने चुनावी तैयारियों की शुरुआत कर दी है। लोकसभा चुनाव २०२४ में यूपी में बढ़त के बाद सपा उत्साहित है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने २०२७ के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपने कैंपेन को संभालने के लिए पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक को हायर किया है।

दोनों कैंप के सूत्रों ने कन्फर्म किया कि यह डील इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में फाइनल हुई थी। आई-पैक को जन सुराज लीडर प्रशांत किशोर ने को-फाउंड किया था। आई-पैक पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आने वाले चुनावों के बाद सपा के लिए काम शुरू करेगी।

बंगाल के बाद शुरू होगा काम

आई-पैक के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि हमारा ज़्यादातर वर्कफोर्स अभी पश्चिम बंगाल में असेंबली इलेक्शन के लिए इकट्ठा है। हालांकि शुरुआती मीटिंग्स हो चुकी हैं, लेकिन ज़्यादातर काम उत्तर प्रदेश में बंगाल इलेक्शन के बाद ही शुरू होगा। हमारे एक डायरेक्टर विनेश चंदेल वहां टीम को हेड करेंगे।

बिहार में आर्केस्ट्रा अड्डों पर बड़ा एक्शन, 18 नाबालिग समेत 27 लड़कियां मुक्त कराई गईं

पटना (एजेंसी): बिहार में आर्केस्ट्रा अड्डों पर चल रहे अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने राज्यव्यापी अभियान चलाते हुए १८ नाबालिग समेत कुल २७ लड़कियों को मुक्त कराया है। ये लड़कियां उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, नागालैंड और झारखंड सहित कई राज्यों से लाई गई थीं।

बिहार के सारण जिले में शनिवार को पुलिस और रेस्क्यू टीम ने संयुक्त छापेमारी कर नौ लड़कियों को मुक्त कराया, जिनमें चार नाबालिग थीं। कार्रवाई वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निर्देश पर महिला थाना की टीम ने मकेर, इसुआपुर, मशरक और अमनौर थाना क्षेत्रों में की। मौके से दो आर्केस्ट्रा कर्मियों को गिरफ्तार किया गया।

इसी तरह पूर्वी चंपारण के कोटवा और संग्रामपुर थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर नौ नाबालिग समेत १३ लड़कियों को मुक्त कराया गया। इस कार्रवाई में चार संचालकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट और मिशन मुक्ति फाउंडेशन की टीम के साथ मिलकर अभियान चलाया।

वहीं सिवान जिले में विशेष अभियान के तहत जीबी नगर थाना क्षेत्र में संचालित आर्केस्ट्रा स्थलों पर दबिश देकर पांच नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया गया। ये लड़कियां पश्चिम बंगाल, बिहार और नागालैंड की बताई जा रही हैं।

मुक्त कराई गई सभी लड़कियों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और उन्हें अस्थायी रूप से बालिका गृह भेजा गया है।

पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मानव तस्करी और नाबालिगों के शोषण के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मुजफ्फरपुर में किसान के घर से लाखों की संपत्ति उड़ा ले गए चोर, दहशत फैलाने के लिए की हवाई फायरिंग

पटना (एजेंसी): बिहार स्थित मुजफ्फरपुर जिले के बंगरी गांव में कुछ नकाबपोश बदमाशों ने किसान संजय शुक्ल के घर से शनिवार रात चोरी कर लाखों की संपत्ति उड़ा ले गए। बंगरी गांव बरूराज थाना क्षेत्र में आता है। अपराधियों ने घर में घुसकर पहले परिवार के सभी सदस्य को बंधक बनाया फिर लाखों रुपये की संपत्ति लूट ली। दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग भी किया गया।

इसके बाद लूटे गए सामान के साथ हथियार लहराते फरार हो गए। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और छानबीन की शुरू की। सूत्रों के मुताबिक, घर का मुख्य दरवाजा खुला था। अपराधियों ने घर में घुसते ही परिवार के सभी सदस्यों को बंदूक और चाकू के बल पर बंधक बनाते हुए एक कमरे में बंद कर दिया और फिर घर के अन्य कमरों में घुसकर पेटी, बक्सा के अलावा आलमारी का ताला तोड़कर लाखों रुपये मूल्य की संपत्ति लूट कर फरार हो गए।

गोकुल में छड़ीमार होली: गोपियों ने पुलिस ही नहीं विदेशी सैलानियों पर भी बरसाईं छड़ियां

दुल्हन की तरह सजी महिलाएं, श्रीकृष्ण-बलराम के बाल रूप पर खेला रंग

मथुरा (ईएमएस): ब्रज के गोकुल में रविवार को छड़ीमार होली की धूम रही, जिसमें महिलाएं दुल्हन की तरह सज-संवरकर भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के बाल स्वरूप पर रंग और छड़ियों की वर्षा करती दिखाई दीं। इस बार गोपियों ने न केवल स्थानीय लोगों बल्कि बड़ी संख्या में आए विदेशी सैलानियों और पुलिसकर्मियों को भी दनादन छड़ियों की झड़ी से नवाज़ा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बलदेव विधानसभा के बीजेपी विधायक पूरन प्रकाश ने इस मौके पर राधा-कृष्ण बने कलाकारों के साथ मंच पर डांस कर कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पहले दोपहर १२:३० बजे नंदभवन से भगवान श्रीकृष्ण का डोला निकला, जिसमें कन्हैया और बलराम के बाल रूप सवार थे। लोग डोले के आगे-पीछे रंग-गुलाल उड़ाते हुए मस्ती में चलते दिखाई दिए। रास्ते में यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया, फूल, रंग और अबीर से डोले को सजाया गया। चौराहों पर बड़े स्टेज तैयार किए गए, जिन पर महिलाएं सज-धजकर डांस करती रहीं। गलियों में होली के गीत और 'जय राधे, जय कृष्णा' के भजन गूंजते रहे।

छड़ीमार होली की परंपरा

गोकुल में छड़ीमार होली का प्रचलन सदियों पुराना है। ऐसा माना जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने यहीं बाल लीलाएं की थीं।

इस खेल में उपयोग की जाने वाली छड़ियों पर गोटेदार कपड़ा लपेटा जाता है, जिससे चोट नहीं लगती।

बरसाना और नंदगांव की लट्ठमार होली की तरह गोकुल की इस परंपरा में भी महिलाएं प्रमुख भूमिका निभाती हैं। इस बार की होली में नंदगांव और बरसाना के आयोजनों की याद भी ताजा हो गई थी, जहां राधारानी की सखियों और श्रीकृष्ण के सखाओं के बीच रंगीन छड़ीमार का खेल हुआ।

गोकुल में छड़ीमार होली देखने आए लोगों ने इसे अत्यंत रोचक और जीवंत उत्सव बताया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली, लेकिन उत्सव की अद्भुत झलक ने इसे और भी यादगार बना दिया।

युद्ध समस्या का समाधान नहीं, ईरान-इजराइल युद्ध रोकने में पीएम मोदी करें मध्यस्थता

धर्मगुरु मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी ने प्रधानमंत्री से किया आग्रह

लखनऊ (ईएमएस): अखिल भारतीय मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने शनिवार को पीएम मोदी से आग्रह किया कि वे अमेरिका, इज़राइल और ईरान के साथ भारत के अच्छे संबंधों का लाभ उठाते हुए तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए मध्यस्थता करें। मौलाना रज़वी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि युद्ध समाधान नहीं है और उन्होंने संघर्षों के समाधान के लिए संवाद का समर्थन किया। उन्होंने ईरान के रुख की तारीफ करते हुए कहा कि इससे अमेरिका का गौरव और इज़राइल का अहंकार चूर-चूर हो गया है।

रजवी ने कहा कि यह युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। समस्या का समाधान केवल संवाद के जरिए ही होना चाहिए...झुकने से इनकार करके ईरान ने अमेरिका का गौरव और इजराइल का अहंकार चकनाचूर कर दिया है।

एक गरीब देश द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई से अमेरिका क्रोधित है और इज़राइल दहशत में है, जिसके कारण वे ईरान में तख्तापलट चाहते हैं, लेकिन यह संभव नहीं है। भारत के युद्ध में शामिल देशों के साथ संतुलित संबंधों को देखते हुए, रज़वी ने पीएम मोदी से मध्यस्थता करने का आह्वान किया।

यह बयान ईरान और इज़राइल के बीच मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच आया है, जिससे व्यापक संघर्ष की संभावना को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

इस बीच ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन पर ४० दिनों का राष्ट्रीय शोक मनाया जा रहा है, जिसके चलते देश भर में व्यापक शोक और विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सर्वोच्च नेता के कार्यालय ने राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है, जिसके तहत झंडे आधे झुके हुए हैं और श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सार्वजनिक सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। खामेनेई, जिन्होंने क्रांति के संस्थापक रुहोल्लाह खुमैनी का स्थान लिया, १९८९ से पश्चिमी प्रभाव के खिलाफ अटूट प्रतिरोध के साथ ईरान का नेतृत्व कर रहे थे।

ईरान पर हमला: अपनों की सलामती के लिए रातभर दुआ मांगते रहे बाराबंकी के लोग

बाराबंकी (ईएमएस): ईरान पर इजरायल और अमेरिका की ओर से किए गए हालिया हमलों ने उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में हड़कंप मचा दिया है। इस सैन्य कार्रवाई के बाद जिले के कई परिवार गहरी चिंता में डूबे हुए हैं, क्योंकि उनके परिजन शिक्षा और धार्मिक अध्ययन के लिए वर्तमान में ईरान के विभिन्न शहरों में मौजूद हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाराबंकी के करीब एक दर्जन छात्र और इस्लामिक स्कॉलर इस समय ईरान के पवित्र शहर कुम में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं। हमले की खबर मिलते ही परिजनों ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कुछ लोगों से बातचीत न हो पाने के कारण बेचैनी का माहौल बना हुआ है।

ईरान में मौजूद लोगों में मौलाना जफर अब्बास उर्फ फैजी, आबिद हुसैन काज़मी, अली मेहदी रिज़वी, सैयद काशिफ रिज़वी, फातिमा रबाब, मोहम्मद रज़ा, मोहम्मद काज़िम, मौलाना फैज़ बाकरी और कटरा निवासी मौलाना अली मेहदी जैसे नाम शामिल हैं। मौलाना जफर फैजी के भाई मौलाना अब्बास मेंहदी ने बताया कि हमले के शुरुआती समय में उनकी भाई से संक्षिप्त बात हुई थी। उनके अनुसार, हमला कुम शहर के सीमावर्ती क्षेत्र में हुआ था। हालांकि, उन्होंने यह भी सांत्वना दी कि फिलहाल वहां हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं और आम जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है।

दूसरी ओर, अधिवक्ता दिलकश रिजवी ने अपनी परेशानी साझा करते हुए कहा कि शुरुआती संपर्क के बाद दोबारा बातचीत नहीं हो सकी है, जिससे परिवार के सदस्य बेहद डरे हुए हैं। सुरक्षित संचार न हो पाने के कारण जिले की विभिन्न मस्जिदों में लोग एकत्र होकर अपनों की सलामती के लिए विशेष दुआएं मांग रहे हैं।

अमेरिका से नहीं हुई ट्रेड डील, राहुल साबित कर दें तो राजनीति छोड़ दूंगा: गिरिराज सिंह

भिवानी,(ईएमएस): केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अभी अमेरिका से कोई ट्रेड डील नहीं हुई है। राहुल ये साबित कर दें तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। भिवानी में आयोजित ग्लोबल टेक टेक्सटाइल्स सम्मेलन में बतौर उन्होंने कहा कि दुनिया में टेक्सटाइल्स का एक्सपोर्ट आज ८०० बिलियन डॉलर का है जो आने वाले दिनों में और बढ़ेगा। टेक्सटाइल को उन्नत बनाने के लिए १.५ हजार करोड़ रुपए दिए जाने पर पीएम मोदी का उन्होंने आभार माना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने कहा कि आने वाले दिनों में फाइबर से नई तकनीक का सरिया बनेगा, जो सस्ता, हल्का व मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि अभी तक भारत-अमेरिका के बीच कोई ट्रेड डील नहीं हुई है। किसानों की पीठ में छुरा अब नहीं, तब घुपा था जब कांग्रेस ने डब्ल्यूटीओ में किसानों को गिरवी रखा था।

प्लेन रनवे के पाथ को छोड़ चुका था, 50 मीटर लेफ्ट साइड में गिरा

बारामती विमान हादसे में 22 पेज की रिपोर्ट में हुए चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली (ईएमएस): महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार प्लेन क्रैश मामले में जांच एजेंसी एएआईबी ने शनिवार को अपनी शुरूआती रिपोर्ट दी। २२ पेज की इस रिपोर्ट में अभी हादसे के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन इसमें कुछ अहम मुद्दों पर सवाल उठाए गए हैं। एएआईबी का कहना है कि अभी अंतिम रिपोर्ट आने में वक्त लगेगा। यह वक्त कितना लगेगा, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि प्लेन रनवे नंबर-११ के ५० मीटर लेफ्ट साइड में गिरा। प्लेन रनवे के पाथ को छोड़ चुका था। इसकी जांच की जा रही है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ होगा। दूसरे बारामती एयरपोर्ट के पास अपना मेड डिपार्टमेंट भी नहीं है। इसके अलावा रनवे-११ की तरफ तो हवा की चाल बताने वाला सिस्टम भी नहीं लगा है। जो रनवे-२९ की तरफ लगा है। एक्सपर्ट का कहना है कि हो सकता है कि वायरलट विडियो में जैसे प्लेन ९० डिग्री पर घूमता दिखाई दे रहा है। उससे पायलट प्लेन से अपना संतुलन खो बैठा हो और यह क्रैश हो गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीएसआर वेंचर्स कंपनी के इस लीयरजेट ४५ एयरक्राफ्ट के वीआईपी को लेकर लैंड करने के वक्त बारामती रनवे पर तीन हजार मीटर की विजिबिलिटी बताई गई थी, लेकिन असल में इस प्लेन को लैंड करने के लिए विजिबिलिटी की जरूरत पांच हजार मीटर थी। इसमें भी जो तीन हजार मीटर विजिबिलिटी बताई गई थी। वह भी पुणे मौसम विभाग की जांच में कम आई है, जिसमें पता लगा है कि असल में उस वक्त विजिबिलिटी दो हजार से २५०० मीटर थी। ऐसे में जानकारों का कहना है कि जब विजिबिलिटी कम थी तो वीआईपी समेत पांच लोगों के साथ लैंड कर रहे इस प्लेन को लैंड करने की इजाजत क्यों दी गई। रिपोर्ट में बारामती रनवे की खराब हालत को भी हाई लाइट किया गया है, जिसे सबसे पहले एनबीटी ने २९ जनवरी को खबर छापकर रनवे की सफेद पट्टियों के मिट जाने और रनवे की बजरी उखड़ जाने के बारे में बताया था।

इससे खराब मौसम में पायलट को आसमान से रनवे देखने में परेशानी हो सकती थी। अब एएआईबी की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि इस रनवे की अंतिम बार री-कारपेटिंग मार्च २०१६ में हुई थी। ऐसे में सूत्रों का कहना है कि यानी १० साल से इस रनवे पर कोई काम नहीं किया गया, लेकिन इसके बावजूद इस रनवे पर लोगों की जान को जोखिम में डालकर लगातार वीआईपी मूवमेंट होते रहे।

प्रेस तथा पुस्तक पंजियन अधिनियम की धारा 19डी के अधीन प्रकाशित 'बिहार ऑबजर्वर' धनबाद समाचार पत्र के स्वामित्व संबंधित अन्य विवरण
फार्म-4, रूल नं.-8
1. प्रकाशन का नाम : बिहार ऑबजर्वर, प्रकाशन का स्थान : धनबाद, 2. प्रकाशन की आवर्तता : दैनिक, 3. मुद्रक का नाम : राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, वास्ते डी.बी.पब्लिकेशंस प्रा.लि., पता : जोड़ाफाटक रोड, धनबाद, क्या भारत के नागरिक हैं : हाँ, 4. प्रकाशक का नाम : अंजना अग्रवाल वास्ते डी.बी.पब्लिकेशंस प्रा.लि., पता: जोड़ाफाटक रोड, धनबाद, क्या भारत के नागरिक हैं : हाँ, 5. सम्पादक का नाम : गणेश मिश्रा, पता: बिहार ऑबजर्वर, धनबाद, क्या भारत के नागरिक हैं : हाँ, 6. साझेदार का नाम: डी.बी.पब्लिकेशंस प्रा.लि.।
मैं राजेन्द्र कुमार अग्रवाल एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी जानकारी एवं विश्वास के साथ उपरोक्त विवरण सही है।
हस्ताक्षर
दिनांक 01.03.2026 राजेन्द्र कुमार अग्रवाल

सेमीकॉन 2.0 से भारत बनेगा ग्लोबल चिप पावर : अश्विनी वैष्णव

सानंद में माइक्रोन प्लांट का उद्घाटन, अब 'सेमीकॉन 2.0' से डिजाइन, मशीनरी और टैलेंट में वैश्विक नेतृत्व का लक्ष्य

गांधीनगर (ईएमएस): केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में कल का दिन ऐतिहासिक रहा। गुजरात के साणंद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा माइक्रोन टेक्नोलोजी के पहले प्लांट का उद्घाटन भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर मानचित्र पर विशेष स्थान दिलाने वाला कदम है। इस उपलब्धि के बाद सरकार अब 'सेमीकॉन २.०' लॉन्च करने जा रही है। इसका उद्देश्य भारत को केवल चिप निर्माण तक सीमित न रखकर डिजाइन, मशीनरी, मटेरियल और टैलेंट का वैश्विक केंद्र बनाना है।

मंत्री ने कहा कि भारत ने पहले भी सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनने का सपना देखा था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्पष्ट नीति और प्रभावी क्रियान्वयन से यह सपना साकार हुआ है। वर्ष २०२१ में पहली प्रस्तुति के दौरान प्रधानमंत्री ने निर्धारित ४५ मिनट के बजाय तीन घंटे तक विस्तार से चर्चा की, जो उनकी प्रतिबद्धता दर्शाती है।

'लर्न टू वॉक बिफोर यू रन' के सिद्धांत पर सेमीकॉन १.० की सफलता के बाद अब सेमीकॉन २.० के तहत डिजाइन इकोसिस्टम को मजबूत किया जाएगा, ताकि भविष्य में देश में ही क्वालकॉम, ब्रॉडकॉम और एनवीडिया जैसी कंपनियां विकसित हों। इसके लिए डीप-टेक स्टार्टअप्स को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। भारत केवल चिप निर्माण ही नहीं, बल्कि चिप बनाने वाली मशीनरी, सामग्री और टेस्टिंग इकोसिस्टम भी विकसित करेगा। जापान के मॉडल से प्रेरणा लेकर अगले २० वर्षों की दृष्टि के साथ मजबूत आधार तैयार किया जा रहा है।

वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर उद्योग में लगभग २० लाख विशेषज्ञों की कमी होने का अनुमान है, जिसे भारत पूरा करने की दिशा में अग्रसर है। १० वर्षों में ८५ हजार इंजीनियर तैयार करने का लक्ष्य केवल चार वर्षों में हासिल कर लिया गया है। वर्तमान में देश की ३५ विश्वविद्यालयों में छात्र वास्तविक चिप डिजाइन कर रहे हैं। अब इस नेटवर्क को ३१५ से बढ़ाकर ५०० विश्वविद्यालयों तक विस्तारित किया जाएगा, जिससे हर राज्य के युवाओं को हाई-टेक क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिल सकें।

इन्फ्रास्ट्रक्चर में २५० बिलियन डॉलर और डीप-टेक वेंचर कैपिटल फंडिंग में १७ बिलियन डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है। वर्ष २०४७ तक टैक्स इंसेंटिव्स की गारंटी देकर नीति स्थिरता सुनिश्चित की गई है। आईटी उद्योग अब सॉफ्टवेयर सेवाओं से आगे बढ़कर एआई-आधारित सेवाओं में वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर है। बजट में २०४७ तक प्रोत्साहन की घोषणा से डेटा सेंटर क्षेत्र को भी मजबूती मिलेगी। गुजरात में अतिरिक्त बिजली और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध होने से राज्य में डेटा सेंटर स्थापित करने की व्यापक संभावनाएं हैं।

मंत्री ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने पिछले १० वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। यह क्षेत्र २ लाख करोड़ रुपये से बढ़कर १२ लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वर्तमान में इस उद्योग में २५ लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है और यह २० प्रतिशत से अधिक की वार्षिक चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) से लगातार बढ़ रहा है।

15वें वित्त आयोग के तहत झारखंड को 412.68 करोड़ की पहली किस्त जारी

रांची (एजेंसी): वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के व्यय विभाग ने १५वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप झारखंड के ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए ४१२.६८ करोड़ रुपये की राशि जारी की है। यह अनुदान वित्तीय वर्ष २०२४-२५ की पहली किस्त के रूप में प्रदान किया गया है। जारी की गई राशि राज्य के २५३ प्रखंडों की ४,३४२ ग्राम पंचायतों में खर्च की जाएगी। केंद्र सरकार ने यह फंड 'टाइड ग्रांट' के रूप में दिया है, जिसका अर्थ है कि इस राशि का उपयोग केवल निर्धारित बुनियादी सेवाओं के लिए ही किया जा सकेगा।

इस अनुदान का उपयोग ग्रामीण निकाय खुले में शौच मुक्त स्थिति को बनाए रखने, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, घरेलू कचरा निपटान व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा मानव-मल की सुरक्षित सफाई प्रणाली विकसित करने में कर सकेंगे। इसके अलावा पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) जैसी योजनाओं पर भी यह राशि खर्च की जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले ही केंद्र सरकार ने ग्रामीण निकायों के लिए करीब २७५ करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि जारी की थी।

जामताड़ा में जेटीईटी परीक्षा पर अभ्यर्थियों का उबाल, राज्यव्यापी आंदोलन की तैयारी

रांची (एजेंसी): करीब नौ वर्षों से लंबित झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटीईटी) के आयोजन को लेकर प्रशिक्षित अभ्यर्थियों का गुस्सा खुलकर सामने आ रहा है। इसी कड़ी में रविवार को जामताड़ा के गांधी मैदान में जिला प्रशिक्षित शिक्षक संघ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजीव मंडल ने की, जिसमें जिला इकाई के सदस्य उपस्थित थे और आगामी आंदोलन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का मुख्य मुद्दा वर्षों से टली हुई गढ्एढ परीक्षा का शीघ्र आयोजन सुनिश्चित कराना था। वक्ताओं ने कहा कि परीक्षा का लगातार टलना राज्य के लाखों बीएड और डीएलएड प्रशिक्षित अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ गंभीर अन्याय है।

छठियार कराम में शामिल हुए मंत्री इरफान अंसारी, आदिवासी संस्कृति के संग थिरके कदम

जामताड़ा (एजेंसी): डॉ. इरफान अंसारी ने जामताड़ा जिले के सहरडाल पर्वतपाड़ा में आयोजित छठियार कराम कार्यक्रम में शामिल होकर आदिवासी समाज के बीच मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में आसपास के गांवों और पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। मंत्री के आगमन पर पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार उनका स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों और लोकगीतों के बीच वे ग्रामीणों के साथ पदयात्रा करते हुए तालाब तक पहुंचे और फिर जुलूस के साथ गांव लौटे। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा।

अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि छठियार कराम आदिवासी समाज की सामूहिक परंपरा है, जिसमें पूरे गांव के बच्चों का संस्कार एक साथ होता है और दूर-दराज के कुटुंबों को आमंत्रित किया जाता है। उन्होंने इसे सामाजिक एकता और पारिवारिक जुड़ाव का प्रतीक बताया।

मंत्री ने कहा कि वे लगातार तीसरी बार जामताड़ा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और इसमें आदिवासी समाज का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाज के मान-सम्मान और अधिकारों की लड़ाई आगे भी मजबूती से जारी रहेगी। कार्यक्रम में राजनीतिक सलाहकार निशपती हसदा, सिद्धू-कान्हू संगठन के सचिव कुद्दस अंसारी, जयराम हसदा, ग्राम मांझी हरन सुबोध हेंब्रम, योग मांझी शिवलाल टुडू, वार्ड पार्षद सुबोध हेंब्रम, कालिदासी मुर्मू, सनातन सोरेन और रामलाल किस्कू सहित कई स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन पारंपरिक उत्साह, सामाजिक सौहार्द और सामूहिक एकता के संदेश के साथ हुआ।

बच्चा चोर के संदेह में व्यक्ति की बेरहमी से पिटाई

जामताड़ा (एजेंसी): जामताड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालपुर पंचायत से मॉब लिंचिंग की कोशिश का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। रविवार देर रात करीब ९:०० बजे, दूध कैबरा आम बगान के पास एक अज्ञात व्यक्ति को ग्रामीणों ने बच्चा चोर होने के संदेह में जमकर पीट दिया।

जानकारी के अनुसार, उक्त व्यक्ति काफी देर से आम बगान के आसपास संदिग्ध अवस्था में घूम रहा था। स्थानीय ग्रामीणों की नजर जब उस पर पड़ी, तो उन्होंने उसे पूछताछ के लिए पास बुलाया। ग्रामीणों को देखते ही वह व्यक्ति डर के मारे वहां से भागने लगा। उसके भागते ही ग्रामीणों का शक यकीन में बदल गया और शोर मचाते हुए लोगों ने उसे घेर लिया।

पुलिस की कार्रवाई- आक्रोशित भीड़ ने व्यक्ति को 'बच्चा चोर' समझकर उसकी बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि, मौके पर मौजूद कुछ समझदार ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ और व्यक्ति को भीड़ के चंगुल से बचाया गया।

सूचना मिलते ही जामताड़ा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को अपनी कस्टडी में ले लिया। पुलिस ने उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। अजीब कारण: बताया जा रहा है कि ग्रामीणों का शक तब और गहरा गया जब तलाशी के दौरान उस व्यक्ति के पास से एक रेलवे टिकट बरामद हुआ। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और व्यक्ति की पहचान जुटाने में लगी है।

रांची में हैंडबॉल प्रतियोगिता का ओम शंकर गुप्ता ने किया उद्घाटन, खिलाड़ियों में दिखा उत्साह और जोश

रांची (एजेंसी): रांची में आयोजित जिला हैंडबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ आज हटिया के पूर्व विधायक प्रत्याशी ओम शंकर गुप्ता ने किया। उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों में उत्साह और जोश देखने लायक था। प्रतियोगिता का सफल संचालन सचिव विष्णु कुमार महतो द्वारा किया जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें लड़कों और लड़कियों दोनों की टीमें शामिल हैं। उद्घाटन समारोह में ओम शंकर गुप्ता ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन में अनुशासन, एकता और आत्मविश्वास का संचार करते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता के पहले दिन से ही रोमांचक मुकाबलों की शुरुआत हो गई, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे। आयोजकों ने उम्मीद जताई कि यह प्रतियोगिता जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करेगी।

नशीला पदार्थ खिलाकर बीआईटी मेसरा की छात्रा के साथ दुष्कर्म

रांची (एजेंसी):राजधानी रांची में एक छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता बोकारो जिला की रहने वाली है और रांची में रहकर बीआईटी मेसरा में पढ़ाई करती है। पीड़िता ने अपने ही एक दोस्त पर नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। इस मामले में सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। दरअसल, यह खुलासा तब हुआ जब पीड़िता को होश आया। होश आने पर उसने खुद को रिम्स के पास पाया। फिर उसने अपने घरवालों को फोन किया और पूरी घटना के बारे में बताया। वहीं, इसकी सूचना घरवालों के साथ जाकर उसने सदर थाना में आरोपी के खिलाफ बयान दर्ज करवाया। बयान देते समय पीड़िता ने बताया कि २५ फरवरी की रात उसके दोस्त ने उसे अपने रूम बुलाया था। वहां उसने खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर खिलाया। आगे पीड़िता ने कहा कि युवक उसका मोबाइल फोन भी अपने पास रख लिया था ताकि वह किसी से संपर्क न कर सके।

रांची में सेक्स रैकेट पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कई थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी

रांची (एजेंसी): राजधानी रांची में अवैध सेक्स रैकेट के खिलाफ पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कई थाना क्षेत्रों में एक साथ ताबड़तोड़ छापेमारी की। यह अभियान रांची पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर चलाया गया। जानकारी के मुताबिक, शहर के अलग-अलग इलाकों में किराये के मकानों, होटलों और लॉजों में अवैध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इसके बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित कर एक साथ कई स्थानों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान कई युवक-युवतियों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मौके से आपत्तिजनक सामान, मोबाइल फोन और कुछ दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रही है, ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर में अवैध गतिविधियों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गिरिडीह में रिवाल्वर की नोंक पर अपराधियों ने लूटे 3.5 लाख नगदी समेत 4 लाख के आभूषण

गिरिडीह (एजेंसी): गिरिडीह स्थित बिरनी प्रखंड के भरकट्टा ओपी क्षेत्र में एक सोनार व्यवसायी से शनिवार लगभग आठ बजे कुछ अज्ञात अपराधियों ने रिवाल्वर की नोंक पर साढ़े तीन लाख नगदी समेत चार लाख के सोने-चांदी का आभूषण लूट कर फरार हो गए। पीड़ित का नाम शिवशंकर है। उसके बाद पीड़ित ने किसी तरह भरकट्टा ओपी पहुंचकर ओपी प्रभारी को घटना की जानकारी दी।

पृष्ठ एक का शेषांश

एलओसी पार से घुसा---

द्वारा किसी भी प्रकार के हथियार या नशीले पदार्थों की एयरड्रॉपिंग न की गई हो। २७ फरवरी को भी सैनिकों ने इसी इलाके में एक पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलीबारी की थी।

जम्मू-कश्मीर में भूकंप---

डोडा, एक दूर का ज़िला है जहाँ हरे-भरे जंगल और बर्फ से ढकी चोटियाँ हैं, यहां पहले भी ऐसे भूकंप आए हैं, जहाँ अवेयरनेस ड्रिल के ज़रिए लोगों को मज़बूत बनाया गया है। जब राहत टीमों ने इलाके को स्कैन किया, तो यह घटना इस इलाके की भूकंपीय कमज़ोरी की एक साफ़ याद दिलाती है, जिससे पहले से चेतावनी देने वाले सिस्टम को अपग्रेड करने की मांग उठी।

भारत ने खाड़ी देशों के---

घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई। उसने कहा कि हम सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव बढ़ने से बचने और आम लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह करते हैं और सॉवरेनिटी और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने के लिए बातचीत की वकालत की। खाड़ी में १८ मिलियन भारतीयों के अरबों डॉलर घर भेजने के साथ नई दिल्ली आर्थिक संबंधों, एनर्जी सिक्योरिटी और नॉन-अलाइमेंट के बीच संतुलन बना रही है और खुद को सुपरपावर झगड़ों और ग्लोबल मार्केट को खतरा पहुंचाने वाले प्रॉक्सी वॉर के बीच स्थिरता की आवाज़ के रूप में पेश कर रही है।

दुबई में फंसे पूर्व---

गया है। पूरा शहर ठप हो चुका है और वहां से निकलना बहुत मुश्किल हो गया है। वे अपने परिवार और दोस्तों के साथ एक शादी में शामिल होने दुबई गए थे। जंग की वजह से अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाएं बंद कर दी गई हैं। शारजाह से इंदौर आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट को भी अचानक रद्द कर दिया गया, जिससे सैकड़ों यात्री एयरपोर्ट पर ही अटक गए हैं। जानकारी के अनुसार संजय शुक्ला के साथ पूर्व विधायक विशाल पटेल, प्रवीण कक्कड़, मनीष सहारा, संजय अग्रवाल, पिंटू छाबड़ा और गोलू पाटनी जैसे इंदौर के कई जाने-माने नाम भी वहां मौजूद हैं और मदद का इंतजार कर रहे हैं।

पुरुष की तरह---

के उनके अधिकार का उल्लंघन करता है। कोर्ट ने कहा कि खुले सुधार संस्थानों में जाने से मना करने से महिला कैदियों को पुनर्वास के समान मौके से वंचित किया जाता है और इसे समानता, सम्मान और न्याय के बदलाव लाने वाले वादे के लिए प्रतिबद्ध संवैधानिक व्यवस्था में बनाए नहीं रखा जा सकता। इसलिए, इस संबंध में तुरंत और असरदार सुधार के उपाय जरूरी हैं।

डेढ़ करोड़ की ठगी---

पहचान की और फिर जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न राज्यों में एक साथ दबिश दी। गिरफ्तार आरोपियों का संबंध निवेश ठगी, एपीके फाइल ठगी, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए ठगी, क्रेडिट कार्ड जालसाजी सहित अन्य ठगी से है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से २५ मोबाइल फोन, २८ सिम कार्ड, २० बैंकिंग कार्ड, एक पीओएस मशीन, एक बाइक, कई बैंक दस्तावेज और खाता किट बरामद किए हैं।

यात्रियों में हाहाकार---

किए, जिसके जवाब में ईरान ने भी मिसाइलें दागकर जवाबी कार्रवाई की। सुरक्षा कारणों से ईरान, इराक, कुवैत, बहरीन, कतर, इजराइल, जॉर्डन, लेबनान, सऊदी अरब, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे महत्वपूर्ण देशों ने अपने आसमान को विमानों के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। फ्लाइट ट्रैकिंग सेवाओं के मुताबिक, इन क्षेत्रों में हवाई यातायात लगभग ठप हो गया है, जिससे दुबई, दोहा और अबू धाबी जैसे दुनिया के सबसे व्यस्त हब एयरपोर्ट्स पर सन्नाटा पसरा है। लाखों यात्री दुनिया भर के हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं और अपनी मंजिलों तक पहुंचने के लिए अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं।

भारत में विमानन नियामक संस्था डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविगेशन (डीजीसीए) ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत एक्शन लिया है। डीजीसीए ने भारतीय एयरलाइंस को सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए २ मार्च तक प्रभावित ११ देशों के हवाई क्षेत्र का उपयोग न करने की सलाह दी है। इस निर्देश के बाद इंडिगो, एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख कंपनियों ने खाड़ी देशों के लिए अपनी सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी हैं। यूरोप और उत्तरी अमेरिका जाने वाली उड़ानों पर भी इसका सीधा असर पड़ा है, क्योंकि सामान्य रूट बंद होने के कारण विमानों को लंबे और वैकल्पिक रास्तों से जाना पड़ रहा है। इससे न केवल उड़ान का समय बढ़ गया है, बल्कि ईंधन की खपत और परिचालन लागत में भी भारी इजाफा हुआ है। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय का पैसेंजर असिस्टेंस कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे सक्रिय है। हवाई अड्डों पर उमड़ रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात किया गया है और एयरसेवा पोर्टल के माध्यम से यात्रियों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। २८ फरवरी को दर्ज हुईं २१६ शिकायतों में से लगभग आधी का तत्काल समाधान कर यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था प्रदान की गई। एयरलाइंस ने प्रभावित यात्रियों को टिकट रीशेड्यूलिंग और रिफंड के विकल्प दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मध्य पूर्व में यह तनाव लंबा खिंचता है, तो भारत से खाड़ी देशों और पश्चिमी देशों के बीच हवाई यात्रा न केवल महंगी होगी, बल्कि आने वाले दिनों में उड़ानों का संकट और गहरा सकता है।

ममता ने राज्यसभा---

कबीर सिंह रखा है। इसके बाद साल २०२४ में कोयल नन्ही परी की मां बनीं। कोयल मल्लिक रियल लाइफ में काफी खूबसूरत और ग्लैमरस हैं। कोयल वर्क और पर्सनल लाइफ को काफी अच्छे से बैलेंस करती हैं।

रांची में विराट हिंदू सम्मेलन संपन्न, एकता, समरसता और राष्ट्रभाव का गूंजा संदेश

रांची (एजेंसी): राजधानी रांची के श्रीराम नगर, चुटिया स्थित श्री राम मंदिर परिसर में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन श्रद्धा, उत्साह और व्यापक जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन में शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एकता, समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रभाव को सुदृढ़ करना बताया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चुटिया स्थित्त राममंदिर के प्रांगन से कलश यात्रा निकली गयी जिसमे बड़ी संख्या में मातृ शक्ति ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस शोभा यात्रा में हनुमान गढ़ी के महंत और राम मंदिर के महंत जी को रथ पर बिठाकर कार्यक्रम स्थल तक गाजे बजे के साथ लाया गया, कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रारंभिक संबोधन में श्री राम मंदिर, चुटिया के महंत ने कहा कि सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह केवल संख्या नहीं, बल्कि जागृत और संगठित समाज की प्रतीक शक्ति है। उन्होंने वेद मंत्र संगच्छध्वं संवदध्वं का उल्लेख करते हुए कहा कि साथ चलना, साथ बोलना और एक लक्ष्य के लिए संगठित होना ही समाज की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सनातन समाज को संगठित करने की आवश्यकता पहले से अधिक है और ऐसे सम्मेलन समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। अयोध्या के हनुमान गढ़ी के महंत श्री राजू दास जी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के संदर्भ में आयोजित इस सम्मेलन के व्यापक उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले १०० वर्षों में संघ ने समाज को संगठित करने, राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करने का निरंतर प्रयास किया है। उन्होंने प्रश्न रखा कि देश सुरक्षित कैसे रहे, आने वाली पीढ़ियाँ अपनी पहचान और परंपरा से जुड़ी कैसे रहें और भारत पुनः किसी प्रकार की दासता का शिकार न हो इन सभी विषयों पर संघ ने निरंतर चिंतन और कार्य किया है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए हुए दीर्घकालिक संघर्ष और लाखों रामभक्तों के त्याग और बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल मंदिर निर्माण का विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक संघर्षों की स्मृति हमें संगठित रहने और अपनी आस्था और परंपराओं की रक्षा करने की प्रेरणा देती है। शताब्दी वर्ष के अवसर पर देश के लगभग एक लाख गांवों में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें करोड़ों लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

संघ के सह-सरकार्यवाह आलोक जी ने अपने विस्तृत संबोधन में संगठन की शक्ति और एकता के महत्व को महाभारत के प्रसंग के माध्यम से स्पष्ट किया। उन्होंने देवताओं और असुरों के युद्ध की कथा का उदाहरण देते हुए कहा कि बिखराव पराजय का कारण बनता है, जबकि एकता विजय का मार्ग प्रशस्त करती है। संगच्छध्वं संवदध्वं संवो मनांसि जानता मंत्र का अर्थ समझाते हुए उन्होंने कहा कि जब लोग साथ चलते और साथ बोलते हैं, तो उनके मन भी एक हो जाते हैं, और यही एकता किसी भी चुनौती का सामना करने की वास्तविक शक्ति है। हिंदू समाज अपनी विविधता और उदारता के लिए जाना जाता है। अलग-अलग उपासना पद्धतियाँ, देवी-देवताओं के प्रति अलग-अलग आस्थाएँ और विभिन्न परंपराएँ हमारी सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक हैं। किंतु समय-समय पर एक नाम और एक उद्देश्य के लिए संगठित होना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने सामाजिक समरसता पर बल देते हुए छुआछूत की भावना समाप्त करने का आह्वान किया। संत रविदास, मीराबाई और महर्षि वाल्मीकि जैसे महापुरुषों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में जन्म नहीं, बल्कि कर्म और भक्ति को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। पंच परिवर्तन की अवधारणा को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज में समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भावना और नागरिक कर्तव्य का पालन ये सभी परिवर्तन आवश्यक हैं। परिवार भारतीय समाज की मूल इकाई है और परिवार में संवाद, संस्कार और सामूहिकता की परंपरा को पुनर्जीवित करना समय की आवश्यकता है। भारत ने अनेक आक्रमणों और चुनौतियों के बावजूद अपनी सांस्कृतिक पहचान को इसलिए सुरक्षित रखा क्योंकि परिवारों ने अपने मूल्यों को जीवित रखा। पर्यावरण संरक्षण पर बोलते हुए उन्होंने रांची की बदलती पर्यावरणीय स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि जो शहर कभी स्वच्छ वातावरण के लिए प्रसिद्ध था, वहां आज वायु गुणवत्ता चिंताजनक स्तर पर पहुंच रही है। इसे संतुलित करने के लिए सामूहिक जागरूकता और प्रयास आवश्यक हैं। साथ ही उन्होंने संविधान के अनुरूप नागरिक कर्तव्यों के पालन, सामाजिक सद्भाव और सकारात्मक आचरण को समाज की प्रगति का आधार बताया।

इस विशाल सम्मेलन में संत समाज के प्रतिनिधियों, मातृ शक्ति, गायत्री परिवार, विश्व हिंदू परिषद, हिंदू जागरण मंच, मंदा पूजा समिति चुटिया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनेक कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की सक्रिय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में गिरधारीलाल महतो, विशाल जी, गोपाल शर्मा, मिथिलेश्वर मिश्र, अशोक प्रधान, राजीव बिट्टू, विजय कुमार, राजू शर्मा, शिवम केशरी, शंकर सिंह, रत्न केशरी, शैलेंद्र कुमार, अरुण कुमार, विक्रम शर्मा, महेंद्र जी और विभाग प्रचारक मंटू जी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत और सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें समाज की एकता, समरसता और राष्ट्रभक्ति को सुदृढ़ करने का आह्वान किया गया। सम्मेलन ने उपस्थित जनसमूह में संगठन, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक प्रगाढ़ करने का संदेश दिया।

होली में मस्ती करते बच्चों के साथ माता-पिता रखें इन खास बातों का ध्यान

होली पर बच्चों को कैमिकल वाले रंगों से दूर रखें, आंखों और त्वचा की सुरक्षा करें, बालों में तेल लगाएं, फिसलन से बचाएं और साफ-सफाई का ध्यान रखें ताकि होली सुरक्षित रहे.

होली रंगों का त्योहार है और बच्चों के लिए तो यह साल का सबसे मजेदार दिन होता है. लेकिन खेल-खेल में कई बार नजरअंदाज की गई छोटी-छोटी बातें दुर्घटना, स्किन रिएक्शन या चोट का कारण बन सकती हैं. इसलिए बच्चों को होली खेलने से पहले और खेलते समय कुछ सावधानियाँ जरूर बतानी और अपनानी चाहिए.

1. कैमिकल वाले रंगों से दूर रखे

बाजार में मिलने वाले कई रंगों में कैमिकल, ग्लास पाउडर या सिंथेटिक डाई होती है, जो बच्चों की त्वचा को नुकसान पहुंचाती है.

बच्चों को नेचुरल/ऑर्गेनिक रंग दें.

घर पर हल्दी, चावल का आटा, पालक या चुकंदर से बने रंग भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं.

2. आंखों की सुरक्षा बेहद जरूरी

बच्चों की आंखें बहुत संवेदनशील होती हैं.

उन्हें समझाएं कि चेहरे और आंखों पर रंग न फेंकें.

चाहें तो बच्चों को सनग्लासेस पहनाकर भेजें.

अगर रंग आंख में चला जाए, तो तुरंत साफ पानी से धोएं, रगड़ने न दें.

3. त्वचा को सुरक्षित बनाएं

रंग खेलने से पहले बच्चे के चेहरे, हाथ-पैर और गर्दन पर तेल, नारियल तेल या मॉइश्चराइजर अच्छे से लगा दें.

इससे रंग आसानी से नहीं चिपकता और बाद में हटाते समय त्वचा नही छिलती.

4. बालों की सुरक्षा

बच्चों के बालों में रंग चिपक जाता है और बाद में रूखापन पैदा करता है.

खेलने से पहले बालों में तेल अच्छे से लगा दें.

हो सके तो टोपी या कैप पहनाएं.

5. पानी की फिसलन से बचाएं

होली में पानी का इस्तेमाल आम है, लेकिन फर्श गीला होने से बच्चे फिसल सकते हैं.

उन्हे दौड़ने या छत पर खेलने से मना करें.

पिचकारी से खेलने दें लेकिन बहुत पास से पानी न मारें.

6. चेहरे पर जबरदस्ती रंग न लगाया जाए

कई बार बच्चे एक-दूसरे के चेहरे पर जोर से रंग लगाते हैं, जिससे जलन, खरोंच या डर लग सकता है.

बच्चों को सिखाएं कि होली जबरदस्ती नहीं, मन से खेले जाती है.

7. कान, नाक और मुंह में रंग न जाए

बच्चों को बार-बार याद दिलाएं कि नाक या मुंह में रंग न जाने दें

पिचकारी का पानी सीधे चेहरे पर न चलाएं

8. साफ-सफाई का ध्यान रखें

होली के बाद बच्चे को गुनगुने पानी से स्नान कराएं.

स्क्रबर से जोर न लगाएं, इससे त्वचा छिल सकती है.

फेसवॉश या माइल्ड साबुन से हल्का मसाज करें.

9. छोटे बच्चों की खास निगरानी करें

2-5 साल के बच्चे रंगों से डर सकते हैं, इसलिए उन्हें बड़े बच्चों से दूर रखें और माता-पिता उनकी निगरानी करें.

सही तैयारी + हल्के रंग + सुरक्षा नियम = बच्चों की सुरक्षित और आनंदमय होली.

थोड़ी सतर्कता रखने से बच्चे बिना किसी नुकसान के रंगों की इस खूबसूरत त्योहार का पूरा मजा ले सकते हैं.

होली में खूब रंग खेले मगर सेहत को ध्यान में रखकर

रंगों के त्योहार होली की बहार है। हर तरफ उल्लास का वातावरण है। बाजारें, रंगों, गुलाल एवं खाने-पीने की चीजों से सज गया है। होली में खूब रंग खेले, खूब गुलाल उड़ाएँ परन्तु बाजार में सजे केमिकल वाले रंगो से बचे क्योंकि यह रंग आपकी होली की बेरंग कर सकते है। इसीलिए कुछ सावधानियाँ अपनाकर होली मनाए जिससे होली का रंग बेरंग ना हो और होली की खुशियाँ बरकरार रहे।

होली में हर व्यक्ति एक-दूसरे को रंग लगाकर अपनी आत्मीयता का इज्हार करता है परन्तु उसे यह नहीं मालूम कि जो रंग वह लगा रहा है वह रसायनिक रंग है जिससे त्वचा को नुकसान पहुँच सकता है, श्वास एवं एल्जीं की बीमारी हो सकती है। बाजार में बिकने वाले हरे रंग में तांबा, काले रंग में नाइट्रेट ऑक्साइड, परपिल रंग क्रोमाइड, सिल्वर कलर में एल्युमिनियम ब्रोमाइड, लाल रंग मारकरी सल्फेट रसायनों से बनता है। यह सभी रसायनिक रंग त्वचा पर जलन खुजली, दाने, एलर्जी, श्वास की तकलीफ उत्पन्न कर सकते है जो आपकी होली को बदरंग कर सकते है इसलिए रंग खेलने में प्राकृतिक रंगों का प्रयोग ही करना चाहिए।

होली में गुलाल भी खूब उड़ाया जाता है। बाजार में मिल रहे गुलाल में अवरक का इस्तेमाल होता है। इसमें बालू तथा अन्य रसायन पड़ें रहते है। इससे दमा का प्रकोप हो सकता है। इससे त्वचा में जलन, खुजली की समस्या हो सकती है। त्वचा खुरदरी हो सकती है इसलिए हर्बल गुलाल का प्रयोग करना चाहिए रंग के स्थान पर पेंट, तारकोल, कीचड़ आदि का प्रयोग बिल्कुल न करे इससे त्वचा बदरंग हो सकती है। रंग खेलने से पहले शरीर पर तेल आवश्य लगा लो रंग खेलते समय इन बातों पर जरूर ध्यान देना चाहिए-

रंग छुड़ाने के लिए उपटन का प्रयोग करना चाहिए रंग छुड़ाने के लिए बार-बार साबुन न रगड़े।

यदि त्वचा खुजली के साथ पानी निकले तो साफ पानी से धुले।

यदि ऑख मं रंग पड़ जाये तो रगड़े नहीं बल्कि साफ पानी से धोए।

रंग खेलते समय शरीर पर टोपी जरूर लगाए। पूरे आस्तीन के कपड़े पहने।

गीले आस्तीन के कपड़े ज्यादा देर ना पहने।

इस प्रकार कुछ सावधानियॉ अपनाकर सुरक्षित होली मनायी जा सकती है। होली के पर्व पर बाजार रंग-बिरंगी मिठाइयों सें सज गया है। मिठाइयों, अन्य खाने की चीजों जैसे खोया, दूध पनीर में मिलावट का खतरा हो सकता है। इनमें रसायनिक तत्वों पेंट, यूरिया, निरमा, मिलावटी तेल, मिला रहता है जिससे पीलिया, पेट में जलन, संक्रमण, दस्त, उल्टी, गैस, दर्द आदि की गंभीर समस्याएं हो सकती है इसलिए खाने-पीने की चीजें जांच-परखकर ही खरीदे। बाजार की बजाय घर की बनी चीजों का प्रयोग करो ड्राई फ्रूट का ज्यादा इस्तेमाल करे इससे सुरक्षित होली मनाई जा सकती है।

होली में शराब का नशा बहुत आम है। लोग भांग पीकर होली मनाते है। इस उल्लास पूर्ण होली के पर्व को नशे का सेवन बेमजा कर सकता है। आइए इस उल्लासपूर्व रंगों के पर्व होली को सुरक्षित तरीके से मनाकर चार चांद लगाए।

होली के रंगों का अलग-अलग ग्रहों से है संबंध

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, होलाष्टक से लेकर होलिका दहन तक की अवधि को प्रतिकूल माना गया है। मान्यता है की इस दौरान सभी ग्रह उग्र स्थिति में रहते हैं। पंडित राकेश झा बताते हैं कि, रंगों का अलग-अलग ग्रहों से संबंध होता है। रत्न भी अलग-अलग रंग के होते हैं और ग्रहों के रंग के अनुसार अलग-अलग ग्रहों का प्रतिनिधित्व भी करते हैं। होली के दिन अलग-अलग रंगों का इस्तेमाल करने से ग्रहों की प्रतिकूलता और नकारात्मकता दूर होती है। साथ ही, इससे सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। ऐसी मान्यता है की ये रंग हमारे अंदर ऊर्जा और उत्साह भरते हैं। साथ ही, इससे आरोग्य की भी प्राप्ति होती है। रंगों का त्योहार होली चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। चैत्र वह महीना है जब सर्दी समाप्त हो रही होती है और गर्मी चढान पर होती है यानी यह ऋतुओं का संक्रमण काल भी होता है। प्राचीन मान्यता है कि, इस समय संक्रामक रोग भी विकसित होते हैं, और प्राकृतिक रंग रोगों से रक्षा करते हैं, इसलिए कई क्षेत्रों में इस समय पशुओं को भी रंग लगाया जाता है।

वैसे आज कल केमिकल वाले रंग भी खूब प्रयोग किए जाने लगे हैं तो इनसे लाभ की बजाय नुकसान भी हो कता है। इसलिए शास्त्रीय मत यह कहता है कि प्राकृतिक रंगों का ही प्रयोग करना चाहिए जो सकारात्मकता बढते हैं।

गुलाल के अलग-अलग रंगों का महत्व

हरा रंग- ज्योतिषशास्त्र में हरे रंग को बुध ग्रह से संबंधित माना गया है। यह रंग विकास, समृद्धि, संतुलन और शांति का प्रतीक है।

पीला रंग- यह रंग गुरु ग्रह से संबंधित होता है। पीला रंग ज्ञान, पवित्रता, ऊर्जा और खुशी का प्रतीक है। होली पर इस रंग का प्रयोग करने से जीवन में सकारात्मकता आ सकती है। दरअसल यह गुरु के शुभ प्रभाव को बढाने का काम करता है।

लाल रंग- ज्योतिषशास्त्र में लाल रंग को मंगल ग्रह से संबंधित माना गया है। इसे ऊर्जा, शक्ति और साहस का प्रतीक माना गया है।

गुलाबी रंग- यह रंग शुक्र ग्रह से संबंधित होता है। गुलाबी रंग को प्रेम, कोमलता, शांति और स्नेह का प्रतीक माना गया है।

नारंगी रंग- ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, नारंगी रंग सूर्य ग्रह से संबंधित होता है। यह ऊर्जा, उत्साह, खुशी और रचनात्मकता का प्रतीक है।

होली पर क्यों खेलते हैं रंग गुलाल? अलग-अलग रंगों का होता है खास महत्व

रंग और उत्साह का पर्व होली वृंदावन, बरसाना सहित पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। देश के कई भागों में फुलेरा दूज से भी यूं तो होली का त्योहार शुरू हो जाता है। लेकिन होलिका दहन और और उसके बाद होने वाले रंगोत्सव का अपना अलग ही महत्त्व है क्योंकि यह मुख्य होली का त्योहार होता है जिसमें अलग-अलग रंगों से होली खेली जाती है, और ज्योतिषशास्त्र में हर रंग का अपना महत्त्व बताया गया है जो किसी न किसी ग्रह से संबंध रखते हैं।

होली के त्योहार का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन के साथ लोग उत्साह पूर्वक रंगोत्सव का त्योहार मनाते हैं। कुछ लोग होलिका की राख से भी होली खेलते हैं। कुछ लोग खास तौर पर बच्चे तो पानी से भी होली खेलते हैं लेकिन होली का मुख्य आकर्षण रंग होते हैं। और लोग एक दूसरे पर लाल, पीला, हरा, नीला, सफेद, चमकीले रंग लगाकर भी होली का आनंद मनाते हैं। रंगोत्सव का यह त्योहार भारत सहित नेपाल में भी बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। साथ ही भारतीय दुनिया के किसी भी देश में रहें अपनी परंपरा के अनुसार रंगोत्सव का त्योहार मनाते हैं। दरअसल होली का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत और अधर्म पर धर्म की जीत का भी प्रतीक माना गया है। और धार्मिक दृष्टि से होली के रंग इस बात को बयां करते हैं। वैसे होली पर रंग, गुलाल खेलने के और भी कई कारण हैं और इसके लाभ भी बताए जाते हैं। इसके पीछे ज्योतिषीय कारण और पौराणिक कथा छिपी हुई है। आइए विस्तार से जानें कि क्यों खेली जाती है रंगों वाली होली और अलग-अलग रंगों का क्या है महत्त्व।

राधा-कृष्ण से संबंधित है होली का त्योहार- पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण जब बालक थे तब वह इस बात से चिंतित और परेशान थे की क्या गोरी राधा उनके सांवले रंग को पसंद करेंगी। तब यशोदा मईया ने कहा की राधा के पास जाओ और उनसे अपने मुख पर कोई भी रंग लगाने के लिए कहना। ऐसा सुनकर कान्हाजी राधा रानी के पास गए और उन्होंने भगवान कृष्ण को रंग लगाया। ऐसी मान्यता है कि तभी से होली के दिन रंग और गुलाल लगाने की परंपरा शुरू हुई। मथुरा वृंदावन की लोक कथाओं में इस तरह की कथा लोग कहते सुनाते हैं।

होलिका दहन क्यों मनाया जाता है? होलिका और भक्त प्रह्लाद से जुड़ी है होली की कथा

होलिका दहन का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। ऋषिकेश पंचांग के अनुसार, होलिका दहन 2 मार्च को मनाया जाएगा। पुराणों में इस पर्व से जुड़ी एक कथा बताई गई है जो हिरण्यकश्यप की बहन होलिका और विष्णु भगवान के भक्त प्रह्लाद से संबंधित है। होलिका को न जलने का वरदान होने के बावजूद वह इस दिन भस्म हो गई और भक्त प्रह्लाद सुरक्षित बाहर निकल आए। जानें क्या है यह पूरी कथा।

फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि पर होलिका दहन का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। जो हमें अपने मन के भय को दूर करके आंतरिक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने वाला है। ऋषिकेश पंचांग की गणना के अनुसार, इस साल होलिका दहन 2 मार्च, सोमवार के दिन मनाया जाएगा। पुराणों के अनुसार, इसी दिन हिरण्यकश्यप की बहन होलिका विष्णुजी के भक्त प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर जलती हुई चिता पर बैठी थी। लेकिन कुछ ऐसा संयोग बना जिससे होलिका और हिरण्यकश्यप की योजना सफल नहीं हो सकी। आइए विस्तार से जानते हैं होलिका दहन की कथा।

होलिका और भक्त प्रह्लाद की कथा

पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के अनुसार, प्राचीन काल में एक हिरण्यकश्यप नामक शक्तिशाली असुर था। जिसने घोर तपस्या करके ब्रह्माजी से एक विशेष वरदान प्राप्त किया था कि न उसे कोई मनुष्य मार सके, न कोई पशु, न अंदर मारा जा सके, न बाहर, न दिन में मारा जा सके, न रात में और किसी अस्त्र शस्त्र से भी उसकी मृत्यु न हो सके। ऐसा वरदान मिलने के कारण उसने अहंकार में खुद को ईश्वर बताना शुरू कर दिया और अपने राज्य में किसी भी व्यक्ति को भगवान विष्णु की पूजा करने से मना कर दिया।

भगवान विष्णु का परम भक्त था प्रह्लाद

हिरण्यकश्यप का एक प्रह्लाद नामक पुत्र था जो बचपन से भी भगवान विष्णु की भक्ति करता था और उनका परम भक्त बन गया। प्रह्लाद हमेशा विष्णुजी का स्मरण करता रहता था और उसके मुख भी पर केवल प्रभु का नाम था। हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को विष्णुजी की भक्ति से दूर रखने के लिए कई बार प्रयत्न किए। लेकिन फिर भी असुर कुल में जन्म लेने के बाद भी प्रह्लाद ने कभी भी भगवान श्रीविष्णु की भक्ति करना नहीं छोड़ा। महर्षि व्यास रचित, विष्णु पुराण में बताया गया है कि, हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को विषैले सांपों के पास छोड़ा, हाथियों के पैरों के नीचे डाला, ऊंचे पर्वत से नीचे गिरवाया और गहरे समुद्र तक में भी डुबोया। लेकिन भगवान विष्णु ने अपने भक्त को हर मुश्किल परिस्थिति से बाहर निकाल दिया।

होलिका भक्त प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठी

सभी प्रयास नाकाम होने के पश्चात हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को बुलाया जिसे अग्नि में कभी न जलने का वरदान प्राप्त था। उसे प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर चिता पर बैठने को कहा गया और होलिका ने ठीक ऐसा ही किया। वह भक्त प्रह्लाद को अपनी गोद में बिठाकर अग्नि में बैठ गई। लेकिन उस समय भी प्रह्लाद जरा भी न डरा और मन में केवल श्रीहरी का स्मरण करता रहा है। ऐसे में अपने वरदान को गलत तरीके से प्रयोग करने के कारण होलिका उसी अग्नि में जलकर भस्म हो गई। ब्रह्माजी के प्राप्त अग्नि से रक्षा करने वाला चादर उड़कर प्रह्लाद के ऊपर आ गया। ऐसे में होलिका जल गई और भगवान विष्णु की कृपा से उनका भक्त प्रह्लाद सुरक्षित अग्नि से बाहर निकल आया। इसी दिन को याद करते हुए होलिका दहन का त्योहार मनाया जाता है और इसे बुराई पर अच्छाई की जीत का दिन माना गया। इस घटने के बाद प्रभु भक्तों में भगवान का आभार प्रकट किया और होलिका की चिता के राख और रंगों से रंगोत्सव मनाया। इसलिए होलिका दहन के अगले दिन रंगोत्सव का त्योहार मनाया जाता है।

इन स्किल्स की बदौलत स्कूल स्टूडेंट्स कर सकते हैं अपने सक्सेसफुल करियर की शुरुआत

सक्सेसफुल करियर की चाह सभी रखते हैं। अगर आप भी अपने बच्चों को सक्सेसफुल बनाना चाहती हैं, तो उनके करियर की शुरुआत करने से पहले ही उन्हें कुछ खास स्किल्स सिखाएं। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि आप उन्हें करियर की शुरुआत में क्या-क्या सिखा सकती हैं, ताकि आगे जाकर उन्हें किसी भी तरह की दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का चलन काफी ज्यादा चल रहा है। ऐसे में आपको भी अपने बच्चों को ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के बारे में बताना चाहिए। आने वाले समय में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल काफी बढ़ने वाला है। यह उनके फ्यूचर के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है।

ट्रेडिंग

शेयर मार्केट और ट्रेडिंग के क्षेत्र में भी काफी अवसर हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने बच्चों को इसके बारे में भी बता सकती हैं। आजकल लोग ट्रेडिंग करके हर महीने करोड़ों रुपये कमा लेते हैं। ऐसे में आपको अपने बच्चों को शुरू से ही ट्रेडिंग की जानकारी देनी चाहिए। अगर आपके बच्चे को इस क्षेत्र में रुचि होगी, तो उन्हें इसका काफी फायदा होने वाला है।

डिजिटल स्किल्स

डिजिटल स्किल्सजैसी कि कोडिंग वगैरह के बारे में बच्चों को जरूर सिखाना चाहिए। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चों का फ्यूचर सक्सेसफुल बनाना चाहती हैं, तो उन्हें डिजिटल इकोसिस्टम से जुड़ी सारी चीजें जरूर बताएं। अगर जरूरी हो, तो उन्हें डिजिटल स्किल्स से जुड़ी चीजों को सीखने के लिए कोचिंग भी करवा सकती हैं।

डिस्टेंस मोड में करें ये शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स

कई लोग पैसे के कारण दूसरे शहर में जाकर पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। हालांकि अगर आपको पढ़ने की चाह है तो आपको कोई रोक नहीं सकता। जी हां, अगर आप अपनी शिक्षा को बेहतर बनाना चाहते हैं और कम फीस में स्किल्स सीखना चाहते हैं, तो जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के डिस्टेंस मोड के शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। इसे आप आसानी से कर सकते हैं।

डिस्टेंस मोड में शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्सेज

जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में केवल रेगुलर डिग्री कोर्सेज ही नहीं बल्कि डिस्टेंस मोड में शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स करने का भी मौका दे रहा है। ये कोर्स करने के बाद आप आसानी से काफी कुछ सीख सकते हैं। इन कोर्स की फीस भी बहुत कम होती है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को काफी ज्यादा मदद मिल जाती है।

- डिस्टेंस मोड में करें ये शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स
- बैचलर ऑफ आर्ट्स
- बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- बैचलर ऑफ कॉमर्स
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इन एजुकेशन
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इंग्लिश
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हुमन रिसोर्स मैनेजमेंट
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हिस्ट्री
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हिंदी
- मास्टर ऑफ आर्ट्स ज्योग्राफी
- मास्टर ऑफ आर्ट्स पॉलिटिकल साइंस
- मास्टर ऑफ आर्ट्स उर्दू
- मास्टर ऑफ आर्ट्स सोशियोलॉजी
- मास्टर ऑफ कॉमर्स

बीमा सखी महिला योजना में एजेंट बनकर करियर बना सकती हैं महिलाएं

अगर आप बीमा सखी महिला योजना में एजेंट के लिए आवेदन करना चाहती हैं, तो बता दें कि इसके लिए महिलाओं की उम्र 18 से 70 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही 10वीं कक्षा पास होना चाहिए।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं और स्कीम निकाली जाती है। इसी में से एक है बीमा सखी महिला योजना। बता दें, कि एलआईसी के अंतर्गत बीमा सखी योजना के तहत 18 साल से अधिक आयु की महिलाओं को सुनहरा भविष्य बनाने का मौका मिल रहा है। हालांकि इसके लिए इच्छुक महिलाओं का 10वीं पास होना जरूरी है। आवेदन करने के बाद इन्हें स्पेशल ट्रेनिंग मुहैया कराई जाएगी। साथ ही 3 साल तक एलआईसी के द्वारा एक निश्चित मानदेय भी दिया जाएगा। अगर आप भी बीमा सखी महिला योजना में एजेंट बनना चाहती हैं, तो इस लेख में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, एजेंट बनने के लिए आवेदक के पास कौन सी योग्यता होनी चाहिए।

बीमा सखी महिला एजेंट को कितना मिलेगा वेतन भत्ता?

अगर आप बीमा सखी महिला योजना में एजेंट बनकर अपना करियर बना सकती हैं। इस योजना के लिए महिलाओं की उम्र 18 साल से 70 साल होनी चाहिए। इस पद के लिए आवेदन करने वाली युवतियों के पास 10वी उत्तीर्ण होना जरूरी है, जिन्हें विकास अधिकारी द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा इस योजना से जुड़ी महिलाओं को हर महीने एलआईसी द्वारा 7 हजार रुपये दिए जाएंगे। बता दें कि यह वेतन भत्ता 3 साल तक दिया जाएगा। पहले वर्ष 7 हजार, दूसरे साल 6 और तीसरे वर्ष 5 हजार रुपये महीना सैलरी दी जाएगी।

काम के साथ मिलेगा कमीशन

इस योजना के तहत जुड़ने वाली महिलाओं को अपने किए गए कार्य के हिसाब से कमीशन भी मिलेगा। बीमा सखी महिला एजेंट को पहले साल में 24 लोगों का बीमा करवाना होगा। इस पर उन्हें कम से कम 40-50 हजार रुपये साल की कमीशन मिल सकता है। वहीं बात करें दूसरे साल की तो इस वर्ष पहले साल का 65 प्रतिशत पॉलिसी करने पर कमीशन दिया जाएगा। यहीं क्रम तीसरे साल भी लागू रहेगा।

जरूरी दस्तावेज

- आधार कार्ड
- पैन कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटो
- निवास प्रमाण जैसे- राशन कार्ड, बिजली बिल या पानी का बिल।
- शैक्षिक प्रमाणपत्र कम से कम 10वीं कक्षा तक की शिक्षा।
- बैंक खाता विवरण
- स्वास्थ्य प्रमाण पत्र

कैसे बना सकते हैं करियर?

- LIC की तरफ से बीमा सखी को प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें उन्हें बीमा उत्पादों, बिक्री रणनीतियों, ग्राहक से बात करने, और डॉक्यूमेंट की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाती है।
- बीमा सखी के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए LIC से आवेदन करना होगा।
- एजेंट बनने के बाद, आपको विभिन्न बीमा स्कीम को ग्राहकों को समझाना होगा।

विदेश में रहते हैं तो इन तरीकों से बढ़ाएं अपने कम्युनिकेशन स्किल्स

विदेश जाने वाले लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है कम्युनिकेशन की। किसी और देश के कल्चर के हिसाब से भाषा सीखना थोड़ा पेचीदा हो सकता है।

अधिकतर भारतीयों को इंग्लिश बचपन से ही सिखाई जाती है, लेकिन अगर इसे आप यूके या फिर अमेरिका में बोलेंगे, तो भी कम्युनिकेशन गैप आएगा ही। किसी नए देश में जाकर ठीक से कम्युनिकेट करने में बहुत ज्यादा दिक्कत होती है। यह समझने में समय लगता है कि किसी अन्य देश में आप सही कम्युनिकेशन कैसे करें। अगर यूरोप, थाईलैंड जैसे किसी देश में गए हैं, तो वहां की भाषा सीखने और सही कम्युनिकेट करने में समय लगता है।

बोलने से ज्यादा सुनने की कोशिश करें

कम्युनिकेशन स्किल बेहतर बनाने के लिए आपको पहले एक अच्छा लिसनर बनना होगा। लोगों को यह अच्छा लगता है कि उन्हें सुना जाए। ऐसे में आप किसी और देश में हैं, तो लोगों के हाव-भाव को समझें और उनकी बातों को सुनने की कोशिश करें। खुद से ही उनके सवालों के जवाब ढूंढने की जगह पहले उन्हें ठीक से सवाल पूछने दें। कई बार हम एंग्जाइटी में ही बोल जाते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना है। जब भी आप किसी से फोन पर बात कर रहे हैं, तो टेक्स्ट मैसेज का जवाब देना, ईमेल करना आदि बहुत खराब होता है। ऐसे में आपके कम्युनिकेशन स्किल कभी बेहतर नहीं हो पाएंगे। विदेशों में इस तरह की चीज को असभ्य माना जाता है।

सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करें

कई बार हम अगर किसी अन्य नेशनालिटी के व्यक्ति से बात करते हैं, तो हम बहुत ही कॉन्शियस हो जाते हैं। यह कई बार अशिष्ट लगता है। कम्युनिकेशन स्किल को बेहतर बनाने का यह एक बहुत सही तरीका है कि आप अपने व्यवहार को बेहतर बनाएं।

बॉडी लैंग्वेज ऑफेंसिव ना रखें

कई बार हम किसी वेटर या फिर किसी सब्जी बेचने वाले से भारत में बहुत रूड तरह से बात करते हैं। बाहरी देशों में प्लंबर, कारपेंटर, वेजिटेबल वेंडर, वेटर और ऐसे सभी काम स्किल्ड लेबर में आते हैं। चाहे भारत हो या कहीं और आपको हर काम की इज्जत करनी चाहिए और अपने व्यवहार और बॉडी लैंग्वेज को ऑफेंसिव नहीं रखना चाहिए।

धीमे बोलें, लेकिन फैक्ट्स का ध्यान रखें

कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर बनाने के लिए फैक्ट्स का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। आपको ध्यान से बोलना होगा और सही बोलना होगा। हम कई बार अपनी तारीफ के चक्कर में कुछ एक्स्ट्रा ही बोल जाते हैं। ऐसा नहीं करना है। ऐसा करने से आपके साथ समस्या बढ़ेगी।

पॉजिटिव बोलें और स्माइल का ध्यान रखें

अगर आपको किसी को इम्प्रेस करना है, तो स्माइल से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता है। ऐसे में आप हमेशा पॉजिटिव रहें और स्माइल करते रहें। गर्मजोशी से हाथ मिलाएं और फिर आगे बढ़ें। कई बार फर्स्ट इम्प्रेशन ही इससे बहुत अच्छा पड़ता है।

ज्यादा लंबे टेक्स्ट या ईमेल ना करें

हिंदुस्तान में कॉर्पोरेट ईमेल्स भी बहुत लंबे होते हैं पर यह सही तरीका नहीं है। मेल पर सिर्फ प्वाइंटर आदि होने चाहिए और बाकी चीजों के लिए कॉल या फेस टू फेस कंवर्जेशन ज्यादा बेहतर है। कई बार हम इसे अवॉइड करने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह सही तरीका नहीं है। इससे यह दिखता है कि आप एक अच्छे स्पीकर या लिसनर नहीं हैं।

लिखने से पहले पढ़ जरूर लें

कम्युनिकेशन का एक अहम नियम है। आप कुछ भी गलत ना बोले ना ही लिखें। आप कोई मेल या टेक्स्ट कर रहे हैं, तो उसे ठीक से पढ़ लें। अगर टेक्स्ट या ईमेल में कोई गलती जाती है, तो लोगों पर आपका इम्प्रेशन सही नहीं पड़ेगा। लिखने के बाद पढ़ने की आदत आपको एम्बैरेस्मेंट से बचा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर ड्रोन हमला, कई कर्मचारी घायल

कुवैत। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच कुवैत से चौंकाने वाली खबर सामने आई है। कुवैत की

सिविल एविएशन अथॉरिटी ने पुष्टि की है कि 28 फरवरी 2026 को कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल- 1 पर ड्रोन हमला हुआ। इस घटना में एयरपोर्ट संपत्ति को नुकसान पहुंचा है और कुछ कर्मचारी घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, हमला ऐसे समय में हुआ जब क्षेत्र के कई हिस्सों में मिसाइल और ड्रोन गतिविधियों में इजाफा देखा जा रहा है। पहले जारी बयानों में ईरानी अधिकारियों ने कहा था कि उनके निशाने पर अमेरिकी सैन्य ठिकाने थे, जिनमें कुवैत स्थित अली अल सलेम एयर बेस भी शामिल है। यह बेस अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ड्रोन हमले के बाद इलाके में सुरक्षा सतर्कता और बढ़ा दी गई है। कई खाड़ी देशों ने अपने एयरस्पेस में एहतियाती कदम उठाए हैं और कुछ स्थानों पर अस्थायी रूप से उड़ान संचालन रोका गया है। कुवैत एयरपोर्ट ने भी सुरक्षा कारणों से कुछ समय के लिए परिचालन सीमित कर दिया था। फिलहाल अधिकारी नुकसान का आकलन कर रहे हैं और हमले के स्रोत व परिस्थितियों की जांच जारी है। क्षेत्रीय सरकारें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और समन्वित प्रतिक्रिया के लिए आपसी संपर्क में हैं। आधिकारिक और सत्यापित अपडेट का इंतजार किया जा रहा है।

201 लोगों की मौत, 700 से ज्यादा घायल... इजरायल-अमेरिका के हमले ने मचाई तबाही

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में चल रही कूटनीतिक हलचल के बीच शनिवार को हालात

अचानक युद्ध जैसे बन गए। इजरायल और अमेरिका ने ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों पर व्यापक हवाई कार्रवाई की, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच गया। जवाबी कदम उठाते हुए ईरान ने भी मिसाइल हमलों की श्रृंखला शुरू कर दी, जिससे हालात और विस्फोटक हो गए। ईरानी राहत एजेंसी के अनुसार, हमलों में अब तक 201 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 747 लोग घायल हुए हैं। यह आंकड़े शनिवार शाम जारी आधिकारिक बयान में सामने आए। संगठन ने बताया कि देश के 31 में से 24 प्रांत किसी न किसी रूप में हमलों से प्रभावित हुए हैं और राहत टीमें हाई अलर्ट पर काम कर रही हैं। ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी, जो अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट मूवमेंट का हिस्सा है, ने प्रभावित इलाकों में आपात राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। दूसरी ओर, ने दावा किया है कि यह उसके इतिहास के सबसे बड़े एयर ऑपरेशनों में से एक था। इजरायली सेना के मुताबिक लगभग 200 लड़ाकू विमानों ने एक साथ अभियान चलाते हुए करीब 500 लक्ष्यों को निशाना बनाया। भारत सरकार की बड़ी पहल, विदेश में फंसे भारतीयों के लिए जारी किया हेल्पलाइन नंबर पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब आम नागरिकों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव के बीच सऊदी अरब के जेद्दा शहर में मौजूद भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए भारत सरकार ने विशेष कदम उठाए हैं। जेद्दा में फंसे भारतीयों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर सक्रिय किए गए हैं। जरूरत पड़ने पर लोग व्हाट्सएप नंबर +966536209704 और लैंडलाइन नंबर 00 966 12 2614093 पर संपर्क कर सकते हैं। इन माध्यमों से आपात स्थिति में मार्गदर्शन, जानकारी और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

खामेनेई के खत्म होते ही मंडराया खतरा; इजरायल बनेगा सुपर पावर

तेहरान/यरूसलम, एजेंसी। इन तीन संगठनों के जरिए ईरान ने मिडल ईस्ट के तीन देशों पर भी अपना कंट्रोल कायम रखा है। जैसे हूती विद्रोहियों के चलते ईरान का यमन पर एक होल्ड रहा है। इसी तरह हिजबुल्लाह लेबनान में सक्रिय रहे हैं और इजरायल के लिए भी सिरदर्द बनते रहे हैं। हमास फिलिस्तीन में ऐक्टिव है और उसने ही इजरायल पर हमला किया था। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई को भी इजरायल और अमेरिका ने हमलों में मार गिराया है। खामेनेई के मारे जाते ही ईरान में 47 साल से चला आ रहा इस्लामिक शासन अब समाप्त हो गया है। इसके साथ ही अब चर्चा है कि अमेरिका कि पिट्ठू सरकार ही ईरान में कमान संभाल सकती है। अमेरिका में रह रहे ईरान के क्राउन प्रिंस रजा पहलवी को ही ईरान में अब सत्ता मिलने के कयास लग रहे हैं। इस बीच

एक्सपर्ट्स कयास लगा रहे हैं कि आखिर ईरान में खामेनेई के मारे जाने के बाद क्या बदल जाएगा। यही नहीं खामेनेई के मारे जाने से मिडल ईस्ट में भी बहुत कुछ बदल जाएगा। इसके कारण इजरायल सुपर पावर के तौर पर उभर सकता है। इसकी वजह यह है कि ईरान की सेना के समर्थन से चलने वाले उग्रवादी समूहों हमास, हूती और हिजबुल्लाह अब कमजोर हो जाएंगे। माना जाता रहा है कि इन तीनों को ईरान का समर्थन रहा है और इनके जरिए ही वह मध्य पूर्व में इजरायल और अमेरिका जैसी ताकतों का सामना करता रहा है। इसके अलावा सऊदी अरब और तुर्की के मुकाबले वह शिया इस्लाम की नुमाइंदगी भी मजबूती से करता रहा है। अब जबकि अमेरिका के समर्थन वाली सरकार बनने का रास्ता ईरान में साफ हो रहा है तो साफ है कि इन तीन संगठनों का भी वर्चस्व कम हो जाएगा। दिलचस्प तथ्य है कि इन तीन संगठनों के जरिए ईरान ने मिडल ईस्ट के तीन देशों पर भी अपना कंट्रोल कायम रखा है। जैसे हूती विद्रोहियों के चलते ईरान का यमन पर एक होल्ड रहा है। इसी तरह हिजबुल्लाह लेबनान में सक्रिय रहे हैं और इजरायल के लिए भी सिरदर्द बनते रहे हैं। गाजा और वेस्ट बैंक में सक्रिय आतंकी संगठन हमास को भी ईरान का समर्थन रहा है। ऐसे में अब जब ईरान से इस्लामिक शासन समाप्त हो जाएगा तो ये तीनों संगठन भी कमजोर होंगे, जो उसके समर्थन पर आश्रित रहे हैं। यह स्थिति सीधे तौर पर इलाके में इजरायल को फायदा पहुंचाएगी और वह सुपर पावर के तौर पर उभरेगा। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कतर जैसे कई इस्लामिक देश लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी हैं। इसी के कारण वे इजरायल के भी करीब आए हैं और अदावत कम हुई है। ईरान ही एक ऐसा बड़ा देश रहा है, जो खुलकर इजरायल के खिलाफ था।

चीन हथियार दे तो भी नहीं टिक पाएगा ईरान

एक्सपर्ट्स ने बताया युद्ध लंबा चला तो क्या होगा

बीजिंग, एजेंसी। रक्षा विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट जनरल राजेन्द्र सिंह

(सेवानिवृत्त) बताते हैं कि ईरान पर हमले के पीछे अमेरिका के तीन लक्ष्य हैं। एक ईरान में सत्ता परिवर्तन, दूसरा उसके मिसाइल कार्यक्रम को ध्वस्त करना और तीसरा परमाणु कार्यक्रम पर आगे नहीं बढ़ने देना। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई से उत्पन्न हालात के बाद मध्य-पूर्व देशों में युद्ध के हालात बन चुके हैं। हालांकि रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जिस प्रकार से ईरान ने अमेरिकी बेसों पर जवाबी हमले किए हैं, उसके चलते अमेरिका इस संघर्ष को बहुत लंबे समय तक जारी नहीं रखना चाहेगा।

रक्षा विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट जनरल राजेन्द्र सिंह (सेवानिवृत्त) बताते हैं कि ईरान पर हमले के पीछे अमेरिका के तीन लक्ष्य हैं। एक ईरान में सत्ता परिवर्तन, दूसरा उसके मिसाइल कार्यक्रम को ध्वस्त करना और तीसरा परमाणु कार्यक्रम पर आगे नहीं बढ़ने देना। अमेरिका चाहता है कि ईरान को इतना कमजोर कर दिया जाए कि भविष्य में उससे किसी प्रकार का खतरा नहीं हो। दूसरी तरफ ईरान के हमले जवाबी हैं। यदि अमेरिकी हमले बंद हो जाएंगे तो वह भी बंद कर देगा। हालांकि, उसके पास इतनी ताकत नहीं है कि वह बहुत लंबे समय तक अमेरिका और इजरायल जैसे देशों का मुकाबला कर सके। उसके पास अच्छी मिसाइलें हैं, लेकिन उनके सहारे वह लंबा युद्ध नहीं लड़ सकता। इसलिए उसे अमेरिका के साथ बातचीत की टेबल पर आना ही पड़ेगा। सिंह ने कहा कि ईरान ने पिछली बार भी अमेरिकी हमलों का भरपूर जवाब दिया था और इस बार भी दे रहा है। लेकिन वह लगातार कमजोर भी हो रहा है। उसकी अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ी हुई है। रूस और चीन उसके समर्थन में दिखते हैं, लेकिन रूस मौजूदा समय में उसे हथियारों की मदद देने में सक्षम नहीं है। अलबत्ता चीन हथियारों से मदद कर सकता है, लेकिन यह अमेरिका-इजरायल से लड़ने के लिए काफी नहीं होगा। पूर्व एयर वाइस मार्शल ओपी तिवारी का कहना है कि ईरान के पास एयरफोर्स की ताकत कम है। इसलिए संघर्ष को लंबे समय तक जारी रखना उसके लिए आसान नहीं होगा। उसके समर्थन में हिजबुल्ला और कुछ शिया संगठन सामने आए हैं लेकिन ये संगठन अब पहले की भांति ताकतवर नहीं रहे हैं। युद्ध में ईरान की तबाही तय है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस युद्ध से तेल की कीमतें बढ़नी शुरू हो गई हैं। इससे दुनियाभर की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। मध्य-पूर्व के इन तमाम देशों से भारत भी तेल खरीदता है। तेल की कीमतों के साथ-साथ आपूर्ति में भी बाधा आ सकती है। हालांकि इसमें अमेरिका का फायदा है। उसके पास अभी वेनेजुएला का भी तेल है।

ईरान को मिलने वाला है नया सुप्रीम लीडर, अयातुल्ला खामेनेई के बेटे संभाल सकते हैं कमान

तेहरान, एजेंसी। ईरान को नया सुप्रीम लीडर मिलने वाला है। खबर है कि अमेरिका और इजरायल के हमले में मारे गए अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को सर्वोच्च नेता चुना जा सकता है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर इसका ऐलान नहीं हुआ है। इधर, तेहरान अभी तक अयातुल्ला खामेनेई की मौत की खबरों का खंडन करता रहा है। ईरान को नया सुप्रीम लीडर मिलने वाला है। खबर है कि अमेरिका और इजरायल के हमले में मारे गए अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को सर्वोच्च नेता चुना जा सकता है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर इसका ऐलान नहीं हुआ है। इधर, तेहरान अभी तक अयातुल्ला खामेनेई की मौत की खबरों का खंडन करता रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुजतबा खामेनेई को ईरान का सुप्रीम लीडर चुना जा सकता है। इसका आधिकारिक ऐलान होना अभी बाकी है। कहा जा रहा था

कि ईरान में नए सुप्रीम लीडर की तैनाती जल्द से जल्द किए जाने की मांग की जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, [illegible] रविवार सुबह तक नए सर्वोच्च नेता की नियुक्ति चाहता था। मोजतबा खामेनेई मारे गए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के दूसरे सबसे बड़े बेटे हैं। वे एक मध्यम स्तर के धर्मगुरु हैं और उन्हें अपने पिता का उत्तराधिकारी माना जा रहा था। मोजतबा के ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के साथ बहुत करीबी रिश्ते हैं। हालांकि, ईरान ने इसका आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ घंटे पहले खामेनेई की मौत की घोषणा करते हुए कहा कि इससे ईरानियों को अपने देश की बागडोर अपने हाथों में वापस लेने का सबसे बड़ा मौका मिला है। सरकारी मीडिया ने बताया कि 86 वर्षीय खामेनेई की तेहरान के मध्य क्षेत्र में उनके परिसर को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमले में मौत हुई। यूरोपीय एयरोस्पेस कंपनी एयरबस द्वारा ली गयी सैटेलाइट तस्वीरों में वह स्थान भारी बमबारी से क्षतिग्रस्त दिखायी दिया, जहां खामेनेई की मौत हुई है। सरकारी मीडिया में आ रही खबरों के अनुसार, अमेरिकी-इजरायली हमलों में ईरान के अर्द्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख और एक शीर्ष सुरक्षा सलाहकार की भी मौत हो गई है। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने मेजर जनरल मोहम्मद पकपोर की मौत की घोषणा की, जिन्होंने पिछले साल जून में 12 दिन के युद्ध के दौरान इजरायल द्वारा गार्ड के पूर्व कमांडर की हत्या के बाद इस बल के शीर्ष कमांडर का पद संभाला था। आईआरएनए के अनुसार, अली शमखानी भी हमले में मारे गए। सुरक्षा तंत्र में एक प्रमुख और प्रभावशाली व्यक्ति रहे थे। सरकारी टीवी ने बताया कि खामेनेई के कार्यालय में हुई उनकी मौत यह दिखाती है कि वह लगातार जनता के बीच खड़े रहे और अपनी जिम्मेदारियां निभाने में आगे रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, इतिहास के सबसे दुष्ट लोगों में से एक खामेनेई मारा जा चुका है।

मौत के समय क्या कर रहे थे खामेनेई, मोसाद ने ईरान में कैसे लगाई सेंध?

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की है कि देश के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई शनिवार सुबह तेहरान स्थित अपने कार्यालय में मारे गए। इस हमले में आईआरजीसी चीफ मेजर जनरल मोहम्मद पाकपुर और अयातुल्ला खामेनेई के सीनियर सलाहकार अली शमखानी मारे गए हैं। इजरायल के पूर्व प्रेसिडेंट अहमदीनेजाद के मुताबिक, ईरान की सीक्रेट सर्विस ने ईरान के अंदर मोसाद एजेंट्स को टारगेट करने के लिए एक यूनिट बनाई थी। लेकिन इस यूनिट का हेड खुद मोसाद का एक ऑपरेटिव निकला, साथ में 20 और एजेंट्स भी थे। सरकारी टेलीविजन पर एक न्यूज एंकर ने रुंधे हुए गले और आंखों में आंसू लिए देश को सूचित किया कि ईरान अब 40 दिनों के राष्ट्रीय शोक में प्रवेश करेगा। इस हमले ने न केवल ईरान की सत्ता को हिला दिया है, बल्कि पूरे क्षेत्र को एक भीषण युद्ध की आग में झोंक दिया है। जिस समय इजरायल ने उन्हें मार गिराया, उस समय वह अपने दफ्तर में दैनिक काम कर रहे थे। इजरायल के चैनल 12 के मुताबिक, खामेनेई की बॉडी की एक फ़ोटो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को दिखाई गई। रिपोर्ट में बिना नाम वाले इजरायली अधिकारियों का जिक्र किया गया। पब्लिक ब्रॉडकास्टर कान ने यह भी बताया कि सीनियर इजरायली अधिकारियों को खामेनेई के खत्म होने की जानकारी दे दी गई थी और उनकी बॉडी तेहरान में उनके कंपाउंड के मलबे से मिली थी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि शनिवार सुबह शुरू हुए स्-इजरायली हमलों में खमेनेई के साथ उनकी बेटी, पोता, बहू और दामाद भी मारे गए। ईरान के डिफेंस मिनिस्टर अजीज नसीरजादेह और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडर मोहम्मद पाकपुर भी हमलों में मारे गए हैं। रेड क्रिसेंट के अनुसार, इजरायल और अमेरिका द्वारा किए गए इन हवाई हमलों में अब तक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। बीबीसी और सीबीएस न्यूज की रिपोर्टों के मुताबिक, मरने वालों में कम से कम 40 वरिष्ठ ईरानी अधिकारी शामिल हैं। [illegible] ने सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए खामेनेई के कार्यालय लीडरशिप हाउस को हुए भारी नुकसान की पुष्टि की है। आईआरजीसी से जुड़ी तस्नीम न्यूज एजेंसी ने कहा कि खामेनेई की अपने कार्यालय में मौजूदगी यह साबित करती है कि उनके छिपने की खबरें महज दुश्मन का मनोवैज्ञानिक युद्ध थीं। खामेनेई की मौत के जवाब में ईरान ने पूरे मध्य पूर्व में फैले अमेरिकी ठिकानों और उनके सहयोगियों पर चौतरफा हमले शुरू कर दिए हैं। दुबई, दोहा (कतर), बहरीन और कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों और रणनीतिक ठिकानों पर ईरान ने मिसाइलें दागी हैं। इन हमलों ने खाड़ी देशों में भारी दहशत पैदा कर दी है और वैश्विक तेल आपूर्ति पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस ऑपरेशन को सही ठहराते हुए कहा कि खामेनेई इतिहास के सबसे दुष्ट व्यक्तियों में से एक थे और उनकी मौत ईरानी जनता के लिए अपना देश वापस लेने का सबसे बड़ा अवसर है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि तेहरान पर अमेरिका की बमबारी अनवरत जारी रहेगी। दूसरी ओर, ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर ने घोषणा की है कि ब्रिटेन अपने नागरिकों और क्षेत्रीय भागीदारों की सुरक्षा के लिए समन्वित क्षेत्रीय रक्षा अभियानों में हिस्सा ले रहा है। अमेरिका के भीतर भी दरार पैदा कर दी है। अमेरिकी सांसद दलीय आधार पर बंटे हुए हैं, क्योंकि राष्ट्रपति ने कांग्रेस की पूर्व अनुमति के बिना युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर दी है। संयुक्त राष्ट्र (ह) ने भी इस सैन्य कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि इससे क्षेत्र में शांति की रही-सही उम्मीदें भी खत्म हो गई हैं।

● सलाहकारों को एक साथ निशाना बनाने के लिए एक दुर्लभ अवसर का इंतजार किया था

30 बमों से हमला, मिट्टी में मिल गया लीडरशिप हाउस; रूह कंपा देगी खामेनेई की मौत की कहानी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत को लेकर चलाए गए ऑपरेशन को लेकर नए खुलासे हो रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने एक सनसनीखेज रिपोर्ट में दावा किया है कि इजरायल और अमेरिका ने खामेनेई और उनके शीर्ष सलाहकारों को एक साथ निशाना बनाने के लिए एक दुर्लभ अवसर का इंतजार किया था। खुफिया सूचनाओं के आधार पर ऐसे तीन संभावित मौकों की पहचान की गई थी, जिसके बाद शनिवार को दिनदहाड़े इस भीषण हवाई हमले को अंजाम दिया गया। खुफिया अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि तेहरान स्थित खामेनेई के परिसर पर 30 उच्च क्षमता वाले बम गिराए गए। यह हमला इतना सटीक और विनाशकारी था कि इसने पूरे परिसर को खंडहर में बदल दिया। दिन के उजाले में किए गए इस हमले का उद्देश्य न केवल खामेनेई को खत्म करना था, बल्कि ईरान की शीर्ष सैन्य और राजनीतिक लीडरशिप को एक साथ नेस्तनाबूद करना था। खामेनेई की मौत के साथ ही ईरान के संविधान के अनुसार देश के संचालन के

लिए एक अस्थायी शासी परिषद का गठन कर दिया गया है। इस्लामिक गणराज्य के कानून के तहत, यह परिषद तब तक देश का कार्यभार संभालेगी जब तक कि नए सर्वोच्च नेता का चयन नहीं हो जाता। इस परिषद में ईरान के वर्तमान सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, ईरान के कट्टरपंथी न्यायपालिका प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसेनी एजेई के अलावा तीसरा सदस्य गार्जियन काउंसिल का एक सदस्य होगा, जिसे एक्सपीडिएंसी काउंसिल द्वारा चुना जाएगा। यह परिषद वर्तमान में देश की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था की निगरानी कर रही है, विशेष रूप से ऐसे समय में जब ईरान के कई शहरों में तनाव व्याप्त है और सीमा पर युद्ध जैसे हालात हैं।

अगला सुप्रीम लीडर कौन?: ईरानी कानून के मुताबिक असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स को जितनी जल्दी हो सके नए सर्वोच्च नेता का चुनाव करना होगा। जो ईरान के सबसे शक्तिशाली पद के लिए उम्मीदवार तय करती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस संक्रमण काल में ईरान के भीतर सुधारवादियों और कट्टरपंथियों के बीच सत्ता संघर्ष तेज हो सकता है। जहां एजेई जैसे कट्टरपंथी नेता अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश करेंगे, वहीं राष्ट्रपति पेजेशकियन पर देश को स्थिरता देने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

बेंजामिन नेतन्याहू के इशारे पर अमेरिका ने किया ईरान पर हमला?

वाशिंगटन, एजेंसी। जानकारों का कहना है कि अमेरिका ने ईरान पर इजरायल के कहने पर ही हमला किया है और इससे ज्यादा फायदा इजरायल को ही होने वाला है। वहीं ईरान ने अपने नए सुप्रीम लीडर का ऐलान कर दिया है। ईरान ने कहा है कि अली खामेनेई के बेटे मोजतबा अब कमान संभालेंगे। ईरान में इजरायल और अमेरिका ने अचानक हमला करके पूरी दुनिया को हिला दिया है। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की भी मौत हो गई है। ईरान ने भी कई खाड़ी देशों में अमेरिकी बेसों पर हमला किया है। दुबई में जोरदार धमाके हुए हैं। अमेरिका का कहना है कि वह ईरान में कट्टरपंथी सरकार बदलना चाहता है। अमेरिका ईरान के साथ परमाणु वार्ता भी कर रहा था। हालांकि इसका कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। जानकारों का कहना है कि ईरान अमेरिकी की नीतियों में फिट ही नहीं हो पा रहा था। खामेनेई का कहना था कि वह परमाणु शक्ति का इस्तेमाल नागरिक प्रोग्राम के लिए करना चाहता है। अल जजीरा की रिपोर्ट की मानें तो ईरान में हमले से सबसे ज्यादा फायदा इजरायल को ही होना वाला है। इजरायल अकसर अमेरिका पर दबाव डालता है और फिर अमेरिका को हमला करना पड़ता है। जून में भी पहले इजरायल ने ईरान पर हमला किया था। इसके बाद अमेरिका ने भी लड़ाकू विमानों से ईरान पर अटैक कर दिया। एक जानकार ने कहा कि ईरान में होने वाली यह लड़ाई पूरी तरह से इजरायल के फायदे की लड़ाई है। इसमें अमेरिका को कुछ नहीं मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक तरफ अपनी छवि शांति करवाने वाले देशों के रूप में बनाना चाहता है और दूसरी ओर इजरायल के कहने पर हमले को तैयार हो जाता है। दरअसल ईरान के दुश्मनों का समर्थन ईरान हमेशा ही करता रहा है। चाहे हमास हो या हूती और हिजबुल्लाह, ईरान की इस्लामिक सरकार का हाथ उसपर रहा है।

मौत के बाद खामनेई के अकाउंट से शेयर की गई कुरान की कौन सी आयत

अमेरिका-इजरायल को चैलेंज

तेहरान, एजेंसी। खामेनेई के एक्स अकाउंट से लिखा गया है, 'मोमिनों में कुछ ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अल्लाह से जो वादा किया था उसे सच्चाई के साथ पूरा कर दिखाया। उनमें से कुछ ने अपना वादा निभाकर (शहादत पाकर) अपना समय पूरा कर लिया और कुछ अब भी प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अपने संकल्प में कोई बदलाव नहीं किया।' ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई मारे गए हैं। अमेरिका और इजरायल के हमले में उनकी मौत हुई है और अब उनके उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। खामेनेई के मारे जाने की पुष्टि ईरान की मीडिया ने भी कर दी है। इस बीच उनके मारे जाने की जानकारी संकेतों में ही अयातुल्लाह अली खामेनेई के ही सोशल मीडिया अकाउंट से दी गई है। खामेनेई के एक्स अकाउंट से कुरान की एक आयत शेयर की गई है और उन्हें शहीद करार दिया गया है। कुरान की आयत शेयर करते हुए लिखा गया है, मोमिनों में कुछ ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अल्लाह से जो वादा किया था उसे सच्चाई के साथ पूरा कर दिखाया। उनमें से कुछ ने अपना वादा निभाकर (शहादत पाकर) अपना समय पूरा कर लिया और कुछ अब भी प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अपने संकल्प में

कोई बदलाव नहीं किया। यह आयत कुरान के (सूरह अल-अहज़ाब 33-23) की है। इस तरह खामेनेई के अकाउंट से ही उनकी मौत की पुष्टि कर दी गई है। इसके साथ ही उन्हें अल्लाह की राह में शहीद बताया गया है। अमेरिका और इजरायल को भी इसी आयत के बहाने चुनौती दी गई है। इसमें कहा कहा है कि अब भी कुछ लोग प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अपने संकल्प में बदलाव नहीं किया है। इस तरह अमेरिका और इजरायल को यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि अब भी ईरान पहले की तरह अड़ा और डटा है। उसके रवैये में कोई बदलाव नहीं आएगा। इस तरह ईरान में सत्ता परिवर्तन की चाह रखने वाले अमेरिका को आने वाले समय में चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। उसके लिए यह अभियान आसान नहीं रहेगा। इस बीच खबरें यह भी हैं कि अयातुल्लाह खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को ईरान की कमान सौंपी जा सकती है।

टैलोन ग्रीक्सपूर के हटने से दानिल मेदवेदेव ने दुबई खिताब जीता

दुबई (एजेंसी)। दानिल मेदवेदेव ने शनिवार को दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में खिताब जीता, जब टैलोन ग्रीक्सपूर बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण फाइनल से पहले हट गए। ग्रीक्सपूर को शुक्रवार को आंद्रेई रुब्लेव पर अपनी सेमीफाइनल जीत के दौरान चोट लगी थी। डचमैन ने एक सर्व के बाद अजीब तरह से लैंड किया और, हालांकि उन्होंने सीधे सेटों में जीत हासिल की, वह चैंपियनशिप मैच के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए, जिसके परिणामस्वरूप वॉकओवर हो गया। ट्रॉफी सेरेमनी के दौरान ग्रीक्सपूर ने कहा, %मैं बेहतर हो गया हूं, यह पक्का है। बदकिस्मती से सेमीफाइनल के दौरान मुझे चोट लग गई। मैं आज सुबह हॉस्पिटल गया और कुछ स्कैन हुए, जिसमें कुछ सीरियस दिखा। इसकी वजह से मैं आज रात कोर्ट पर नहीं आ पाया और आने वाले हफ्तों में भी कोर्ट पर नहीं आ पाऊंगा।यह टाइटल मेदवेदेव का 23वां टूर-लेवल क्राउन है और जनवरी में ब्रिस्बेन में जीतने के बाद 2026 सीजन का दूसरा क्राउन है। यह पहली बार भी है जब 30 साल के इस खिलाड़ी ने एक ही इवेंट दो बार जीता है, इससे पहले उन्होंने 2023 में दुबई में जीत हासिल की थी। एटीपी लाइव रैंकिंग में नंबर 11 पर मेदवेदेव नंबर 10 अलेक्जेंडर बुब्लिक से सिर्फ 45 पॉइंट पीछे हैं, जबकि वह पिछले साल जून के बाद पहली बार टॉप 10 में वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं। पहली बार एक ही इवेंट दो बार जीतने के बारे में पूछे जाने पर मेदवेदेव ने कहा, यही इसकी क्रेजी बात है। मैंने दुनिया के किसी भी शहर में ऐसा कभी नहीं किया, और पहली बार जब मैंने ऐसा किया, तो यह वॉकओवर के जरिए हुआ... हम हफ्ते की शुरुआत से पहले ही जानते थे, जिस तरह से मैं प्रैक्टिस कर रहा था, मैं एक भी बॉल मिस नहीं कर सकता था। हम जानते थे कि यह एक शानदार हफ्ता होने वाला है। यह एक शानदार हफ्ता था और मैं आने वाले अगले टूर्नामेंट्स का इंतज़ार कर रहा हूं।

हार्ड कोर्ट पर अपनी 21वीं टूर-लेवल ट्रॉफी के साथ मेदवेदेव ने एक्टिव खिलाड़ियों में नोवाक जोकोविच (72) के बाद, इस सरफेस पर दूसरे सबसे ज़्यादा जीत के मामले में वर्ल्ड नंबर 2 जैनिक सिनर की बराबरी कर ली। ग्रीक्सपूर दुबई में अपने करियर का चौथा और सबसे बड़ा एटीपी टूर टाइटल जीतने की कोशिश कर रहे थे, जहां उन्होंने इस हफ्ते टॉप 20 प्लेयर्स बुब्लिक, जैकब मेंसिक और रुब्लेव पर जीत दर्ज की। डचमैन की मेदवेदेव के साथ एकमात्र पिछली भिड़ंत पिछले साल दुबई में हुई थी, जब उन्होंने सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में यादगार चार मैच पॉइंट बचाए थे। मेदवेदेव अगली बार इंडियन वेल्स में एटीपी मास्टर्स 1000 में हिस्सा लेंगे, जहां वह दो बार के फाइनलिस्ट हैं।

कैंडिडेट के पहले प्राग चैलेंजर्स शतरंज में खेलेंगी विश्व कप विजेता दिव्या

प्राग , चेक गणराज्य (एजेंसी)। भारत की वर्तमान विश्व कप महिला विजेता दिव्या देशमुख फ़ीडे कैंडिडेट के ठीक पहले प्राग चैलेंजर्स शतरंज में नज़र आयेंगी . 10 खिलाड़ियों के राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में जहाँ हर खिलाड़ी आपस में एक राउंड खेलेंगे। दिव्या के अलावा चीन की जु जिनर भी कैंडिडेट के पहले यहाँ भाग ले रही है और दोनों के लिए तैयारी का यह अच्छा मौका है । अन्य खिलाड़ियों में भारत के अनुभवी ग्रैंड मास्टर सूर्या शेखर गांगुली , स्पेन के यूफ़ा डेनियल , डेनमार्क के जोनस भूल , नीदरलैंड के थॉमस बर्डसेन ,हंगरी के बेंजामिन ग्लेडुरा ,मेजबान चेक गणराज्य के वक्लव फिनेक ,स्टीपन हर्बेक और नेमेक जैच्यम खेलते हुए नज़र आयेंगे . राउंड रोबिन आधार पर इस मुक़ाबले में कुल 9 राउंड फ़रबरी 25 से 6 मार्च के दौरान खेला जाएगा .

दिव्या देशमुख पहली बार फ़ीडे कैंडिडेट में 16 मार्च से साइप्रस में खेलने जा रही है और पहले राउंड में उनका सामना हमवतन और फ़ीडे विश्व कप की उपविजेता कोनेरू हंपी से होना तय हो चुका है और ऐसे में प्राग में दिव्या के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी .

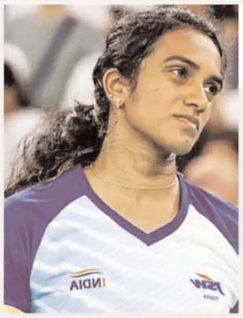

हालात हर घंटे डरावने होते जा रहे हैं

दुबई में फंसी पीवी सिंधू ने डरा देने वाली स्थिति का खुलासा किया

पी1

दुबई (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के लिए बर्मिंघम जाते हुए दुबई हवाई अड्डे पर फंस गई हैं। सिंधू ने डरा देने वाली स्थिति का खुलासा किया है। सिंदू ने बताय कि कुछ घंटे पहले हवाई अड्डे पर जहां हम रुके हुए थे उसके पास एक धमाका हुआ था। हालांकि सिंधू और उनके इंडोनेशियाई कोच इरवांस्याह आदि प्रतामा सुरक्षित हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण उड़ाने रद्द होने के बाद सिंधू और इरवांस्याह दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गए हैं। टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू होना है।

ईरान के मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी देशों के कुछ हिस्सों में धमाकों की खबरें आई हैं जिसमें संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबु धाबी और दुबई भी शामिल हैं। इसके बाद दुबई हवाई अड्डे पर सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है। सिंधू ने शनिवार रात सोशल मीडिया पर तनावपूर्ण पलों के बारे में विस्तार से बताया।

सिंधू ने एक्स पर लिखा, मुश्किल बढ़ती जा रही है और हालात हर घंटे डरावने होते जा रहे हैं। कुछ घंटे पहले हवाई अड्डे पर जहां हम रुके हुए थे उसके पास एक धमाका हुआ। सिंधू ने लिखा, मेरे कोच को जल्दी से उस जगह से भागना पड़ा क्योंकि वह धुएं और मलबे के सबसे करीब थे। यह हम सभी के लिए बहुत तनावपूर्ण और डरावना पल था।भारत के अधिकतर खिलाड़ी पहले ही बर्मिंघम पहुंच चुके हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी, पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन, युवा आयुष शेट्टी, गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली की महिला युगल जोड़ी बर्मिंघम पहुंच चुके हैं। मालविका बंसोड़ भी पहुंच गई हैं लेकिन उन्नति हुड्डा अब भी भारत में हैं क्योंकि नई दिल्ली से बर्मिंघम के लिए उनकी सीधी उड़ान आखिरी समय में रद्द हो गई थी।

टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने कहा-

हम पूरी क्षमता से नहीं खेले

पाल्लेकल (श्रीलंका)(एजेंसी)। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा का कहना है कि उन्होंने टी20 विश्व कप में दबाव में सही फैसले नहीं लिए और वे अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। पाकिस्तान ने अपने आखिरी सुपर आठ चरण के मैच में सह मेजबान और पहले ही बाहर हो चुकी श्रीलंका को पांच रन के मामूली अंतर से हराया। लेकिन यह जीत उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचाने के लिए काफी नहीं थी।

आगा ने शनिवार रात को मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, अगर आप पूरा टूर्नामेंट देखें तो हमने उम्मीद से कम प्रदर्शन किया है। 20 ओवर के मैच में हमने 18 ओवर बहुत अच्छे से खेले और दूसरी टीम को दो ओवर अच्छे से खेलने दिए गए। लेकिन आखिरी तीन ओवर में रणनीति पर अच्छी तरह अमल नहीं किया। हमने पहले इससे भी बेहतर गेंदबाजी की है। हमारी गेंदबाजी इकाई काफी बेहतर है। लेकिन हम ठीक से कार्यान्वयन करने में चूक गए।

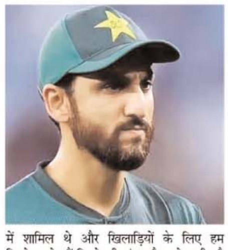

पाकिस्तानी के कप्तान ने खराब प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, हम इसकी पूरी जिम्मेदारी लेंगे। क्यों नहीं? क्योंकि हम टीम चुनने में शामिल थे और खिलाड़ियों के लिए हम जिम्मेदार थे। मैं जिम्मेदारी लूंगा और मुझे यकीन है कि कोच भी लेंगे।% उन्होंने कहा कि दबाव की स्थितियों में फैसले लेना पाकिस्तान के लिए एक बड़ी समस्या थी जिसे आईसीसी टूर्नामेंट में बेहतर नतीजों के लिए सुलझाना होगा। आगा ने कहा, और यही बात मैंने उनसे कही, जब हम दबाव में हों तो हमें बेहतर फैसले लेने होंगे। क्योंकि असल में आप दबाव में गलतियां करते हैं। और आईसीसी टूर्नामेंट में, दबाव ज्यादा होता है क्योंकि आप दुनिया की सबसे अच्छी टीमों के खिलाफ खेल रहे होते हैं।

उन्होंने कहा, हर मैच जरूरी होता है क्योंकि अगर आप एक मैच हार जाते हैं तो ऐसा लगता है कि आप टूर्नामेंट से बाहर हो जाते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि जब आप दबाव में होते हैं तो आपको अच्छे फैसले लेने होते हैं। आगा को लगता है कि पाकिस्तान के लिए समय की जरूरत है कि वे दबाव की स्थितियों में अपने खेल में सुधार करें। उन्होंने कहा, हम पिछले चार आईसीसी टूर्नामेंट में सेमीफाइनल तक नहीं पहुंचे। इसलिए हमें दबाव में अपना खेल बेहतर करना होगा। और जब दबाव बढ़ता है तो अपने फैसले लेने के तरीके को कैसे बेहतर बनाया जाए। मुझे लगता है कि अभी यह ज्यादा मायने रखता है।आगा ने कहा, क्योंकि जब भी दबाव होता है, मुझे लगता है कि हमारी फैसले लेने की क्षमता उतनी अच्छी नहीं होती जितनी होनी चाहिए। जब ??आप विश्व कप या आईसीसी टूर्नामेंट में आते हैं तो हमेशा दबाव होता है। अगर उस दबाव में आपकी फैसले लेने की क्षमता अच्छी नहीं है, तो नतीजा ऐसा होगा।

चौथी शादी करने जा रहे पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब मलिक

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब मलिक एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर चर्चा तेज है कि वह चौथी शादी करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी होने वाली दुल्हन पाकिस्तानी टेलीविजन एक्ट्रेस वनीज़ा सत्तार हो सकती हैं। यहां तक कि कुछ मीडिया दावों में 27 फरवरी 2026 को निकाह की संभावित तारीख भी बताई जा रही है। हालांकि, अब तक न तो मलिक और न ही वनीज़ा ने इन खबरों की आधिकारिक पुष्टि की है।

इन खबरों के सामने आते ही इंटरनेट पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स लगातार इस खबर पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हालांकि यह स्पष्ट करना जरूरी है कि फिलहाल यह केवल मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया अटकलों पर आधारित जानकारी है। आधिकारिक बयान आने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

शोएब मलिक की निजी जिंदगी पहले भी काफी चर्चा में रही है। उनकी पहली शादी आयशा सिद्दीकी से हुई थी। इसके बाद उन्होंने भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा से निकाह किया, जो लंबे समय तक मीडिया की सुर्खियों में रहा। हाल ही में उन्होंने पाकिस्तानी अभिनेत्री सना जावेद से शादी की थी। अगर वनीजा सत्तार से शादी की खबर सच साबित होती है, तो यह मलिक की चौथी शादी होगी।नीजा सत्तार पाकिस्तान की उभरती हुई टेलीविजन अभिनेत्री हैं। उन्हें हम टीवी के ड्रामा लाडली में नाजो के किरदार से पहचान मिली। इस सीरियल में उन्होंने एक जटिल और बिगड़ैल छोटी बहन की भूमिका निभाई थी, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। वनीजा कराची की रहने वाली हैं और उन्होंने कराची यूनिवर्सिटी से अपनी पढ़ाई पूरी की है। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उनके 1,27,000 से अधिक फॉलोअर्स हैं और वह अक्सर अपनी मां और बहन के साथ तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

सिर्फ बाबर आजम को जिम्मेदार ठहराना गलत : पुजारा

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान के सुपर-8 से बाहर होने के बाद पूर्व कप्तान बाबर आज़म आलोचनाओं के केंद्र में हैं। हालांकि, पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ बाबर को बाहर बैठाकर 212/8 का बड़ा स्कोर खड़ा किया, लेकिन चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि पूरी नाकामी का ठीकरा सिर्फ बाबर पर फोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट को बाबर के साथ साफ और ईमानदार बातचीत करनी चाहिए। पुजारा ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि अगर बाबर टीम की भविष्य की योजनाओं में नहीं हैं, तो उन्हें यह स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए। उनके अनुसार, सिर्फ एक खिलाड़ी को जिम्मेदार ठहराना गलत है, असफलता पूरी टीम की रही है।

पुजारा ने पाकिस्तान की सबसे बड़ी कमजोरी मिडिल ऑर्डर को बताया। बाबर को इस टूर्नामेंट में मध्यक्रम की भूमिका दी गई, लेकिन वह उसमें प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। टीम का मध्यक्रम लगातार दबाव में दिखा, जिससे पाकिस्तान को अहम मैचों में नुकसान उठाना पड़ा। बाबर ने इस टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और 4 पारियों में 91 रन बनाए। उनका औसत 22.75 और स्ट्राइक रेट 112.34 रहा। उनकी सबसे बड़ी पारी 46 रन की रही, जो उन्होंने अमेरिका के खिलाफ खेली थी, जबकि भारत के खिलाफ वह सिंगल डिजिट में आउट हो गए थे।

पुजारा ने फखर ज़मान की जमकर सराहना की, जिन्होंने 42 गेंदों पर 84 रन की तूफानी पारी खेली और साहिबज़ादा फरहान के साथ 176 रन की ओपनिंग साझेदारी की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की असली ताकत निडर और आक्रामक क्रिकेट में है, और यही अंदाज उन्हें आगे भी अपनाना होगा। पाकिस्तान के लगातार आईसीसी टूर्नामेंट्स में खराब प्रदर्शन के बाद कई खिलाड़ियों पर गाज गिर सकती है। खबरें हैं कि कप्तान सलमान आगा समेत कई बड़े नामों की टीम में जगह खतरे में है।

हॉकी इंडिया ने महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए टीम घोषित की

हैदराबाद (एजेंसी)। अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया ने निजी कारणों से महिला विश्व कप क्वालीफायर से नाम वापस ले लिया है जबकि हॉकी इंडिया ने रविवार को मिडफील्डर सलीमा टेटे की कप्तानी में 20 सदस्यीय टीम घोषित की। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होना है।

मेजबान भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के तीन क्वालीफिकेशन स्थानों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। टीम को दो पूल में बांटा गया है जिसमें इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में हैं जबकि मेजबान भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स को पूल बी में रखा गया है।

सूत्रों के मुताबिक सविता ने पारिवारिक कारणों से ब्रेक लिया है। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, %सविता टूर्नामेंट से पहले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा नहीं थीं क्योंकि उन्होंने पारिवारिक वजहों से नाम वापस ले लिया था। इसलिए उनके नाम पर विचार करने का कोई कारण नहीं था।

अनुभवी सलीमा टीम की अगुआई करती रहेंगी। बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम गोलकीपिंग की जिम्मेदारी साझा करेंगी। सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता और इशिका चौधरी रक्षा पंक्ति में शामिल हैं जबकि कैप्टन सलीमा, नेहा, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल और दीपिका सोरेंग मिडफील्ड की जिम्मेदारी संभालेंगी।

अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू को जगह मिली है। मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, हम एक साथ अपने पहले टूर्नामेंट को लेकर उत्सुक हैं। हम फिटनेस और रणनीति पर काम कर रहे हैं जिससे कि टीम में हर कोई अपने काम और भूमिका को समझ सके। हम आगे के मुकाबलों के लिए पूरी तरह से तैयार होने के लिए हैदराबाद में दो अभ्यास मैच खेलेंगे। भारत अपने अभियान की शुरुआत आठ मार्च को उरुग्वे के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद नौ मार्च और 11 मार्च को क्रमशः स्कॉटलैंड और वेल्स के खिलाफ खेलेगी।

टीम

गोलकीपर- बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबम

डिफेंडर - सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता, इशिका चौधरी

मिडफील्डर - नेहा, सलीमा टेटे, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल, दीपिका सोरेंग

फारवर्ड - नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू

फुटबॉल टूर्नामेंट खेलने जा रहे 19 खिलाड़ी हादसे का शिकार, 7 की हालत गंभीर

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा के हिसार जिले के गांव चूली बागड़यान की फुटबॉल टीम शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे का शिकार हो गई। टूर्नामेंट खेलने जा रहे 19 खिलाड़ी घायल हो गए, जिनमें से 7 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

टायर फटने से पलटी गाड़ी

जानकारी के अनुसार, खिलाड़ी सिरसा जिले के रानियां क्षेत्र के गांव हरिपुरा में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए टाटा मैजिक वाहन में रवाना हुए थे। फतेहाबाद जिले के गांव खाबड़ा के पास अचानक वाहन का टायर फट गया। चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे गाड़ी पहले सड़क किनारे पेड़ से टकराई और फिर खेत में पलट गई। हादसे के वक्त वाहन में कुल 19 खिलाड़ी सवार थे। गाड़ी पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई।

ग्रामीणों ने चलाया राहत अभियान

शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को वाहन से बाहर निकाला और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। सभी खिलाड़ियों को तुरंत भट्टू सीएचसी ले जाया गया।

7 खिलाड़ियों को अग्रोहा रेफर

प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बिल्लू, विजय, मुकेश, दिनेश, हिमांशु, क्षितिज और सुनील की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

अन्य 12 खिलाड़ियों – रोहताश, अमन, साबू, छोटू, आशीष, कुलदीप, अनुज, पंकज, भीम सिंह, राघव, विकास और ज्ञानेंद्र – को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। सभी खिलाड़ियों की उम्र 15 से 35 वर्ष के बीच बताई गई है।

गांव की मेहनती टीम, टूर्नामेंट से चूकी

गांव चूली बागड़यान में यह टीम नियमित अभ्यास करती है। गांव के युवाओं ने मिलकर टीम बनाई है और वरिष्ठ खिलाड़ी उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। हादसे के कारण टीम टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकी।सूचना मिलते ही सरपंच प्रतिनिधि विनोद बैनीवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और खिलाड़ियों के परिजन अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।